हरिभूमि

जबलपुर

रविवार, 30 मार्च 2025

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

देश के ये भी बड़े देवी माता मंदिर: यहां नवरात्रि पर दर्शन मात्र से मुरादें हो जाती हैं पूरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रविवार से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत हो रही है। इस दौरान मां दुर्गा के 9 रूपों की हर दिन पूजा होती है। पूरे देश भर के देवी मंदिरों में इस दौरान छटा देखने योग्य होती है। कहा जाता है कि यहां दर्शन मात्र से प्राणी की मुरादें पूरी हो जाती है।

देशभर में कई प्रसिद्ध और प्राचीन देवी मंदिर हैं, जहां दर्शन के लिए केवल देश ही नहीं विदेशों से भी हिंदू भक्त पहुंचते हैं। भारत के उत्तर में कटड़ा में माता वैष्णो देवी माता का मंदिर है, वहीं दक्षिण में चामुंडेश्वरी मंदिर और मदुरै का मीनाक्षी मंदिर है। इसके अलावा 52 शक्तिपीठ भी हैं।

जय अंबे गौरी मैया जय श्यामा गौरी...

देशभर में कई प्रसिद्ध और प्राचीन देवी मंदिर हैं, जहां दर्शन के लिए केवल देश ही नहीं विदेशों से भी हिंदू भक्त पहुंचते हैं। भारत के उत्तर में कटड़ा में माता वैष्णो देवी माता का मंदिर है, वहीं दक्षिण में चामुंडेश्वरी मंदिर और मदुरै का मीनाक्षी मंदिर है। इसके साथ देश में 52 शक्तिपीठ भी हैं, जहां मनवांछित फलों की प्राप्ति होती है।

देवी कृपा से देश के चहुंओर से मिल रहा उनका 'प्रसाद'

1 वैष्णो देवी मंदिर, कटड़ा

जम्मू-कश्मीर के कटड़ा में वैष्णो देवी का मंदिर है। इसे भारत का सबसे प्रसिद्ध और लोकप्रिय मंदिर माना जाता है। नवरात्रि में यहां का नजारा देखते ही बनता है। माता के दर्शन को भक्तों को पैदल यात्रा करनी होती है। अब हेलीकॉप्टर सेवा और घोड़े व पालकी की व्यवस्था भी है। हर साल यहां लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

2 कामाख्या देवी मंदिर, गुवाहाटी

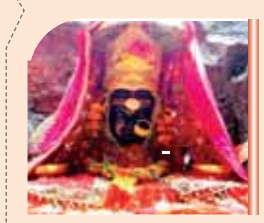

असम राज्य के गुवाहाटी में कामाख्या देवी मंदिर स्थित है। यह मंदिर 52 शक्तिपीठों में से एक है। यहां माता सती का योनि भाग गिरा था।इस मंदिर को तंत्र साधना का प्रमुख केंद्र माना जाता है। नवरात्रि के समय यहां विशेष पूजा-अर्चना होती है। देवी के दर्शन के लिए दूर-दूर से भक्त आते हैं।

3 अन्नपूर्णा मंदिर, वाराणसी

भगवान शिव की नगरी काशी में माता अन्नपूर्णा का मंदिर है जो कि देवी पार्वती का प्रमुख स्थल है। यह मंदिर भक्तों को सुख-समृद्धि और अन्न-धन का आशीर्वाद देने वाला माना जाता है। नवरात्रि में यहां भव्य पूजा और भंडारे का आयोजन किया जाता है।

4 हरसिद्धि मंदिर, उज्जैन

मध्य प्रदेश के उज्जैन में भी शक्तिपीठ है, जिसका नाम हरसिद्धि माता मंदिर है। इसे देश के प्रमुख शक्ति पीठों में गिना जाता है। यहां माता सती की कोहनी गिरी थी। नवरात्रि के दौरान यहां विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं। मां काली की भव्य आरती भक्तों को अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव देती है।

5 अंबाजी मंदिर, गुजरात

गुजरात के बनासकांठा में अंबाजी मंदिर स्थित है। इस मंदिर को 52 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। मान्यता है कि यहां माता सती का हृदय गिरा था। यह मंदिर बिना किसी मूर्ति के पूजनीय है, क्योंकि यहां केवल श्री यंत्रकी पूजा की जाती है। मान्यता है कि यहां भगवान श्रीकृष्ण का मुंडन संस्कार संपन्न हुआ था।

खबर संक्षेप

फैक्ट्री में आग से छत गिरी, 4-5 कर्मी घायल

रेवाड़ी। दिल्ली-जयपुर हाईवे स्थित धारूहेड़ा में एक फैक्ट्री में शुक्रवार देर रात अचानक आग लग गई। आग के कारण एक्सपेंशन बिल्डिंग की छत गिर गई। मलबा गिरने से 4-5 कर्मचारियों को मामूली चोट आई हैं। दमकल की 3 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।धारूहेड़ा के मालपुरा स्थित एक फैक्ट्री का प्लांट है।

मंदिर में नूडल्स का लंगर, 17 लोग भर्ती

होशियारपुर। पंजाब के होशियारपुर के बीनेवाल गांव में एक मंदिर में आयोजित लंगर (सामुदायिक रसोई) में खाना खाने के बाद 10 बच्चों सहित करीब 17 लोग बीमार हो गए। शुक्रवार को पेट में ऐंठन और उल्टी की शिकायत के बाद उन्हें पहले बीनेवाल के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

वडोदरा में डंपर ने स्कूटी सवार मां-बेटी को कुचला

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा के वागोडिया तालुका के मालोधर रोड पर एक हिट-एंड-रन की घटना घटी है। डंपर की टक्कर से एक्टिवा पर सवार मां-बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। इस हादसे में 12 वर्षीय बेटी काव्या पटेल की जान चली गई। हादसे का फुटेज भी सामने आया है। वाघोडिया पुलिस डंपर चालक को तलाश रही है।

सिंगर के शो के दौरान छात्र गुट भिड़े, 1 की मौत

चंडीगढ़। पंजाब यूनिवर्सिटी में हरियाणवी सिंगर मासूम शर्मा के शो के दौरान छात्रों के दो गुटों में हिंसक झड़प हो गई। इस दौरान हमलावरों ने चाकू मारकर 4 छात्रों को घायल कर दिया। जिनमें से एक छात्र की मौत हो गई। उसकी पहचान आदित्य ठाकुर के रूप में हुई है। वह हिमाचल का रहने वाला था।

सांसद सुमन के समर्थन में सड़क पर उतरी समाजवादी पार्टी

आंबेडकर पार्क से तुवन चौराहा होकर कलेक्ट्रेट कूच किया, पुलिस से की नोकझोंक-नारेबाजी

जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन, सुरक्षा का मांग की

एजेंसी ▶▶ आगरा

सांसद रामजीलाल सुमन के आगरा स्थित आवास पर 26 मार्च को करणी सेना के पदाधिकारियों द्वारा आवास सहित उनकी गाड़ियों को निशाना बनाया गया। सांसद के परिजनों पर हमला किया गया था। जिसके विरोध में समाजवादी पार्टी एकजुटता के साथ शनिवार को सड़क पर उतरी। बाबा साहेब आंबेडकर पार्क में सपा नेताओं के जुटने का सिलसिला शुरू हुआ। यहां भारी संख्या में प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी पहुंचे।

इस दौरान पुलिस कर्मियों से सपाइयों की नोकझोंक भी हुई। बाद में सपा जिलाध्यक्ष के हस्तक्षेप के बाद प्रदर्शन को आगे बढ़ने की अनुमति दी गई। सपाइयों ने तुवन चौराहा होते कलेक्ट्रेट में कूच किया। जहां सपाई पुलिस के घेरे में रहे। सपा जिलाध्यक्ष नेपाल सिंह यादव के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन में कहा कि सपा सांसद एवं वरिष्ठ नेता रामजी लाल सुमन के घर तोड़फोड़ करने वाले आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। जब लोकतंत्र के सबसे बड़े सदन में सांसद सुरक्षित नहीं है, तो सोचो दलित वर्ग का क्या हाल होता होगा।

सुमन के बयान पर मचा घमासान

प्रदेश की कानून व्यवस्था हो गई ध्वस्त

प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। योगी सरकार पर कानून व्यवस्था संभालने नहीं संभल रही है। प्रदेश में गुंडाराज कायम है, आज हमारी बहन बेटियां सुरक्षित नहीं हैं, प्रतिदिन प्रदेश में हत्या, लूट, बलात्कार जैसी कई घटनाएं घट रही हैं और सरकार अपनी झूठी उपलब्धियों का बखान कर रही हैं।

दलितों का अपमान बर्दाश्त नहीं

झांसी ललितपुर लोकसभा बूथ प्रभारी एवं पूर्व जिलाध्यक्ष ज्योति सिंह यादव ने कहा कि हम दलितों का अपमान किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे। यदि हमारे दलित समाज के सम्मान को ठेस पहुंचती है तो समाजवादी पार्टी पूरे प्रदेश में बड़ा जन आंदोलन छेड़ देगी। उन्होंने कहा कि यह देश बाबा साहब आंबेडकर के संविधान से चलेगा, किसी की तानाशाही से नहीं चलेगा। मनमानी बर्दाश्त नहीं होगी।

प्रदर्शन में ये भी रहे शामिल

प्रदर्शन के दौरान अनुसूचित पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन घायल, जिला उपाध्यक्ष भजनलाल कुशवाहा, नगर अध्यक्ष अंशुल जैन,युवजन सभा जिलाध्यक्ष अरशद मंसूरी, मुलायम सिंह यूथ बिग्रेड जिलाध्यक्ष ह्रदेश यादव मुखिया, पूर्व लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष आकिब मंसूरी, पिछड़ा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष नरेंद्र सिंह राजपूत, बाबा साहब आंबेडकर वाहिनी जिलाध्यक्ष तुलसीराम अहिरवार, राममूर्ति तिवारी सहित अनेक सपा नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वक्फ बिल पर ओवैसी ने सरकार को घेरा — पास कराने को सरकार के पास बहुमत नहीं

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख

असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि विधेयक को पारित कराने के लिए भाजपा के पास लोकसभा में बहुमत नहीं है। अगर चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार इसका विरोध करते हैं, तो बिल पारित नहीं होगा। ओवैसी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार की बैसाखी पर निर्भर हैं। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह वक्फ बिल को लेकर देश में झूठ फैला रहे हैं। शाह भारत सरकार के गृह मंत्री हैं और उनका बयान इस बात का सबूत है कि आप एक असांविधानिक कानून बनाने की कोशिश कर रहे हैं जिसे अदालत में चुनौती दी जा सकती है। यह संविधान के अनुच्छेदों का उल्लंघन है और इससे पूरे देश के वक्फ को नुकसान होगा।

नीतीश, चिराग व नायडू से की रोकने की अपील

वक्फ बोर्ड का मामला पूरे देश में गरमाया हुआ है। बिहार में 5 महीने के बाद ही चुनाव है और ऐसे में जो विपक्षी दल हैं, विशेषकर आरेजडी इसे भुनाने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रही। तेजस्वी यादव जैसे नेता वक्फ बोर्ड बिल के ऊपर हो रहे किसी भी आंदोलन का चेहरा बनने को हमेशा तैयार रहते हैं। ऐसे में बिहार की राजनीति में ओवैसी ने भी नया पांसा फेंक दिया है। ओवैसी ने वक्फ बोर्ड के मुद्दे पर नीतीश कुमार, चिराग पासवान और चंद्रबाबू नायडू पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अगर ये नेता मुसलमानों के हितैषी होने का दावा करते हैं, तो उन्हें केंद्र सरकार में अपनी ताकत का इस्तेमाल करके वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक को रोकना चाहिए।

वीर तेजाजी की मूर्ति से छेड़छाड़

जयपुर में बवाल, सड़कें जाम बाजार बंद, पुलिस का पहरा

एजेंसी ▶▶ जयपुर

जयपुर में प्रताप नगर के वीर तेजाजी मंदिर में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा मूर्ति क्षतिग्रस्त किए जाने के बाद विहिप और बजरंग दल समेत श्रद्धालुओं ने टोंक रोड पर जाम कर दिया। सांगानेर इलाके में शुक्रवार देर रात असामाजिक तत्वों ने मूर्ति को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और श्रद्धालुओं व स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला।

देखते ही देखते टोंक रोड पर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से मांग की है कि शीघ्र ही दोषियों को गिरफ्तार किया जाए। सुबह से ही श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह घटना एक सुनियोजित साजिश के तहत धार्मिक भावनाओं को आहत करने के लिए की गई है, इसलिए कठोर कार्रवाई की जाए।

आस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं: बेनीवाल

घटना की गंभीरता को देखते हुए जयपुर के कई प्रमुख नेता घटनास्थल पर पहुंचे और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। नेताओं ने कहा कि यह केवल धार्मिक स्थल पर हमला नहीं है, बल्कि समाज में अशांति फैलाने की एक सोची-समझी चाल है। उन्होंने राज्य सरकार से इस मामले की न्यायिक जांच करवाने और दोषियों को जल्द से जल्द सजा देने की मांग की। सांसद हनुमान बेनीवाल ने चेतावनी देते हुए एक्स पर पोस्ट डाली है। उन्होंने कहा कि पुलिस कमिश्नर से मूर्ति को तोड़ने वालों का जल्दी पता लगाकर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने के संदर्भ में बात की है। उन्होंने कहा कि आस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेंगे।

बाजारों में सन्नाटा, पुलिस बल तैनात

घटना के विरोध में सांगानेर और प्रताप नगर के व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा और माहौल गंभीर बना रहा। स्थानीय निवासियों ने चेतावनी दी कि जब तक दोषियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक विरोध जारी रहेगा। प बहरहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मंदिर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में कुछ संदिग्ध गतिविधियों का पता चला है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।ुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति को सामान्य करने की अपील की।

कसाब को पकड़ने में दिया था बलिदान

शहीद तुकाराम का स्मारक बनाएगी फडणवीस सरकार

एजेंसी ▶▶ मुंबई

साल 2008 में हुए मुंबई हमलों में मुंबई पुलिस के जवान शहीद तुकाराम ओंबले ने

हमले के एक मात्र जिंदा आतंकी अजमल आमिर कसाब को पकड़ने में बेहद अहम भूमिका निभाई थी। कसाब लगातार उन पर गोलियां चला रहा था लेकिन ऐके 47 की गोलियां लगने के बावजूद तुकाराम ओबले ने उस दरिंदे को नहीं छोड़ा था। कसाब को जिंदा पकड़ा गया। तुकाराम ओंबले शहीद हो गए थे। महाराष्ट्र सरकार उनका स्मारक बनाएगी।

सतारा के पैतृक गांव में किया जाएगा निर्माण

शहीद तुकाराम ओंबले को अपने सर्वोच्च बलिदान के लिए मरणोपरांत अशोक चक्र से सम्मानित किया गया था। महाराष्ट्र सरकार ने बताया है कि शहीद ओंबले का स्मारक सतारा जिले में उनके पैतृक गांव केदांबे में बनाया जाएगा, जहां तुकाराम ओंबले का जन्म हुआ था।

स्वास्थ्य विभाग की जांच में खुलासा

केरल में 1 सुई के इस्तेमाल से 10 एचआईवी पॉजिटिव

एजेंसी ▶▶ मलप्पुरम

केरल के मलप्पुरम जिले के वलंचेरी नगर पालिका क्षेत्र से एक चौंकाने वाली खबर

सामने आई है। यहां 10 लोगों के एचआईवी पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई है। इन सभी को एक ही सुई से इंजेक्शन लगाया गया था। संक्रमित व्यक्तियों में 3 अन्य राज्यों के प्रवासी श्रमिक हैं, जबकि 7 केरल के निवासी हैं। स्वास्थ्य विभाग की जांच में पता चला ये सभी नशीली दवाओं का सेवन करने के आदी थे और एक ही इंजेक्शन का बार-बार उपयोग करने से संक्रमित हो गए।

सभी संक्रमित नशे के थे आदी

स्वास्थ्य विभाग की प्रारंभिक जांच के अनुसार सभी संक्रमित नशे के आदी थे। इनमें से एक व्यक्ति पहले से ही संक्रमित था। उसी द्वारा इस्तेमाल की गई सिरिंज को अन्य 9 व्यक्तियों ने भी नशे के लिए इस्तेमाल किया, जिससे संक्रमण फैल गया। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि सभी 10 संक्रमित व्यक्तियों को निगरानी में रखा गया है।

'गुड़ी पड़वा' समारोह

सूरत। शनिवार को सूरत में 'गुड़ी पड़वा' समारोह के दौरान अनुष्ठान करती हुईं छात्राएं।

उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने दर्ज कराया मामला

कॉमेडियन कामरा के खिलाफ महाराष्ट्र में तीन और एफआईआर

अलग अलग इलाकों में कायमी की

एजेंसी ▶▶ मुंबई

कॉमेडियन कुणाल कामरा की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एकनाथ शिंदे की शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने उनके खिलाफ तीन और एफआईआर दर्ज कराई है।

शिवसेना के ये कार्यकर्ता एक शो के दौरान शिंदे पर की गई कामरा की कथित अपमानजनक टिप्पणी से नाराज हैं। ये तीनों मामले महाराष्ट्र के अलग-अलग इलाकों में दर्ज किए गए हैं। इन मामलों को आगे की जांच के लिए मुंबई के खार पुलिस स्टेशन को भेज दिए गए हैं। खार पुलिस

पहले से ही कामरा के खिलाफ दर्ज मामले की जांच कर रही है। ये एफआईआर मयूर बोर्से नासिक के मनमाड, संजय भुजबल ने बुलढाणा के जलगांव जामोद में और सुनील जाधव ने नासिक के नांदगांव मनमाड में दर्ज कराई है।

स्वाति ने मां और भाई-बहन पर की अश्लील टिप्पणी

एक और कॉमेडियन स्वाति सचदेवा ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो रिलीज किया है। इसका नाम है 'फैमिली फर्स्ट'। स्वाति कहती हैं कि मेरी मां आजकल कूल बनने की कोशिश कर रही हैं। हाल ही में उन्हें मेरा टॉय मिला। वे मेरे पास आईं और 'एक दोस्त' की तरह बात करने को कहा। मां से इसका नाम भी नहीं बोला जा रहा था। वे गैजेट और खिलौना कहकर बुला रही थी। उन्होंने दबाव देकर पूछा तो मेरे मुंह से निकल गया कि यह पापा का है। फिर मां बोलीं, बकवास मत कर।

राष्ट्रपति ने 'पर्यावरण 2025' पर 2 दिनी सम्मेलन का किया उद्घाटन

स्वच्छ पर्यावरण के लिए जागरूक और संवेदनशील बनें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को नई दिल्ली में 'पर्यावरण-2025' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण की विरासत देना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

इसके लिए हमें पर्यावरण के प्रति जागरूक और संवेदनशील जीवनशैली अपनानी होगी ताकि पर्यावरण न केवल संरक्षित हो बल्कि उसका संवर्धन भी हो और पर्यावरण अधिक जीवंत बन सके। स्वच्छ पर्यावरण और आधुनिक विकास के बीच संतुलन बनाना एक अवसर भी है और चुनौती भी।

आगामी पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण देना हम सब की जिम्मेदारी

पर्यावरण के अनुकूल मार्ग पर चलना चाहिए

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे देश और पूरे विश्व समुदाय को पर्यावरण के अनुकूल मार्ग पर चलना होगा, तभी मानवता वास्तविक प्रगति कर सकेगी। उन्होंने कहा कि भारत ने अपनी हरित पहलों के माध्यम से विश्व समुदाय के समक्ष कई अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी हितधारकों की भागीदारी से भारत वैश्विक स्तर पर हरित नेतृत्व की भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि हम सभी को वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है, जहां वायु, जल, हरियाली और समृद्धि पूरे विश्व समुदाय को आकर्षित करे।

भारतीय विरासत का आधार पोषण

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि हमारा मानना है कि प्रकृति एक मां की तरह हमारा पोषण करती है और हमें प्रकृति का सम्मान और संरक्षण करना चाहिए। विकास की भारतीय विरासत का आधार पोषण है, शोषण नहीं, संरक्षण है, उन्मूलन नहीं। इसी परंपरा का पालन करते हुए हम विकसित भारत की ओर आगे बढ़ना चाहते हैं।

पर्यावरण परिवर्तन का रखना होगा ध्यान

राष्ट्रपति कहा कि हमारे बच्चों और युवा पीढ़ी को व्यापक स्तर पर पर्यावरण परिवर्तन का सामना करना होगा और उसमें योगदान देना होगा। उन्होंने कहा कि हर परिवार में बड़े-बुजुर्गों को इस बात की चिंता होती है कि उनके बच्चे किस स्कूल या कॉलेज में पढ़ेंगे और कौन सा कॅरियर चुनेंगे। यह चिंता जायज है। हम सभी को सोचना होगा कि बच्चे कैसी हवा में सांस लेंगे, उन्हें कैसा पानी पीने को मिलेगा, वे पक्षियों की मधुर आवाज सुन पाएंगे या नहीं, वे हरे-भरे जंगलों की खूबसूरती का अनुभव कर पाएंगे?

हिन्दू नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

चैत्र नवरात्र की मंगलकामनाएं

haribhoomi.com

जबलपुर, रविवार 30 मार्च 2025

'हरिभूमि' में पढ़िए चार प्रमुख शक्ति पीठों में तैयारियों की रिपोर्ट

सलकनपुर की बिजासन माता

1 पहले दिन करीब 1 लाख श्रद्धालु करेंगे मां के दर्शन

रेहटी। पहाड़ी पर जाने वाले मार्ग से टैक्सियों से श्रद्धालु माता बिजासन के दर्शन करने पहुंचेंगे, लेकिन अपने अपने निजी वाहनों से नहीं पहुंच पाएंगे। साथ ही मोटरसाइकिल से भी सड़क मार्ग से माता बिजासन धाम पहुंच सकते हैं। मध्य प्रदेश में विख्यात शक्तिपीठ बिजासन धाम सलकनपुर में यूं तो प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचते हैं।

पहाड़ी वाले मार्ग पर निजी वाहन नहीं चलेंगे

दतिया की मां पीतांबरा देवी

2 पहले दिन करीब 50 हजार श्रद्धालु टेकेंगे दरबार में माथा

दतिया। दतिया में विश्व प्रसिद्ध तांत्रिक शक्तिपीठ मां पीतांबरा मंदिर में चैत्र नवरात्रि पर्व की तैयारियां जोरों पर हैं। मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया है, और चारों मुख्य द्वार श्रद्धालुओं के लिए खुले रहेंगे। मंदिर परिसर में बैरिकेड्स लगाए गए हैं।

करीब 200 पुलिस जवानों की तैनाती की गई

नलखेड़ा की मां बगलामुखी देवी

3 गर्भगृह के बाहर से ही होगी मां के दर्शन की व्यवस्था

नलखेड़ा। आगर जिला मुख्यालय से 35 किलोमीटर दूरी पर नलखेड़ा नगर में पीतांबरा सिद्ध पीठ मां बगलामुखी का पांडव कालीन यह मंदिर है। मां के दरबार में स्थित गर्भगृह में विगत 56 वर्षों से अखंड ज्योत जल रही है, जो की शुद्ध घी से जलाई जाती है।

56 वर्षों से जल रही अखंड ज्योत

मैहर की मां शारदा देवी

4 नवरात्र में 10 लाख से ज्यादा आएंगे दर्शन को श्रद्धालु

सतना। पूरे मंदिर परिसर को 6 जून में बांटा गया है। मेले में 10 लाख से भी ज्यादा श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। एसपी ने बताया कि दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए पुलिस के 50 से अधिक इयूटी प्वांइट बनाए गए हैं। बाइक पेट्रोलिंग के निर्देश भी हैं।

सीढ़ियों पर सीसीटीवी से होगी निगरानी

सर्वार्थ सिद्धि, रेवती

नक्षत्र में चैत्र नवरात्र आज से

मां दुर्गा इस बार हाथी पर सवार होकर आएंगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

चैत्र नवरात्र यानि शक्ति की साधना का महापर्व रविवार से शुरू हो रहा है। इस बार आठ दिनों के नवरात्र होंगे। दरअसल, तृतीया तिथि क्षय होने के कारण दूसरा और तीसरा नवरात्र 31 को ही माना जाएगा। पांच अप्रैल को अष्टमी और छह को नवमी पूजन किया जाएगा। मां चामुंडा दरबार के पुजारी गुरु पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि नवरात्र की शुरुआत 30 मार्च से सर्वार्थ सिद्धि, इंद्र योग और रेवती नक्षत्र में होगी। साथ ही हिंदू नववर्ष का भी आरंभ भी होगा। इस साल मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर धरती पर आएंगी।

भोपाल में चार दिन बंद रहेंगी मांस की दुकानें

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

नवरात्र में मांस की दुकानें बंद रखने की मांग के बीच भोपाल नगर निगम ने चार दिन मांस की दुकानों को बंद रखने का आदेश जारी किया है। नगर निगम की तरफ से चैती चांद, राम नवमी, महावीर जयंती और बुद्ध जयंती पर भी मांस की दुकानें बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने चैती चांद, रामनवमी, महावीर जयंती एवं बुद्ध जयंती पर निगम सीमा में मांस विक्रय की दुकाने पूर्णतः बंद रखने का आदेश जारी कर दिया है।

प्रथम दिवसः मां शैलपुत्री

वन्दे वांच्छित लाभाय चंद्रार्धकृतशेखराम् ।
वृषारूढां शूलधरां शैलपुत्रीं यशस्विनीम् ॥

भाजपा कार्यालय में 'आईएम बीजेपी फ्यूचर फोर्स' के दो दिवसीय बूट कैंप के शुभारंभ मौके पर सीएम का ऐलान

जिलों की विकास समितियों में उद्यमियों और प्रोफेशनल्स को भी जोड़ा जाएगा

लोकतंत्र की रक्षा के लिए जनसेवक बनकर कार्य करें युवा उद्यमी व प्रोफेशनल्स

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि एक हजार साल की गुलामी के बाद वर्ष 1947 में देश आजाद हुआ, उस वक्त सबसे पहले देश की जनता के पैसे से सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया। किंतु एक समुदाय विशेष के वोट के लिए देश के पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने मंदिर का उद्घाटन करने से इंकार कर दिया था।

नेहरू जी ने वोट के लिए देश के नैतिक मूल्यों व सनातन संस्कृति को किनारे किया था। वहीं, देश के पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, जिन्होंने राम मंदिर के शिलान्यास कार्यक्रम में भी बैठे और लोकार्पण में भी मौजूद रहे।

देश और राजनीति की दिशा बदल सकते हैं युवा

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी देश की राजनीति से परिवारवाद को मात करने के लिए एक लाख प्रोफेशनल्स, उद्यमियों और अलग-अलग क्षेत्र के प्रतिभावान लोगों, आंत्रप्रेन्योर को राजनीति में लाने का आह्वान किया है।

जातिवाद परिवारवाद समाप्त होगा तभी विकसित भारत बनेगा

नीतियों पर महत्वपूर्ण सुझाव देंगे

आप सभी अपने-अपने क्षेत्र के विकास के लिए बनाई जाने वाली नीतियों में महत्वपूर्ण सुझाव देंगे और नीतियों को बनाने में अपनी भूमिका निभाएंगे। इससे देश और प्रदेश आगे बढ़ेगा और 2047 तक भारत को विश्व गुरू बनाने का सपना साकार होगा।

औद्योगिक विकास दर 0.02% से 12 प्रतिशत तक पहुंचाई

-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सत्ता की ताकत सुनीतियों के बल पर होती है। मप्र में वर्ष 2003 से पहले कांग्रेस की सरकार थी। पर प्रदेश के विकास के लिए कोई कार्य नहीं किया गया। 2003 में जब भाजपा की सरकार बनी, तब प्रदेश की औद्योगिक विकास दर 0.02 प्रतिशत के करीब थी।

◆ नीति निर्माण प्रक्रिया में शामिल हों यंग प्रोफेशनल्सः शर्मा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने बूट कैंप में विभिन्न क्षेत्रों के प्रोफेशनल, इंटेलेक्चुअल युवाओं का स्वागत करते हुए कहा कि शिकागो की धर्मसभा में स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि आप मुझे मेरे जैसे 100 युवा दें, मैं सारी दुनिया को बदल दूंगा। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम से जब युवाओं ने पूछा कि राजनीति गुंडाइज्म, धनबल, बाहुबल की पर्याय बन गई है, इस स्थिति को कैसे बदला जा सकता है? तब डॉ. कलाम ने जवाब दिया था कि जब तक आपके जैसे युवा राजनीति में नहीं आएंगे, तब तक वही पुराने लोग राजनीति चलाते रहेंगे और यही सब चलता रहेगा।

खबर संक्षेप

गेहूं से भरे ट्रक में लगी आग, कई टन खाक

ब्यावरा। शहर के नजदीक खानपुरा पर नेशनल हाइवे पर देर रात को गेहूं से भरे एक ट्रक में अचानक आग लग गई जिसमें कई टन गेहूं जलकर खाक होने का अनुमान है। आग इतनी भयानक थी की ट्रक का डीजल टेंक ही फट गया जिससे आग बेकाबू हो गई जिसे दमकल से काबू किया।

हाथापाई में टीएमसी विधायक गिरी घायल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री और वरिष्ठ टीएमसी विधायक अखिल गिरि शनिवार को पूर्व मेदिनीपुर जिले में एक सहकारी बैंक के बोर्ड सदस्यों के चुनाव प्रक्रिया के दौरान हाथापाई में घायल हो गए।सहकारी बैंक के अध्यक्ष विपक्ष के नेता और भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी थे।

बोले- हिंदू विरोधियों के साथ यही होगा

धार्मिक ध्वज हटाने पर सीएमओ के मुंह पर हिंदू संगठनों ने कालिख पोत डाली

- दमोह में भाजपा-हिंदू संगठन के लोगों का चक्काजाम
- पर्यटन संस्कृति राज्य मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी बोले- सीएमओ का कृत्य निंदनीय

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

दमोह में धार्मिक ध्वज हटवाने के विरोध में भाजपा और हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने नगर पालिका सीएमओ के चेहरे पर कालिख पोत दी। इसके बाद चक्काजाम कर दिया। सीएसपी अभिषेक तिवारी मौके पर पहुंचे और सड़क पर बैठे लोगों को समझाया। हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ताओं ने सीएमओ को निलंबित करने की मांग की है। वे कलेक्ट्रेट में इसके लिए ज्ञापन देंगे। उनका कहना है कि हिंदू धर्म के विरोधियों के साथ ऐसा ही व्यवहार किया जाएगा। कलेक्टर सुधीर कोचर ने बताया कि नवरात्रि के शुभारंभ पर घंटाघर पर शुक्रवार रात हिंदूवादी संगठन द्वारा ध्वज लगाया जा रहा था। नपा कर्मचारियों ने उन्हें ऐसा करने से रोका। इस कारण विवाद की स्थिति हुई।

चिरावन ने कहा- कुछ अधिकारी और कर्मचारी उनके खिलाफ साजिश रच रहे

चिरावन ने ही सिंगरौली में एसडीएम रहते महिला से जूते की लेस बंधवाई थी

नर्मदापुरम डिप्टी कलेक्टर सस्पेंड महिलाओं से अभद्रता का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ नर्मदापुरम

नर्मदापुरम में डिप्टी कलेक्टर पर महिला कर्मचारियों से अभद्र भाषा में बात करने और गलत मैसेज भेजने के आरोप हैं।

शिकायत मिलने के बाद उन्हें सस्पेंड कर दिया गया। कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने शुक्रवार देर शाम डिप्टी कलेक्टर असवान राम चिरामन

के सस्पेंशन के आदेश जारी किए। इधर, असवान राम चिरामन ने सभी आरोपों को झूठा बताया है। उनका कहना है कि कुछ अधिकारी और कर्मचारी उनके खिलाफ साजिश रच रहे हैं। चिरावन पहले सिंगरौली में एसडीएम रहते महिला से जूते की लेस बंधवाकर चर्चा में आए थे। तब सीएम ने उन्हें हटा दिया था। असवान राम चिरामन सोहागपुर में एसडीएम के पद पर पदस्थ थे। शिकायतें मिलने पर 21 मार्च को उन्हें पद से हटा दिया गया था। उन्हें नर्मदापुरम कलेक्ट्रेट में डिप्टी कलेक्टर पद पर पदस्थ किया गया था।

मप्र में आबकारी विभाग के टूटे सारे पुराने आंकड़े

बड़े जिलों में 22 फीसदी से अधिक बिकी दुकानें

सरकार को 5 साल में सबसे ज्यादा मिलेगा 'राजस्व'

19 धार्मिक स्थलों में शराब दुकानों की नीलामी नहीं की गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र आबकारी विभाग को वर्ष 2024-25 के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2025-26 में करीब 22 फीसदी से भी ज्यादा राजस्व मिलने की संभावना बन गई है। यह पिछले पांच-छह वर्षों में 29 मार्च तक में मिलने वाले राजस्व का सर्वाधिक रिकॉर्ड है। अब तक में जितनी भी दुकानें, ग्रुपों की नीलामी हुई हैं, उसमें 22 से लेकर 26 फीसदी तक रिकॉर्ड बढ़ोतरी के साथ दुकानों की नीलामी हुई है।

आबकारी विभाग के इस नुस्खे से बढ़ेगा राजस्व

आबकारी आयुक्त अभिजीत अग्रवाल ने ब्लैक में शराब बेचने की योजना बनाने वाले ठेकेदारों के मंसूबे पर रोक लगा दी। उन्होंने स्टांप इयूटी देकर शराब लेने पर पाबंदी लगा दी, जिनकी पुरानी इयूटी थी, उन्हें भी मना कर दिया। बताते हैं कि धार जिले के आसपास के क्षेत्र से शराब लेकर कई कारोबारी दूसरे राज्यों में सप्लाई करने की तैयारी कर रहे थे।

ई-बैंक गारंटी की वैधता अवधि 30 अप्रैल 2026 तक

ई-बैंक गारंटी की वैधता अवधि कम से कम 30 अप्रैल 2026 तक होगी। इसके लिए एफडी स्वीकार नहीं की जाएगी। पहले से जमा एफडी का नवीनीकरण भी नहीं किया जाएगा। जो ई-बैंक गारंटी दी जाएगी उसका कहीं और प्रयोग नहीं किया जा सकेगा। दुकानों को कहीं शिफ्ट भी नहीं किया जाएगा। आबकारी आयुक्त अभिजीत अग्रवाल ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए दुकानों का निष्पादन अंतिम चरण में है।

जबलपुर
रविवार, 30 मार्च 2025
चैत्र मास शुक्ल पक्ष-01
वर्ष : 19, अंक : 323
पृष्ठ : 2+12=14 मूल्य : 3.00 *
मौसम
अधि. 33
न्यून. 18

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न पहलुओं के प्रकटीकरण के लिए हम विक्रमोत्सव का कर रहे आयोजन

विक्रम संवत प्रकृति के संरक्षण, संवर्धन और विकास का उत्सव

ब्लॉग

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मप्र शासन

आज से विक्रम संवत 2082 आरंभ हुआ है। यह प्रदेशवासियों के लिए गर्व और गौरव का विषय है कि भारतीय नववर्ष विक्रम संवत के उज्जयिनी से शुरू हुआ। यह सम्राट विक्रमादित्य के राज्याभिषेक की तिथि है। सम्राट विक्रमादित्य ने विदेशी आक्रांताओं को पराजित कर विक्रम संवत का प्रवर्तन किया था। सम्राट विक्रमादित्य ने सुशासन के सभी सूत्रों को स्थापित करते हुए अपने सुयोग्य 32 मंत्रियों का चयन किया, इसीलिए उनके सिंहासन को 'सिंहासन बत्तीसी' कहा जाता है। भारतीय नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का दिन ऋतु परिवर्तन के अनुरूप स्वयं को सक्षम बनाने का समय है। इसे कहीं गुड़ी पड़वा तो कहीं चैती चांद, कहीं युगादि तो कहीं उगादि और कहीं नवरोज अगदु के रूप में मनाया जाता है। नववर्ष का यह पर्व 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना को स्थापित करता है। इसके साथ नवरात्र का आरंभ होता है। यह नौ दिन आरोग्य, साधना और कायाकल्प के लिए होते हैं। मुझे यह बताते हुए खुशी है कि भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न पहलुओं के प्रकटीकरण के लिए हम विक्रमोत्सव का आयोजन कर रहे हैं। यह उत्सव 26 फरवरी से प्रारंभ होकर 30 जून तक चलेगा। आगामी 12-13 और 14 अप्रैल 2025 को नई दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य पर केंद्रित एक भव्य आयोजन होने जा रहा है। श्रीकृष्ण की दीक्षा नगरी उज्जयिनी का संबंध भारत की हर विशेषता से है। उज्जैन धरती के केंद्र में स्थित है। यहां भगवान श्रीकृष्ण ने सांदीपनि आश्रम में शिक्षा प्राप्त की थी। मध्यप्रदेश सरकार ने संकल्प लिया है कि सांदीपनि आश्रम से श्रीकृष्ण पाथेय के निर्माण का आरंभ होगा। भारतीय नववर्ष प्रकृति के संरक्षण, संवर्धन और निर्माण की प्रेरणा देता है। इसमें सृष्टि, संस्कृति और समाज का संगम है। ऋतुकाल संधि के इन दिनों में नवचेतना, नवजागृति का संदेश है। मैं प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता के साथ प्रकृति के नवसृजन और विकसित मध्यप्रदेश निर्माण का संकल्प लेता हूं। मुझे उम्मीद है कि इस वर्ष आरंभ होने वाले विशेष प्रयास आप सभी के जीवन में समृद्धि, खुशहाली और आनंद लेकर आएंगे।

जल गंगा अभियान में 1 लाख जलदूत तैयार होंगे: गुड़ी पड़वा के अवसर पर हमारी परंपरा में सूर्योदय के पहले बहते हुए स्वच्छ जल में स्नान करने का विधान है। ऊषाकाल में सूर्य को प्रणाम किया जाता है। यह जलस्त्रोत के प्रवाह स्थल को सुरक्षित रखने का संकल्प है।

नागपुर दौरे पर डॉ. भागवत से मिलेंगे पीएम मोदी

सुनील अंबेकर बोले देशहित में होगी चर्चा

आज पीएम रहेंगे नागपुर के दौरे पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को नागपुर दौरे पर जाने वाले हैं, जिसको लेकर शहर में तैयारी तेज हो चुकी है। संभावना है कि पीएम मोदी अपने नागपुर दौरे पर आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत से मुलाकात करने वाले हैं। इस मुलाकात को लेकर आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर ने कहा कि जब भी डॉ. भागवत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मिलते हैं, तो वे देश और आरएसएस के बेहतर कार्यों पर चर्चा करते हैं।

संगठन के संदेश पर दिया जोर

अंबेकर ने कहा कि संगठन का संदेश यह है कि हम खुद को बेहतर बनाते रहें और देश को बेहतर बनाने में अपने प्रयासों को लगाएं। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि दोनों यह बात करते हैं कि संगठन के कार्यों को कैसे आगे बढ़ाया जाए और उसमें सुधार कैसे किया जाए।

खबर संक्षेप

सीजेआई की मंजूरी के बिना एफआईआर नहीं

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जस्टिस यशवंत वर्मा केस में फायर चीफ ने ऐसा कभी नहीं कहा। उन्होंने जब्ती में शून्य दर्ज किया। चूंकि हम एफआईआर दर्ज नहीं कर सकते, तो जब्ती कैसे हो सकती है? एफआईआर केवल सीजेआई की अनुमति से ही दर्ज की जा सकती है। हमें समिति के फैसले का इंतजार करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यों की जांच समिति का गठन किया है।

मदमस्त हाथी ने चारा डाल रहे श्रमिक को मार डाला

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व (बीटीआर) के आमानाला हाथी कैंप में अष्टम नामक हाथी मद में मस्त था, उसने चारा डालने आए श्रमिक को पटककर मार डाला। बता दें कि नर हाथियों में ऋतुकाल(मेटिंग सीजन) में कान के पास से एक द्रव निकलता है जिसे मद कहते हैं। ऐसी अवस्था में हाथी उग्र हो जाते हैं। बताया गया है कि पास के देवरी गांव निवासी श्रमिक नागेंद्र सिंह जंजीरों से बंधे अष्टम को चारा डालने गया था।

किसानों के खाते में जून में आएगी 20वीं किस्त

नई दिल्ली। भारत सरकार अब तक प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की कुल 19 किस्तों को जारी कर चुकी है। पिछले महीने 24 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के भागलपुर में आयोजित एक खास कार्यक्रम में पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी की थी। केंद्र सरकार पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त आने वाले जून महीने में जारी कर सकती है।

गुड़ी पड़वा पर आज मनेगा सृष्टि आरंभ दिवस, सिंहस्थ - 2028 का एंथम सॉन्ग होगा लॉन्च

उज्जैन में एक हजार ड्रोन के जरिए बनेंगी बाबा महाकाल और श्रीकृष्ण की आकृतियां

मोहन सरकार द्वारा आयोजित विक्रमोत्सव के तहत रविवार 30 मार्च को गुड़ी पड़वा के अवसर पर वर्ष प्रतिपदा के दिन उज्जयिनी गौरव दिवस और सृष्टि आरंभ दिवस मनाया जाएगा।

शो के दौरान फीमेल वॉइस ओवर में माता शिप्रा की कथा सुनाई जाएगी

ड्रोन शो का आयोजन बोटलेब और एकमे मीडिया कंपनी, दिल्ली द्वारा किया जाएगा

इस कंपनी की स्थापना 28 आईआईटी के छात्रों ने एक स्टार्टअप के रूप में की थी

▶▶ रात में 15 मिनट अद्भुत नजारा प्रस्तुत करेगा ड्रोन शो

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित विक्रमोत्सव के तहत रविवार 30 मार्च को गुड़ी पड़वा के अवसर पर वर्ष प्रतिपदा के दिन उज्जयिनी गौरव दिवस और सृष्टि आरंभ दिवस मनाया जाएगा। इस विशेष मौके पर महाकाल नगरी के आकाश में एक साथ 1,000 ड्रोन उड़ाए जाएंगे। रात में होने वाला 15 मिनट का भव्य ड्रोन शो अद्भुत नज़ारा पेश करेगा, जिसमें भगवान शिव और श्रीकृष्ण की आकृति और उनसे जुड़े प्रतीक चिह्न रंग-बिरंगे स्वरूप में नजर आएंगे। शो के दौरान ड्रोन महाकाल, सम्राट विक्रमादित्य का पोर्ट्रेट, माता शिप्रा, ब्रह्मांड, कृष्ण-सुदामा, सिंहस्थ 2028 का लोगो, नववर्ष की बधाई, वैदिक घड़ी और महाकाल की आरती के मनमोहक दृश्य बनाएंगे। पूरे शो के दौरान फीमेल वॉइस ओवर में माता शिप्रा की कथा सुनाई जाएगी। प्रदेश में यह पहला अवसर होगा जब इतनी बड़ी संख्या में ड्रोन का फॉर्मेशन लोगों को देखने को मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने नागरिकों को दीं मंगलकामनाएं

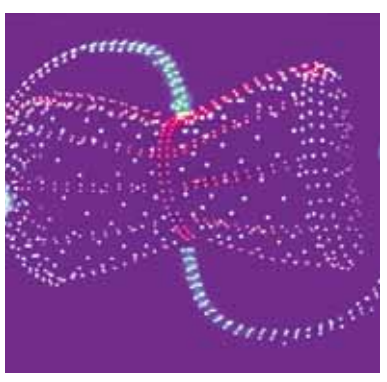

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नागरिकों को नवसंवत्सर, चैत्र नवरात्र, गुड़ी पड़वा और चेटीचंड की बधाई और मंगलकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय नव वर्ष विक्रम संवत से प्रारंभ होता है। अंग्रेजी कैलेंडर के प्रचलन के बाद भी हमारी संस्कृति से जुड़े नव संवत्सर, गुड़ी पड़वा पर्व, चेटीचंड के त्योहार और चैत्र नवरात्र का अपना महत्व है। भारतीय समाज का बहुत बड़ा हिस्सा इन मंगल पर्वों को उल्लासपूर्वक मनाता है।

आईआईटी के 28 छात्रों का यह स्टार्ट-अप

उज्जैन में इस ड्रोन शो का आयोजन बोटलेब और एकमे मीडिया कंपनी, दिल्ली द्वारा किया जाएगा। इस कंपनी की स्थापना 28 आईआईटी के छात्रों ने एक स्टार्टअप के रूप में की थी, जो अब पेशेवर रूप से ड्रोन शो आयोजित कर रहे हैं। यह टीम अब तक खेलो इंडिया, जी-20, हाल ही में हुए आइफा अवाड्र्स और प्रयागराज कुंभ जैसे प्रतिष्ठित आयोजनों में ड्रोन फॉर्मेशन की शानदार प्रस्तुतियां दे चुकी है।

सिंहस्थ- 2028 के लिए बना एंथम सॉन्ग

विक्रमादित्य शोध संस्थान के निदेशक श्रीराम तिवारी ने बताया कि सिंहस्थ कुंभ 2028 की तैयारियां उज्जैन में शुरू हो गई हैं। इस महाकुंभ के लिए एक विशेष एंथम सॉन्ग तैयार किया गया है, जिसे प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर ने अपनी आवाज़ दी है, जबकि इसका संगीत आलोक श्रीवास्तव ने तैयार किया है। ढाई मिनट के इस एंथम सॉन्ग को भव्य तरीके से ड्रोन शो के माध्यम से लॉन्च किया जाएगा।

जस्टिस निर्मल यादव को 17 साल बाद बड़ी राहत

15 लाख रु. की रिश्वत मामले में सीबीआई कोर्ट ने किया 'बरी'

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

चंडीगढ़ की एक स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने शनिवार को रिटायर जस्टिस निर्मल यादव को 2008 के एक मामले में बरी कर दिया। इसमें कथित तौर पर उनके लिए 15 लाख रुपए की नकदी से भरा एक पैकेट एक अन्य जस्टिस निर्मलजीत कौर के आवास पर पहुंचाया गया था। जस्टिस यादव उस समय पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट की जज थीं। स्पेशल कोर्ट ऑफ एडिशनल सेशन जज अलका मलिक ने शनिवार को यह फैसला सुनाया। इतना ही नहीं इस मामले में अन्य आरोपियों रविंदर सिंह भसीन, राजीव गुप्ता और निर्मल सिंह को भी बरी कर दिया गया। जस्टिस यादव ने अपने आखिरी बयान में कहा था कि मैंने कोई अपराध नहीं किया है और पूरे मुकदमे के दौरान मेरे खिलाफ कोई भी ऐसा आरोप नहीं मिला है जिससे मुझे दोषी ठहराया जा सके। मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने 84 गवाहों का हवाला दिया, लेकिन केवल 69 की ही जांच की गई। इस साल फरवरी में हाई कोर्ट ने सीबीआई को चार हफ्ते के अंदर 10 गवाहों से फिर से पूछताछ करने की इजाजत दी और आगे ट्रायल कोर्ट से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि कोई भी गैर जरूरी स्थगन न दिया जाए।

- उनके लिए लिफाफा एक अन्य जस्टिस निर्मलजीत कौर के आवास पर पहुंचाया गया था

2011 में जस्टिस निर्मल यादव रिटायर हो गईं

जनवरी 2009 में सीबीआई ने जस्टिस यादव पर केस चलाने की इजाजत मांगी। हाई कोर्ट ने साल 2010 में मंजूरी दे दी। इस दौरान फरवरी 2010 में जस्टिस यादव का ट्रांसफर उत्तराखंड हाईकोर्ट में हो गया और मार्च 2011 में वे रिटायर हो गईं। 2014 में स्पेशल कोर्ट ने पांच आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए। यादव ने अपने खिलाफ कार्यवाही को रद्द करने के लिए पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, उन्हें यहां पर भी झटका लगा। बाद में उन्होंने हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी और सुप्रीम कोर्ट जा पहुंची। उन्होंने कहा कि यह बिना सबूत का मामला है और ट्रायल कोर्ट को उनके खिलाफ आरोप तय करने से रोका जाना चाहिए। लेकिन सुप्रीम कोर्ट संतुष्ट नहीं हुआ और याचिका खारिज कर दी।

▶▶ क्या है पूरा मामला ?

यह पूरा का पूरा मामला साल 2008 का है, जब जस्टिस कौर के घर पर एक क्लर्क को 15 लाख रुपए की नकदी से भरा एक पैकेट मिला था। कथित तौर पर यह पैकेट जस्टिस यादव के लिए था और एक जैसे नाम होने की वजह से गलत पहचान के चलते दूसरे जज के घर पहुंचा दिया गया था।

बकाया वसूलने गए थे कर्मचारी

बिजली कंपनी टीम की हॉकी से पिटाई, एफआईआर दर्ज

बिजली काटी जा रही कुर्की की जा रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीहोर

विद्युत वितरण कंपनी द्वारा जिले में वसूली अभियान चलाया जा रहा है। बकाया वसूलने के लिए बिजली कंपनी द्वारा जहां गांवों की लाइट काटी जा रही है तो वहीं कुर्की की कार्रवाई भी की जा रही है। बिजली कंपनी के इस अभियान से गांवों में आक्रोश भी पनप रहा है। इधर, ग्राम भाऊखेड़ी में बकाया वसूलने गए बिजली कंपनी दल पर हॉकी से हमला कर दिया। एक कर्मचारी के हाथ में फ्रैक्चर आया है। कर्मचारी द्वारा थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। विद्युत वितरण कंपनी के कनिष्ठ यंत्री हीरालाल लखोरे के नेतृत्व में टीम शुक्रवार को ग्राम भाऊखेड़ी पहुंची थी।

पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म

बारिश से शुरु होगा अप्रैल 2 दिन बाद और गिरेगा पारा

वीआईपी सड़क का दृश्य

रात का पारा 3.6 डिग्री गिरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में शनिवार को दिन के साथ रात के तापमान में गिरावट रही। पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होने से हवाएं उत्तरी हो गई, जिससे प्रदेशभर में पारा तेजी से गिरा है। अब दो दिन बाद एक से 2 अप्रैल के आसपास भोपाल सहित अधिकांश जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश होगी, जिससे तापमान में और गिरावट होगी।

15 टन राहत सामग्री लेकर सी-130 विमान यांगून पहुंचा

बोले पीएम- भारत अपने पड़ोसी व करीबी मित्र के साथ खड़ा

म्यांमार की मदद के लिए भारत का 'ऑपरेशन ब्रह्मा'

नई दिल्ली। भूकंप से प्रभावित म्यांमार की मदद के लिए भारत ने 'ऑपरेशन ब्रह्मा' के तहत राहत सामग्री भेजी है। वायुसेना का विमान सी-130 जे करीब 15 टन राहत सामग्री लेकर यांगून पहुंच गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को म्यांमार के वरिष्ठ जनरल महामहिम मिन आंग ह्लाइंग से बात की। उन्होंने कहा कि एक करीबी मित्र और पड़ोसी के रूप में भारत इस मुश्किल घड़ी में म्यांमार के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है।

विज्ञान भवन में पर्यावरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन- 2025 के उद्घाटन सत्र के दौरान न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने कहा

बच्चों को बाहर खेलने के लिए मास्क पहनना पड़े, ये अस्वीकार्य

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट के जज विक्रम नाथ ने प्रदूषण को चिंता जाहिर करते हुए कहा कि, जहां बच्चों को बाहर खेलने के लिए मास्क पहनना पड़े, ऐसा माहौल अस्वीकार्य है। विज्ञान भवन में पर्यावरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन - 2025 के उद्घाटन सत्र के दौरान न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने यह भी कहा कि ऐसे समाधान तलाशने की आवश्यकता है जो आर्थिक विकास और पर्यावरणीय भलाई के बीच संतुलन बनाए रखें और सरकार की नीतियों को हरित प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

सरकार की नीतियों को हरित प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए

सांस लेने वाली हवा से समझौता भला कैसे हो सकता है?

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने कहा कि यह कार्रवाई के लिए एक तत्काल आह्वान है, एक संकेत है कि हमें उत्सर्जन को विनियमित करने, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों में निवेश करने और टिकाऊ परिवहन विकल्पों के बारे में सोचने के लिए एक साथ आना चाहिए, जो हमारे द्वारा सांस लेने वाली हवा से समझौता किए बिना आर्थिक प्रगति की अनुमति देता है।

पवित्र और प्राचीन नदियां अपशिष्टों से भरी हुईं

उन्होंने जल प्रदूषण को एक अन्य प्रमुख चिंता के रूप में चिन्हित किया, उन्होंने कहा कि कई पवित्र और प्राचीन नदियां अनुपचारित अपशिष्टों से भरी हुई हैं। जब मैं इन नदियों के किनारों को देखता हूं, तो मुझे पुरानी यादों और चिंता का मिश्रण महसूस होता है। पुरानी यादों के लिए कि ये जल कितने जीवंत और शुद्ध थे और हमारी असमर्थता के लिए चिंता कि हम उन्हें उनके प्राकृतिक गौरव में संरक्षित कर सकें। औद्योगिक अपशिष्ट का उपचार करना, सीवेज अवसंरचना को बढ़ाना और स्थानीय समुदायों को नदी के किनारों पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करना आवश्यक कदम हैं।

कमांडर जगदीश भी मारा गया

छत्तीसगढ़ के सुकमा में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 18 नक्सली ढेर

एजेंसी ▶▶ सुकमा

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के केरलापाल इलाके में शनिवार को सुरक्षा बलों ने एक बड़ी मुठभेड़ में 18 नक्सलियों को मार गिराया है। क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी के बारे में विशेष खुफिया सूचना मिली थी।

शाह ने कहा-शांति से होगा बदलाव

गृह मंत्री अमित शाह ने सुकमा में हुए मुठभेड़ को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा, नक्सलवाद पर एक और प्रहार! हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने सुकमा में एक अभियान में 18 नक्सलियों को ढेर कर दिया है और स्वचालित हथियारों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया है। उन्होंने आगे लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए संकल्पित हैं हथियार रखने वालों से मेरी अपील है कि हथियार और हिंसा से बदलाव नहीं आ सकता, केवल शांति और विकास ही बदलाव ला सकता है।

कटंगा स्थित 3 एकड़ जमीन के मामले में हाईकोर्ट का निर्देश

निर्माण कार्य में सेना और रक्षा संपदा अधिकारी नहीं करेंगे हस्तक्षेप

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने कटंगा स्थित 3 एकड़ जमीन में निर्माण कार्य में सेना और रक्षा संपदा अधिकारी द्वारा किसी भी तरह का हस्तक्षेप करने पर रोक लगा दी। जस्टिस संजय द्विवेदी की सिंगल बेंच ने कहा यदि ऐसा होता है तो उनके खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू की जाएगी। अगली सुनवाई 23 अप्रैल को होगी।

रक्षा संपदा अधिकारी और ग्रेनेडियर्स रेजिमेंटल सेंटी के कमांडेंट की ओर से हाईकोर्ट में यह पुनरीक्षण याचिका दायर की गई है। कल्याणकारी गृह निर्माण सहकारी समिति के अध्यक्ष एसआर पाठक की ओर से अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि सिविल कोर्ट द्वारा उनके पक्ष में डिक्री पारित करने और हाईकोर्ट द्वारा उस पर मुहर लगाने के बावजूद सेना उन्हें निर्माण कार्य करने से रोकती है। बताया गया कि विगत 21 फरवरी को सेना के अधिकारियों ने निर्माण स्थल पर आकर तोड़फोड़ कर दी थी और अपना टाइटल बोर्ड लगा दिया था।

अवमानना याचिका पर हाईकोर्ट के निर्देश

जिला शिक्षा अधिकारी हाजिर होकर स्पष्टीकरण दें

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने पूर्व आदेश की नाफरमानी पर जिला शिक्षा अधिकारी, जबलपुर घनश्याम सोनी को हाजिर होकर स्पष्टीकरण पेश करने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस अवनींद्र कुमार सिंह की एकलपीठ ने मामले की अगली सुनवाई आठ अप्रैल को नियत की है।

अवमानना याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी सेवानिवृत्त शिक्षिका मुन्नी जैन, कोमल प्रसाद, राजकुमारी, कृपाल सिंह, विष्णु गिरि गोस्वामी व लखनलाल झारिया की ओर से अधिवक्ता अनिरुद्ध पांडे ने पक्ष रखा। उन्होंने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता को 300 दिन का अर्जित अवकाश भुगतान नहीं किया गया था। लिहाजा, हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। जिसकी सुनवाई के बाद राहतकारी आदेश पारित किया गया। इसके बावजूद जिला शिक्षा अधिकारी, जबलपुर ने मनमानी करते हुए आदेश का पूर्ण पालन नहीं किया। जिससे व्यथित होकर अवमानना याचिका दायर की गई है। कोर्ट ने जिला शिक्षा अधिकारी को अर्जित अवकाश के संपूर्ण रिकार्ड सहित हाजिर होने के निर्देश दे दिए।

चेक बाउंस पर एक वर्ष का कारावास, 28 लाख 56 हजार जुर्माना

जबलपुर। प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी डा. गौरव गर्ग की अदालत ने चेक बाउंस के आरोपित कुंडम निवासी शेख रफीक का दोष सिद्ध पाया। इसी के साथ एक वर्ष के कारावास की सजा सुना दी। साथ ही 28 लाख 56 हजार रुपये का जुर्माना भी लगा दिया। परिवादी गोरखपुर निवासी जबरचंद चौपड़ा की ओर से अधिवक्ता सतपाल जायसवाल व मौसम पासी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि आरोपित ने परिवादी से कर्ज लिया था। जिसकी अदायगी के लिए जारी चेक बैंक में जमा करने पर खाते में अपर्याप्त राशि होने के कारण बाउंस हो गया। इसकी जानकारी देने पर भी कोई कदम नहीं उठाया गया। लिहाजा, सूचना पत्र भेजा गया। जब कोई नतीजा नहीं निकला तो अदालत में परिवाद दायर कर दिया गया।

शहर के समीप किसी स्कूल में पदस्थापना दें, हाई कोर्ट से दिव्यांग महिला शिक्षक को राहत

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने दिव्यांग महिला शिक्षक को राहत दी है। इसके अंतर्गत शहर के समीप किसी स्कूल में पदस्थापना का निर्देश जारी कर दिया गया। कोर्ट ने साफ किया कि यह स्कूल अभ्यावेदन में दर्शाए गए स्कूलों में से एक होना चाहिए। याचिकाकर्ता छिंदवाड़ा निवासी अभिलाषा साहू की ओर से पक्ष रखा गया। दलील दी गई कि 16 फरवरी, 2024 को याचिकाकर्ता को कतिपय कारणों से निलंबित किया गया था। 18 जून, 2024 को बहाल कर दिया गया। लेकिन स्थानांतरण 95 किलोमीटर दूर प्राथमिक शाला हरदा पत्थर, संकुल केन्द्र नंदन, विकासखंड जुन्नारदेव कर दिया गया। इतना ही नहीं बहाली का आदेश छह माह बाद 18 नवंबर, 2024 को वाट्सएप में भेजा गया। लिहाजा, याचिकाकर्ता अभ्यावेदन देकर शहर छिंदवाड़ा शहर के नजदीक स्थित किसी एक स्कूल में पदस्थापना किएजाने का निवेदन किया। उसकी ओर से कहा गया कि वह दिव्यांग है। दो बच्चे भी हैं। लिहाजा, 95 किलोमीटर दूर स्कूल जाने में परेशानी होगी। 13 फरवरी 2025 को अभ्यावेदन निरस्त कर दिया गया था। इसीलिए हाई कोर्ट आना पड़ा।

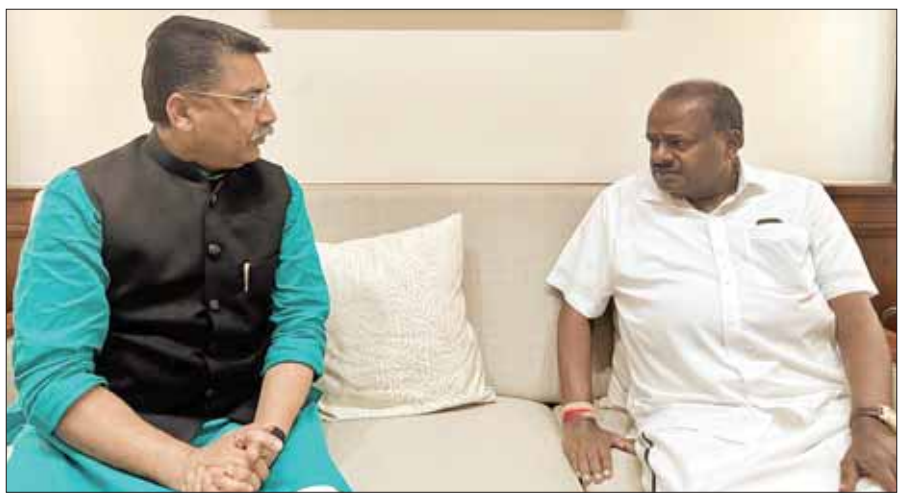

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री से सांसद ने की मांग

जबलपुर को केंद्र में रखकर बने औद्योगिक कॉरिडोरः सांसद आशीष दुबे

जबलपुर। जबलपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद आशीष दुबे ने जबलपुर को केंद्र में रखते हुए एक नया औद्योगिक कॉरिडोर (गलियारा) स्थापित करने का आग्रह केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी से किया है। नई दिल्ली में श्री कुमारस्वामी से भेंट के दौरान सांसद श्री दुबे ने केंद्रीय मंत्री को इस आशय का एक मांग पत्र भी सौंपा। सांसद आशीष दुबे ने केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी से कहा कि जबलपुर मध्यप्रदेश के साथ-साथ देश का एक प्रमुख नगर है और यह उच्च शिक्षा का भी एक बड़ा केंद्र है। जबलपुर संसदीय क्षेत्र कृषि प्रधान होने के साथ-साथ विपणन का भी बड़ा केंद्र है। उन्होंने कहा कि जबलपुर में अनेक उद्योग स्थापित हैं और यदि इस नगर को लक्षित कर नया औद्योगिक कॉरिडोर बनाया जाता है, तो यह क्षेत्र विकास की राह पर तेज गति से आगे बढ़ेगा। सांसद श्री दुबे ने केंद्रीय मंत्री से कहा कि जबलपुर में औद्योगिक कॉरिडोर बनने से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी। नये उद्योगों की स्थापना के साथ बुनियादी ढांचे का भी विकास होगा, जिससे जबलपुर की नई और उज्जवल छवि सामने आएगी। इसके अलावा, औद्योगिक कॉरिडोर बनने से निवेश को बढ़ावा मिलेगा और किसानों को भी इस लाभ होगा, जिससे वे अपने उत्पादों को आसानी से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचा सकेंगे। सांसद श्री दुबे ने कहा कि औद्योगिक कॉरिडोर के निर्माण से क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा मिलेगा, जो न केवल किसानों बल्कि उद्योगपतियों, युवाओं और संसदीय क्षेत्र के अन्य वर्गों के लिए फायदेमंद होगा।

उद्यम क्रांति योजनाः जबलपुर जिले ने हासिल की 54% अधिक उपलब्धि

जबलपुर। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में जबलपुर जिले ने 54 फीसदी अधिक उपलब्धि हासिल की है। राज्य शासन के एमएसएमई विभाग द्वारा संचालित इस योजना के तहत वर्ष 2024-25 में जबलपुर जिले को 240 युवाओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य दिया गया था। इसके विरुद्ध जिले में 371 हितग्राहियों को स्वरोजगार स्थापित करने बैंकों के माध्यम से 23 करोड़ 45 लाख रुपये के ऋण वितरित किया गया। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक विनीत रजक के मुताबिक मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत वर्ष 2024-25 में जिले को आवंटित लक्ष्य के विरुद्ध 1105 आवेदन प्राप्त हुये थे। इनमें से 856 पात्र आवेदकों के आवेदन बैंकों को प्रेषित किये गये। प्रेषित आवेदनों में से बैंकों द्वारा 400 आवेदनों को स्वीकृत किया गया। श्री रजक ने बताया कि शासन द्वारा प्रायोजित इस योजना के तहत गारमेंट मेन्युफैक्चरिंग, फर्नीचर निर्माण, फूड प्रोसेसिंग, ब्युटीक, ब्यूटी पार्लर, जनरल स्टोर, किराना स्टोर, वस्त्र विक्रय, इलेक्ट्रॉनिस और इलेक्ट्रिकल सेल्स एवं सर्विस, परिवहन सेवा इत्यादि में स्वयं का व्यवसाय अथवा इकाई स्थापित करने में हितग्राहियों ने विशेष रूचि दिखाई।

त्योहारों में सभी व्यवस्थाएं चाक चौबंद रखने निगमायुक्त के निर्देश

जबलपुर। शहर में आज 30 मार्च को चैत्र नवरात्री, गुड़ी पड़वा, चेटीचंड, और कल 31 मार्च को ईद-उल-फितर के त्यौहार को लेकर नगर निगम द्वारा साफ सफाई, पेयजल और प्रकाश सहित अन्य व्यवस्थाएं चाक चौबंद की गई है।

निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने बताया कि शहर में साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश एवं अन्य आवश्यक सभी व्यवस्थाएं बेहतर कराई गई हैं। धार्मिक स्थलों मंदिरों, मस्जिदों के आस-पास प्रतिदिन आवश्यक साफ-सफाई, चूने की लाईन, दवा का छिड़काव, शोभा यात्राओं के मार्गो पर साफ-सफाई, चूने की लाइन, आवश्यक प्रकाश व्यवस्था, शहर में निर्बाध जलापूर्ति की व्यवस्था तथा शोभा यात्राओं के दौरान फायर बिग्रेड की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जा रही है। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने सभी अधिकारियों को आदेश जारी कर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

घर का ताला तोड़कर जेवर ले गए चोर

जबलपुर। मझौली थाना अतंर्गत ग्राम सरोदा में एक सूने घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोर सोने चांदी के जेवर चोरी कर ले गए। मझौली पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सरौदा निवासी 48 वर्षीय रांझी स्थित अंग्रेजी शराब दुकान में काम करने वाला विजय सिंह कभी कभी अपने घर ग्राम सरोदा आता जाता रहता है। गांव में उसकी पत्नी एवं बच्चें रहते हैं उसकी पत्नी गत 24 मार्च को दोपहर लगभग 2 बजे घर पर ताला लगाकर अपने मायके चली गई थी। गत 28 मार्च को उसकी पत्नी अपने घर वापस आई तो देखी कि जीना के दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। अलमारी में रखे सोने चांदी के जेवर सोने की चैन, एक जोड़ी बाला, 6 नथ, चांदी की एक जोड़ी पायल, 20 नग चूड़ी तथा नगदी 12 हजार रूपये अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। पुलिस अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 331(4), 305(ए) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

बिजली कंपनियों ने नियामक आयोग को याचिका भेजी

प्रदेश की बिजली - प्रदेश में महंगी, अन्य राज्यों में बिकेगी सस्ती

जबलपुर। वर्ष 2025-26 के लिए बिजली कंपनियों ने अपनी याचिका में बिजली बेचने के दो रेटस प्रस्तावित कर उसे विद्युत नियामक आयोग को अनुमोदन हेतु भेजा है। याचिका के पृष्ठ 82 में सरप्लस बिजली को प्रदेश के बाहर बेचने के लिए 455.45 पैसे, यूनिट रेट प्रस्तावित किया है। इसी याचिका के पृष्ठ 203 में प्रदेश के घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 711 पैसे, यूनिट रेट प्रस्तावित किए है। इससे स्पष्ट होता है कि प्रदेश की ही बिजली प्रदेश के बाहर सस्ती रहेगी, जबकि इस रेट के तुलना में वहीं बिजली प्रदेश के उपभोक्ताओं के लिए 2 रुपए 56 पैसे प्रतियूनिट से महंगी रहेगी। जन संगठनों ने बिजली के रेट बढ़ाना तथा रेटस में भेदभाव करने का विरोध किया है। बैठक में डॉ पीजी नाजपांडे, रजत भार्गव, टीके रायघटक, डीके सिंह, सुशीला कनौजिया, गीता पांडे, सुभाष चंद्रा, एड. वेदप्रकाश अधौलिया, एड.जीएस सोनकर, संतोष श्रीवास्तव, हरजीवन विश्वकर्मा, डीआर लखेरा आदि उपस्थित थे।

शहरी क्षेत्रों में जल गंगा संवर्धन अभियान आज से

जल स्त्रोतों को सहेजना हम सबका दायित्व : निगमायुक्त

जबलपुर। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आज 30 मार्च से शहरी क्षेत्रों में जलगंगा संवर्धन विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस संबंध में निगमायुक्त प्रीति यादव ने कहा कि जल स्त्रोतों को सहेजना हम सबकी जिम्मेदारी है। निगमायुक्त प्रीति यादव ने बताया कि मध्प्रदेश शासन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, मंत्रालय भोपाल द्वारा जल स्त्रोंतों तथा नदी, तालाबों, कुओं, बावड़ी तथा अन्य जल स्त्रोंतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए 30 मार्च से 30 जून तक विशेष अभियान चलाया जाना है, निगमायुक्त श्रीमती यादव ने इसके लिए संबंधित सभी अधिकारियों को अभियान को सफल बनाने के लिए निर्देश जारी किये हैं। उन्होंने निर्देशों में कहा है कि उक्त अभियान के अंतर्गत 30 मार्च 2025 को अन्य जिलों में नदी अथवा जल स्त्रोतों समीप कार्यक्रम का आयोजन कर इस कार्यक्रम की शुरूआत की जायेगी। अभियान के व्यापक आगाज हेतु 30 मार्च 2025 को नगरीय निकाय में जनसमुदाय की उपस्थिति में जल संरक्षण व संवर्धन के 01 कार्य का क्रियान्वयन किया जायेगा। जल गंगा संवर्धन अभियान का क्रियान्वयन माननीय प्रभारी मंत्री के नेतृत्व में किया जावे। गंगा दशहरा 5 जून 2025 को लोक प्रसिद्ध कलाकार की सांगीतिक प्रस्तुति, 30 जून 2025 को जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन किया जावे।

अवैध शराब के 3 कारोबारी गिरफ्तार

200 पाव देशी शराब एवं एक्सिस जप्त

जबलपुर। रांझी थाना क्षेत्र शांतिनगर सामुदायिक भवन के सामने, बापूनगर सामुदायिक भवन के सामने और धोबीघाट खंडहर क्वाटर के पास इंद्रानगर में शराब के कारोबार में लिप्त तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 200 पाव देशी शराब और एक्सिस वाहन जब्त की है। रांझी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार रिछाई सरकारी स्कूल के पास निवासी 25 वर्षीय किशन कोल गत रात एक्सिस क्रमांक एमपी 20 जेड टी 1941 में शराब रखकर बेचने के लिए रामनगर तरफ से मेमोरी तिराहा तरफ आ रहा था। मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शांतिनगर सामुदायिक भवन के सामने आरोपी किशन कोल को गिरफ्तार कर उसके पास से 75 पाव देशी शराब और एक्सिस वाहन जब्त की है। इसी प्रकार मुखबिर की सूचना पर बापूनगर सामुदायिक भवन के सामने बापूनगर रांझी निवासी 42 वर्षीय राजू सोनकर को 65 पाव देशी शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। इसी तरह मुखबिर की सूचना पर धोबीघाट खंडहर क्वाटर के पास इंद्रानगर में रविदास मंदिर के पास इंद्रानगर निवासी 23 वर्षीय आरोपी नितिन यादव को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 60 पाव देशी शराब जप्त की गई। पुलिस ने तीनों आरोपियों के विरूद्ध पृथक पृथक धारा 34(1) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई कर मामला जांच में लिया है।

लोग स्कूल प्रबंधन की ज्यादतियों की खुलकर करने लगे शिकायत : कलेक्टर

पुस्तक मेला बच्चों के हित में सराहनीय पहल : अजय विश्नोई

हरिभूमि जबलपुर।

जिला प्रशासन द्वारा गोलबाजार स्थित शहीद स्मारक में लगाये गये पुस्तक मेले में शनिवार को बड़ी संख्या में बच्चे अपने अभिभावकों के साथ पहुँचे और भारी डिस्काउंट पर मिल रही पुस्तकें, कॉपी, यूनिफार्म की खरीददारी करने के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आंनद लिया। शनिवार का अवकाश होने की वजह से जिला स्तर का पुस्तक सह गणवेश मेला दोपहर 12 बजे से शुरू हो गया था। मेले में कॉपी-किताबों, यूनिफार्म और स्कूल बैग खरीदने पर मिल रही भारी छूट से अभिभावकों के चेहरे पर प्रसन्नता दिखाई दे रही थी। कई अभिभावकों ने डिस्काउंट का एक हिस्सा मेले में लगे फूड जोन में खर्च किया और बच्चों के साथ लजीज व्यंजनों का लुत्फ उठाया। बारह दिनों का पुस्तक मेला रविवार 30 मार्च को भी दोपहर 12 बजे से प्रारंभ होगा और रात 10 बजे तक जारी रहेगा।

पुस्तक मेला के पांचवे दिन शनिवार की शाम विधायक एवं पूर्व मंत्री अजय विश्नोई ने मेला का जायजा लिया। उन्होंने इस अवसर पर आयोजित मंचीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुये इसे स्कूली बच्चों के हित में नवाचारी प्रयास बताया और लगातार दूसरे वर्ष इसके आयोजन के लिये जिला प्रशासन की सराहना की। श्री विश्नोई ने कहा कि एक वक्त था जब शिक्षा सीमित संसाधनों और बिना किसी आर्थिक बोझ के पूरी हो जाती थी, लेकिन समय के साथ शिक्षा के क्षेत्र में व्यवसायिकता हावी होती गई और बच्चों के माता-पिता स्कूल फीस एवं महंगी कॉपी किताबों के बोझ तले दबने लगे। श्री विश्नोई ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ रही व्यवसायिकता पर ब्रेक लगाने की शुरुआत जबलपुर से हुई। उन्होंने इसका पूरा श्रेय कलेक्टर दीपक सक्सेना को देते हुये कहा कि उन्हीं के प्रयासों का ही यह परिणाम है कि निजी स्कूलों की मनमानी फीस वृद्धि पर लगाम लगाई जा सकी है। वहीं स्कूल प्रबंधकों, प्रकाशकों और पुस्तक विक्रेताओं की साठगांठ से अभिभावकों को राहत दिलाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने बताया कि कलेक्टर दीपक सक्सेना की पहल पर जबलपुर में पिछले वर्ष से पुस्तक मेला के आयोजन की हुई शुरुआत पूरे प्रदेश में नजीर बन गई और अब हर जिले में यहाँ की तर्ज पर पुस्तक मेला आयोजित किये जा रहे हैं।

पुस्तक मेला के आयोजन के सूत्रधार कलेक्टर दीपक सक्सेना भी इस मौके पर मौजूद रहे। श्री सक्सेना मेले में काफी समय तक रहे। उन्होंने मेले का निरीक्षण किया और विधायक श्री विश्नोई के साथ मंच को साझा किया। श्री सक्सेना ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा कि स्कूली बच्चों और अभिभावकों को महँगी कॉपी-किताबों से राहत दिलाने पुस्तक मेला के आयोजन की परिकल्पना पिछले वर्ष की गई थी। इस वर्ष पुस्तक मेला का आयोजन नवीन शिक्षण सत्र शुरू होने के पूर्व सही समय पर किया गया है और सकारात्मक फीडबैक भी प्राप्त हो रहे हैं।

जेल से छूटकर आए युवक पर चाकू से प्राणघातक हमला

जबलपुर। कोतवाली थाना अतंर्गत प्रताप धर्मकांटा के सामने एक बदमाश ने जेल से छूटकर आए एक युवक पर चाकू से प्राणघातक हमला कर घायल कर दिया। घायल को उपचार के लिए मेडीकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोतवाली पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार कोठारी मेडीकल के पास पंजाब बैंक कालोनी कोतवाली निवासी 21 वर्षीय आटो चालक अभिषेक अहिरवार गत 28 मार्च को पुराने मामलें में जेल से छूटकर अपने साथी प्रिंस चौबे और शिवा यादव के साथ दमोहनाका होते हुये एक्टिवा से अपने घर जा रहा था। रात लगभग 9 बजे प्रताप धर्मकांटा के सामने मेघराज चौधरी ने उसे रूकने का इशारा किया, उसने अपनी गाड़ी रोकी तो मेघराज चौधरी गाली गलौज करते हुये बोला कि जेल से छूटकर तो आ गया है किन्तु घर नहीं जाने दूंगा इसी बात को लेकर विवाद करते हुए आरोपी मेघराज चौधरी ने जान से मारने की नियत से उसके पेट, कमर, सीना, पीठ पर चाकू से प्राणघातक हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 109 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

संस्कारधानी के माता मंदिरों में की विशेष तैयारियां, सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम

सर्वार्थ सिद्धि, इंद्र योग और रेवती नक्षत्र में चैत्र नवरात्र आज से...इस बार 8 दिन होगी पूजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

चैत्र नवरात्रि यानी शक्ति की साधना का महापर्व आज रविवार 30 मार्च से शुरू होगा। कलश स्थापना का मुहूर्त सुबह छह बजकर 13 मिनट से 10 बजकर 22 मिनट तक रहेगा। इस बार आठ दिनों के नवरात्रि होंगे। दरअसल तृतीया तिथि क्षय होने के कारण दूसरा और तीसरा नवरात्रि 31 को ही माना जाएगा। पांच अप्रैल को अष्टमी और छह को नवमी पूजन किया जाएगा। शहर के मंदिरों को भी रंग बिरंगी लाइटों व फूलों से सजाया जा रहा है, जहां पर नित्य भजन व कीर्तन चलेंगे। इस महापर्व के साधक शक्ति की देवी की आराधना और मंत्र जाप आदि से मां दुर्गा को प्रसन्न करेंगे। पंडित शिवशंकर तिवारी ने बताया कि नवरात्रि की शुरुआत 30 मार्च से सर्वार्थ सिद्धि, इंद्र योग और रेवती नक्षत्र में होगी। इसके बाद पूरे 8 दिनों में चार दिन रवियोग तथा तीन दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग रहेगा। यह सभी योग पूजा और खरीदारी के लिए शुभ माने जाते हैं। चैत्र नवरात्रि के साथ ही हिंदू नववर्ष का भी आरंभ भी होगा। नौ स्वरूपों की होगी पूजा नवरात्रि के दौरान माता दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-आराधना की जाएगी।

चैत्र नवरात्र पर हाथी पर सवार होकर आएंगी मां दुर्गा

घट स्थापना मुहूर्त

चैत्र माह की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 29 मार्च, 2025 को शाम 4 बजकर 27 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 30 मार्च को दोपहर 12 बजकर 49 मिनट पर होगा। उदया तिथि को देखते हुए चैत्र नवरात्र की शुरुआत 30 मार्च से होगी।

पं शिवशंकर तिवारी ने बताया कि चैत्र नवरात्रि का आरंभ इस साल रविवार से हो रहा है, यानी कि इस साल मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर धरती पर आएंगी। मां दुर्गा का हाथी पर सवार होकर आना बहुत ही शुभ संकेत माना जाता है। ऐसा होने से धन धान्य में वृद्धि होती है और देश की अर्थव्यवस्था में सुधार होता है। मां दुर्गा हाथी से आएंगी और हाथी से ही प्रस्थान करेंगी। यह बहुत ही शुभ माना जा रहा है। इस शुभ अवसर पर मां दुर्गा की मन से पूजा करने पर हर मनोकामना सिद्ध हो सकती है।

व्रत में शुचिता रखें

पं. शिवशंकर तिवारी ने कहा कि नवरात्रि के पावन पर्व के दौरान शुचिता का पालन करना अत्यावश्यक है। नवरात्रि के दौरान व्रत रखने से त्याग और तपस्या की भावना जागृत होती है। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति अपने माता-पिता को भगवान मानकर उनकी सेवा करता है, उन्हें साक्षात ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

नौ देवियों के नाम और आराधना से प्राप्त फल

- शैलपुत्री: इच्छा व संकल्प शक्ति की प्राप्ति होती है।
- ब्रह्मचारिणी: मन के विकार दूर होते हैं, सभी पापों का नाश होता है।
- चंद्रघंटा: मन से अशांति दूर होती है।
- कुष्मांडा: धन-धान्य की प्राप्ति होती है।
- स्कंध माता: घर की महिलाएं सुख, समृद्धि एवं आरोग्य प्राप्त करती हैं।
- कात्यायनी: ऐश्वर्या की वृद्धि होती है।
- कालरात्रि: बड़े से बड़ा भय दूर होता है।
- महागौरी: संतान के कार्यों में सफलता मिलती है।
- सिद्धिदात्री: अभीष्ट लक्ष्य की प्राप्ति होती है।

चैत्र नवरात्र में पूजा विधि

नवरात्रि पर मां दुर्गा की पूजा-अर्चना का विशेष महत्व होता है। प्रतिपदा तिथि पर सुबह जल्दी उठकर स्नान करके पूजा स्थल की साफ-सफाई करके कलश स्थापना करें। इस बात का खास ध्यान दें कि कलश स्थापना के समय आपका मुंह पूर्व या उत्तर दिशा में होने चाहिए। साथ ही कलश को ईशान कोण में रखें।

शनिचरी अमावस्या पर शनि मंदिरों में सुबह से शाम तक चला विशेष पूजन अभिषेक

जबलपुर। शनिचरी अमावस्या पर कल मंदिरों में विशेष अभिषेक पूजन किये गये। तिलवाराघाट स्थित शनि धाम में, सदर स्थित शनि मंदिर में, अमावस्या के मोके पर सुबह पूजन हुआ और शाम को शनि देव का अभिषेक किया गया। इस अवसर पर भगवान शनिदेव को 56 भोग अर्पित किये गये। सुबह से शुरू हुआ भण्डारा देर रात तक चला। बहुत से श्रद्धालुओं ने शनिवार को सूर्य पुत्र भगवान शनि के साथ-साथ सूर्यदेव श्रीराम भक्त हनुमान का पूजन अर्चन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। ग्वारीघाट श्री रामलला मंदिर में भी प्रातः 7 बजे शनिदेव का पूजन और तेलाभिषेक किया गया। रात्रि 11 बजे महाआरती हुई।श्री सीताराम जी उस्ताद अखाड़ा में पूजन अभिषेक के बाद भण्डारे का कार्यक्रम चलता रहा। इस अवसर पर पंडित सतीश महाराज, पंडित अनिल मिश्रा, विन्धेश भापकर, नितिन भाटिया, संजय तिवारी आदि मौजूद थे।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

जबलपुर। साल भर की मेहनत का परिणाम देखकर छात्रों के चेहरे खुशी से खिल उठे, जब उन्हें मिले गोल्ड, सिल्वर और ब्रान्ज मेडल, अवसर था यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल अधारताल और यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल गोहलपुर के वार्षिक परीक्षा के परिणाम का। यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल विगत 21 वर्षों से छात्रों को दे रहे हैं, बेहतरीन शिक्षा जिसके द्वारा प्रतिवर्ष की तरह ही इस वर्ष भी अलग-अलग क्लासेज के टॉपर्स जिन्होंने 90 प्रतिशत से 95 प्रतिशत और उससे अधिक अंक अर्जित किए, इन सभी का उत्साहवर्धन करने और सम्मानित करने हेतु विद्यालय प्रबंधन द्वारा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को संस्था संचालक डॉ. विजयकांत तिवारी, प्राचार्य अधारताल श्रीमती सोनल तिवारी, प्राचार्य गोहलपुर श्रीमती वर्षा झारिया द्वारा सम्मानित किया गया। संचालक द्वारा सभी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को बधाई दी गई। संचालक द्वारा सूचना दी गई कि 01 अप्रैल से विद्यालय का नया सेशन शुरू हो रहा है, जिसमें विद्यार्थियों को अप्रैल माह में एजुकेशन टूर/स्काउट कैंप और अन्य गतिविधियों का आयोजन रहेगा। इस वर्ष विद्यालय का वार्षिक परीक्षा परिणाम गत वर्ष की तरह ही सर्वश्रेष्ठ रहा।

कक्षा आठवीं में 90% अंक प्राप्त कर प्रियांशी सोनी शाला में रही अव्वल

जबलपुर। केंट मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल कटंगा में कक्षा आठवीं की छात्रा प्रियांशी सोनी ने 90% अंक लेकर क्लास में प्रथम रैंक हासिल की है। घमापुर बाई का बगीचा निवासी प्रियांशी के पिता पेशे से पत्रकार व माता कंचन सोनी गृहणि हैं।

मेरिडियन सीनियर सेकेण्डरी स्कूल बुढ़ागर रिजल्ट रहा सराहनीय

कक्षा 8वीं की छात्रा जाग्रति पटेल 93.17% अंक

कक्षा 8वीं की छात्रा अनुष्का तिवारी 92.5% अंक

कक्षा 8वीं की छात्रा प्रांजल पटेल 88.83% अंक

कक्षा 5वीं की छात्रा श्रृष्टि असाटी 88.75% अंक

कक्षा 5वीं की छात्रा माधुरी पटेल 87.25% अंक

कक्षा 5वीं की छात्रा भावना तिवारी 93% अंक

झूलेलाल जयंती पर सिहोरा खितौला में वाहन रैली व शोभायात्रा आज

सिंधी समाज का आयोजन

सिहोरा। झूलेलाल जयंती चेटीचंड पर्व पर आज सिहोरा खितौला सिंधी समाज द्वारा अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गये है। सिहोरा सिंधी समाज के अध्यक्ष राजा जय सिंघानी ने बताया कि सिहोरा में समाज द्वारा कटरा मोहल्ला बायपास स्थित ध्वनी पैलेस में आयोजन होगा।

खितौला में कार्यक्रम सिंधी धर्मशाला में आयोजित होगा तथा समाज के आराध्य देवता भगवान झूलेलाल की प्रतिमा भी स्थापित की गई है तथा आज रविवार को सुबह जयंती पर नगर उपनगर की सयुक्त वाहन रैली सुबह 7 बजे निकाली जायेगी जो खितौला से प्रारम्भ होकर कटरा मोहल्ला पहुंचेगी फिर वहां से झंडा बाजार, काल भैरव चौक, मैना कुंआ, हरदौल मंदिर, बाबाताल, पहरेवा, कृषि उपज मंडी, लखराम मोहल्ला, वन विभाग कार्यालय रोड से होकर सिंधी धर्मशाला में संपन्न होगी। तद पश्चात हवन पूजन के बाद खितौला सिहोरा में प्रथक प्रथक दोफहर दो बजे से भंडारे का आयोजन किया गया है। इसी तरह शाम को सिहोरा खितौला में भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी जो विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए हिरन नदी में प्रतिमा विसर्जन के साथ संपन्न होगी। खितौला में समाज के सभी आयोजन श्री पूज्य सिंधी पंचायत एंव सिंधी नव जवान मंडल के तत्वावधान में संपन्न होंगे।

बेला में सम्राट अशोक की प्रतिमा का अनावरण आज

सिहोरा। जनपद पंचायत सिहोरा की ग्राम पंचायत बेला में आगामी रविवार को दोपहर 2 बजे सम्राट अशोक की प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।कार्यक्रम संयोजक सरपंच शांति रामराज पटेल ने बताया अखिल भारतीय ओबीसी महासभा,एससी एसटी संयुक्त मोर्चा के तत्वावधान में आयोजित समारोह में विधायक संतोष बरकडे,पुखराज बेनीवाल तथा अखिल भारतीय ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललित गौर के मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहेंगे जबकि कुशवाहा समाज के अध्यक्ष बैजनाथ कुशवाहा अध्यक्षता करेंगे। इस अवसर पर ओबीसी महासभा प्रदेश अध्यक्ष इंद्र कुमार पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष विवेक पटेल,कुशवाहा समाज राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रंजन मौर्य,राष्ट्रीय सचिव माया देवी,रविदास सेवा समिति प्रदेश अध्यक्ष मूलचंद मोदी,के पी कुशवाहा,छोटे पटेल,डॉक्टर विनोद पटेल,संतराम पटेल, रणजीत सिंह मौर्य विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित रहेंगे।

संत रविदास विचार मंच की शोकसभा आज

जबलपुर। संत रविदास विचार मंच के मोहनलाल चौधरी ने बताया कि संत रविदास विचार मंच की सलाहकार लक्ष्मीबाई चौधरी का निधन 26 मार्च को हार्ट अटैक से हो गया है, उनका अंतिम संस्कार गौरीघाट श्मशानघाट में संपन्न हुआ, जिनकी आत्म शांति के लिए लालकुआं पोलीपाथर स्थित उनके निवास पर मंच की श्रद्धांजलि सभा शाम 04 बजे आयोजित है। मंच के शारदा प्रसाद चौधरी, रामसिपाही सेठ, श्यामलाल, कमल चौधरी, मीना चौधरी, रामबाई सहित अन्य ने सभी कार्यकर्ताओं से शोकसभा में उपस्थिति का आग्रह किया है।

नचिकेता इंस्टीट्यूट में वार्षिक उत्सव समारोह 2025 आयोजित

जबलपुर। नचिकेता इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड इनफॉरमेशन टेक्नालॉजी, पाटन बाईपास, पाटन रोड, जबलपुर में विगत दिवस महाविद्यालय में वार्षिक उत्सव समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. अजय उपाध्याय की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती एवं गणेश वंदन के साथ हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। गायन, एकल नृत्य, रैम्प वॉक आदि प्रस्तुतियों से समा बांध दिया। इस कार्यक्रम में नवागत छात्रों का स्वागत तथा अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का विदाई कार्यक्रम भी संपन्न कराया गया। कव्वाली, एकल गायन, एकल नृत्य, लोक नृत्य, सामूहिक नृत्य आदि प्रस्तुतियों से विद्यार्थियों नें सभी श्रोतागण को मंत्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने में छात्रों एवं प्राध्यापकगण श्रीमति साधना तिवारी, डॉ. गुलराना परवीन, डॉ. माया यादव, डॉ. खुशबू राठौर, शिखा जैन, अंकित खुरासिया, शैलेन्द्र पाण्डेय, धनंजय मजुमदार, संतोष पारस, प्रदीप जायसवाल, शाहिद रजा, मो. राशिद की प्रमुख भूमिका रही।

चैत्र नवरात्र एवं हिन्दू नववर्ष पर आज होंगे अनेक कार्यक्रम

सिहोरा। आज से प्रारम्भ हो रहे आदिशक्ति जगन जननी की पूजा उपासना का महापर्व चैत्र नवरात्र के प्रारम्भ होने पर जहां देवी मठो मंदिरों में भक्तों का तांता लगेगा वहीं चैत्र नवरात्र की आज बैठकी पर कंकाली मोहल्ला स्थित कंकाली मंदिर,दुर्गा मंदिर,ब्राह्मणपुरा स्थित बूढी माई,ज्वालामुखी में मां ज्वाला देवी,खितौला उमरिया पान मार्ग पर स्थित पर्वत वासनी खेर मां,माता देवालय खडरा सहित अनेक देवी मठो,देवालयों,मंदिरों में पूरे विधी विधान से घट जवारे की स्थापना के साथ नौ दिनो तक धार्मिक आयोजनो की धूम रहेगी तथा नौ दिनो तक माता का विशेष श्रंगार भी किया जायेगा। सभी दुर्गा मंदिरों में सुबह से ही माता को जल अर्पण करने श्रद्धालुओं की लम्बी कतार लग जायेगी सभी देवी मठो का अपना अपना महत्व है जहाँ जाकर भक्त नतमस्तक होते है।नवरात्र में सभी घरो में भक्तों के द्वारा माता की अखंड ज्योति की स्थापना के साथ उपवास रखा जायेगा ।

स्थापित होगी माता की प्रतिमा

शारदेय नवरात्र की तरह चैत्र नवरात्र पर भी अब जगह जगह मातारानी की प्रतिमा स्थापित होने लगी है । इसी क्रम में आज शिवमंदिर बाबाताल में माता महाकाली सहित नगर में लगभग आधा दर्जन स्थानों पर माता की स्थापना की जायेगी।

जबलपुर में 30 साल से कर रहे हैं प्रैक्टिस

होम्योपैथी चिकित्सा एक वरदान : सुप्रियो सरकार

जबलपुर। डॉ. सुप्रियो सरकार एक अनुभवी होम्योपैथ कोलकाता से होम्योपैथिक डिग्री प्राप्त किये एवं होम्योपैथिक रिसर्च सेंटर में 5 साल काम किये हैं। जबलपुर में 30 साल से प्रैक्टिस कर रहे हैं। होम्योपैथिक बिलीव दैट लाइफ बॉडी+माइंड+सोल=ह्यूमन बीइंग. इन तीनों को मिलाकर एक पूर्ण रूप से स्वस्थ इंसान बनता है। होम्योपैथिक अप्रिशिएट्स द डायनेमिक कॉन्सेप्ट ऑफ़ लाइफ. द होल एम ऑफ़ होम्योपैथी इस तो क्योर. सो कोई भी बीमारी हो इसका इलाज जड़ से ठीक होता है। होम्योपैथी वर्ल्ड में सेकंड सबसे बड़ी चिकित्सा पद्धति है। होम्योपैथी का विश्वास दुनिया भर में बढ़ता जा रहा है, सबसे कम खर्च में बिना कोई साइड इफेक्ट कठिन से कठिन बीमारी का होम्योपैथिक में उपचार हो रहा है। डॉ. सुप्रियो सरकार ने होम्योपैथिक रसल चौक जबलपुर में प्रैक्टिस करते हुए देश-विदेश में बहुत सारे पुरस्कार सर्टिफिकेट्स प्राप्त किये हैं। साथ में इंडिया के सारे राज्य व विदेशों के मरीज़ों को ऑनलाइन ट्रीटमेंट देते हैं। डॉ. सुप्रियो सरकार जिस-जिस बीमारी को ठीक किये हैं उसका नाम और प्रमाण आप लोगों को दिखाना चाहते हैं।

मराठी समाज ने मुख्यमंत्री को गुड़ी पताका प्रदान की

जबलपुर। गुड़ी पड़वा के दिन जबलपुर मराठी समाज की महिलाओं और मराठी साहित्य अकादमी केसरी संतोष गोडबोल द्वारा मुख्यमंत्री मोहन यादव को गुड़ी ध्वज पताका प्रदान की गई।

श्री अशोक कुमार मेहरा- पूर्वी घमापुर, थाने के सामने निवासी श्री अशोक कुमार मेहरा (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री चंद्रकांत मिश्रा- चुंगी चौकी लालमाटी निवासी श्री चंद्रकांत मिश्रा (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री नारायण दास- केसरी नगर मानेगांव रांझी निवासी श्री नारायण दास (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दशरथ प्रसाद ठाकुर- गोकलपुर सेंट्रल बैंक के पीछे निवासी श्री दशरथ प्रसाद ठाकुर (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री अशोक कुमार पासी- तिलहरी निवासी श्री अशोक कुमार पासी (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती ललिता बाई पटेल- गंगामैया व्हीकल निवासी श्री इंद्रभान पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती ललिता बाई पटेल (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री काशीराम यादव- करमेता शारदा नगर निवासी श्री काशीराम यादव (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शांति बाई बारी- सुहागी अधारताल निवासी श्री राजेंद्र बारी की धर्मपत्नी श्रीमती शांति बाई बारी (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री कृष्ण मोहन तिवारी- शारदा चौक रतन नगर निवासी श्री कृष्ण मोहन तिवारी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.

फिक्स साइज:-	8x4 से.मी.	ब्लैक&व्हाईट	300/-
फिक्स साइज:-	8x4 से.मी.	रंगीन	400/-
फिक्स साइज	10x8 से.मी.	रंगीन	1000/-

सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

राज्य के 5.5 लाख पेंशनर्स को 5% मंहगाई राहत भुगतान के आदेश जारी हों

जबलपुर। प्रमुख पेंशनर्स एसोसियेशन के अध्यक्ष तथा कार्यवाहक प्रांतीय अध्यक्ष एचपी उरमलिया ने मप्र शासन के मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव को एक पत्र भेजकर निवेदन किया है कि केन्द्र सरकार के द्वारा जारी मंहगाई राहत के आदेश जिसमें जुलाई 2024 से तीन प्रतिशत तथा जनवरी 2025 से दो प्रतिशत इस प्रकार पांच प्रतिशत मंहगाई राहत राज्य के पेंशनर्स को कम भुगतान की जा रही है, हमारी मांग है कि पेंशनर्स हित को ध्यान में रखते हुए देय तिथि से पांच प्रतिशत मंहगाई राहत के भुगतान जारी कराये जाने के आदेश जारी किए जाएं ताकि राज्य के पेंशनर्स में व्याप्त आक्रोश समाप्त हो सके। संगठन के एचपी उरमलिया, शेषमणि पांडे, गौरीशंकर पांडे, आरके श्रीवास्तव, बीएस गौर, एके शुक्ला, एसपी शुक्ला, आरआर तिवारी, डॉ. एसपी सिंह आदि ने यथाशीघ्र मंहगाई राहत के आदेश जारी करने की मांग की है।

मानव अधिकार क्रांति का 17वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

जबलपुर। मानव अधिकार क्रांति संगठन का 17वां स्थापना दिवस विजय नगर जीरो डिग्री देवकी मैरिज गार्डन में डॉ. गीता पांडेय की अध्यक्षता में मनाया गया।, संस्था विगत 17 सालों से समाज सेवा एवं पीड़ित मानव सेवा के लिए कार्य कर रही है, मानव अपने अधिकारों का ज्ञान न होने के कारण भटकते रहते हैं उन्होंने संस्था के कार्यों को एवं कार्यकर्ताओं को बधाई दी, कहा की संस्था में स्वास्थ्य शिविर, जन समस्याओं का शिविर लगाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा, संस्था प्रत्येक मंगलवार और अन्य अवसरों में कलेक्ट्रेट, एस.पी. मुख्यालय, नगर निगम जिधर भी जनसुनवाई होती है, वहां पहुँचकर आमजनों की समस्याओं से सम्बंधित अधिकारियों को अवगत करायेगी, समापन में भंडारा वितरण किया। इस अवसर पर नरेंद्र पटेल, के.के. साहू, दुर्गेश पटेल, लक्ष्य पचौरी, श्याम सोलंकी, यशवंत कोष्टा, इंद्रकुमार, राजीव राय, भरत नामदेव, दीपक पटेल, संदीप गौर, सुनील नामदेव, जे.पी. खरे, अनिल विश्वकर्मा, नीरज कपूर, दिलीप गोस्वामी, डॉ. एस.एन. चौकसे, अनिल पटेल, राजेश पांडे एवं संगठन की मातृशक्तियों में ज्योति दुबे, आशा लता, आदर्श भाटिया, सविता सोनी, हेमलता तिवारी, कविता त्रिपाठी, रेखा विश्वकर्मा, कल्पना गोडेश्वर, वंदना झरिया, कविता नामदेव, पूनम नायडू, नीलम शर्मा, ममता ठाकुर उपस्थित रहीं। आभार प्रदर्शन कविता नामदेव ने किया।

NAME CORRECTION

I, Asmatunnisa residing at village leg Kattava, Post office Kuchinapudi, The Repalle, Dist Bapatla, State Andhra Pradesh-522262. I have changed my name from Asmatunnisabi to Asmatunnisa vide affidavit Ser No 3627 dates 05 Feb 2025.

Wrong Name
Asmatunnisabi
WRIGHT NAME
ASMATUNNISA

NAME CORRECTION

I, Nazir Ahamad Baig residing at village Kattava, Post office Kuchinapudi, Teh Repalle, Dist Bapatla, State Andhra Pradesh-522262. I have changed my name from Nazeer Ahamad to Nazir Ahamad Baig vide affidavit Ser No 4223 dates 27 Mar. 2025

Wrong Name
Nazeer Ahamad
WRIGHT NAME
NAZIR AHAMAD BAIG

चांदी कर सकती है पौबारह, निवेश कर उठा ले फायदा

मनी मंत्र | **बिजनेस डेस्क**

- अभी एक लाख के पार निकले दाम, 1.8 लाख तक जा सकती है
- ईटीएफ के जरिए इसमें किया जा सकता है निवेश
- अब तक 1,00,400 रुपये प्रति किलो के रिकॉर्ड स्तर को छू चुकी

विदेश में मजबूत रुख के बीच स्टॉकिस्टों और खुदरा विक्रेताओं की लगातार खरीदारी से सोना और चांदी के दाम रोज नए रिकॉर्ड बना रहे हैं। अभी चांदी की कीमत एक लाख रुपये किलो के आसपास है। हालांकि यह 1,00,400 रुपये प्रति किलो के रिकॉर्ड स्तर को छू चुकी है। जानकारों का कहना है कि इस साल चांदी की कीमतें 1.8 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक जा सकती हैं। ऐसे में चांदी में निवेश करना फायदेमंद हो सकता है। इस साल चांदी के दाम में अब तक करीब 14000 रुपये की बढ़त देखने को मिल चुकी है। जानकारों का कहना है कि इसकी कीमत में आगे भी तेजी देखने को मिल सकती है। साल के आखिर चांदी 1 लाख 8 हजार या 1 लाख 12 हजार किलो तक जा सकती है। ऐसे में अगर आप चांदी में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं तो सिल्वर ईटीएफ सही ऑप्शन हो सकता है। सिल्वर ईटीएफ के जरिए आप शेयर की ही तरह चांदी में भी निवेश कर सकते हैं। बीते 1 साल में इसने 34% तक का रिटर्न दिया है।

क्या है सिल्वर ईटीएफ

चांदी को शेयरों की तरह खरीदने की सुविधा को सिल्वर ईटीएफ कहते हैं। ये एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड हैं, जिन्हें स्टॉक एक्सचेंजों पर खरीदा और बेचा जा सकता है। चूंकि सिल्वर ईटीएफ का बेंचमार्क स्पॉट सिल्वर की कीमतें हैं, आप इसे चांदी की वास्तविक कीमत के करीब खरीद सकते हैं।

सिल्वर ईटीएफ में निवेश के लाभ

-कम मात्रा में भी खरीद सकते हैं चांदी : ईटीएफ के जरिए सिल्वर यूनिट्स में खरीदते हैं। इससे कम मात्रा में या एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के जरिए चांदी खरीदना आसान हो जाता है। सिल्वर ईटीएफ की 1 यूनिट की कीमत अभी 100 रुपये से भी कम है। यानी आप 100 रुपये से भी कम में इसमें निवेश की शुरुआत कर सकते हैं।

चांदी रहती है सुरक्षित

इलेक्ट्रॉनिक चांदी डीमैट अकाउंट में होती है, जिसमें सिर्फ सालाना डीमैट चार्ज देना होता है। साथ ही चोरी होने का डर नहीं होता। वहीं, फिजिकल चांदी में चोरी के खतरे के अलावा उसकी सुरक्षा पर भी खर्च करना होता है।

व्यापार की आसानी

सिल्वर ईटीएफ को बिना किसी परेशानी के तुरंत खरीदा और बेचा जा सकता है। यानी पैसों की जरूरत पड़ने पर आप जब चाहे इसे बेच सकते हैं और अपने निवेश को भुना सकते हैं।

पोर्टफोलियो जोखिम में कमी

चांदी और सोना आदि जैसी कम जोखिम वाले एसेट्स में निवेश करके अपने पोर्टफोलियो में विविधता ला सकते हैं। इससे उनके निवेश पोर्टफोलियो में जोखिम कम हो जाता है। चांदी में निवेश करना वैसे भी फायदेमंद माना गया है।

सिल्वर ईटीएफ में कैसे करें निवेश

सिल्वर ईटीएफ खरीदने के लिए डीमैट अकाउंट होना जरूरी है। इसमें एनएसई या बीएसई पर उपलब्ध सिल्वर ईटीएफ के यूनिट आप खरीद सकते हैं और उसके बराबर की राशि आपके डीमैट अकाउंट से जुड़े बैंक अकाउंट से कट जाएगी। आप ग्रो, अपस्टॉक्स और पेटीएम जैसे ऐप्स के जरिए फ्री में डीमैट अकाउंट खोल सकते हैं। इसके बाद आप अपने मन पसंद का सिल्वर ईटीएफ चुन सकते हैं।

निवेश मंत्रा
विनोद कौशिक

पैसा सिर्फ जमा करने से नहीं बढ़ता, उसे निवेश करना सीखो, सही जगह लगाया गया पैसा और पैसा पैदा करता है

पैसा 'सोने' की तरह नहीं बीज की तरह रखो, सही जगह निवेश करो

हर रुपया तुम्हारा एक सिपाही है जो और सैनिक ला सकता है

अगर पैसे को काम पर नहीं लगाया, तो वह खत्म हो जाएगा

आजकल हर कोई अमीर बनना चाहता है उसके लिए लगातार प्रयास भी करता है, लेकिन दिग्गज निवेशकों का कहना है कि आप सिर्फ मेहनत मजदूरी या सिर्फ नौकरी से ही अमीर नहीं बन सकते। अमीर बनने के लिए पैसे को सही जगह निवेश करना सीखो और रिस्क लो। एक कहावत भी है कि पैसे को 'सोने' की तरह नहीं 'बीज' की तरह रखो, यानी सही जगह निवेश करो। तभी पैसे बढ़ेगा। पैसा कमाने से ज्यादा उसे बढ़ाना जरूरी है। यह बात बिल्कुल सही भी है, क्योंकि पैसा सिर्फ जमा करने से नहीं बढ़ता, उसे निवेश करना सीखना बेहद जरूरी है। निवेश किया गया पैसा आपको भविष्य में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है। इसलिए पैसे से पैसा कमाओ, तभी आप अमीर बन पाओगे। हालांकि निवेश करने से पहले अपनी रिस्क क्षमता और अपने लक्ष्यों को जांच लें, इसके बाद ही निवेश करें। इसके अलावा, निवेश करने से पहले अच्छी तरह से शोध करें और अपने वित्तीय सलाहकार से परामर्श करें। हमेशा कोशिश करें कि निवेश लंबी अवधि के लिए हो। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और चक्रवृद्धि ब्याज का लाभ मिलेगा। सही जगह लगाया गया पैसा और पैसा पैदा करता है। हर रुपया आपका एक सिपाही है जो और सैनिक लाने की क्षमता रखता है। अगर पैसे को काम पर नहीं लगाया, तो वह खत्म हो जाएगा और आप गरीब के गरीब ही रह जाएंगे।

पैसा कमाने के ये तरीके सबसे पॉपुलर

ऑनलाइन

1. **फ्रीलांसिंग:** अपनी क्षमताओं का उपयोग करके फ्रीलांसिंग प्लेटफॉर्म्स पर काम करें।
2. **ब्लॉगिंग:** अपने ज्ञान और अनुभव को साझा करने के लिए एक ब्लॉग बनाएं।
3. **यूट्यूब:** वीडियो बनाकर यूट्यूब पर पैसे कमाएं।
4. **ऑनलाइन ट्यूशन:** अपने विषय में महारत हासिल करने वाले छात्रों को ऑनलाइन ट्यूशन दें।
5. **ई-कॉमर्स:** अपना ऑनलाइन स्टोर बनाकर उत्पाद बेचें।

ऑफलाइन

1. **फोटोग्राफी:** अपनी फोटोग्राफी क्षमताओं का उपयोग करके शादियों, समारोहों और अन्य आयोजनों में फोटोग्राफी सेवाएं प्रदान करें।
2. **कोचिंग या ट्यूशन:** अपने विषय में महारत हासिल करने वाले छात्रों को ऑफलाइन ट्यूशन दें।
3. **हस्तशिल्प:** अपने हाथों से बनाए गए उत्पादों को बेचें।
4. **कैटरिंग:** अपनी खाना पकाने की क्षमताओं का उपयोग करके कैटरिंग सेवाएं प्रदान करें।
5. **इवेंट प्लानिंग:** समारोहों और आयोजनों के लिए इवेंट प्लानिंग सेवाएं प्रदान करें।

अन्य तरीके

1. **शेयर मार्केट :** शेयर मार्केट में निवेश करके पैसे कमाएं।
2. **म्यूचुअल फंड :** म्यूचुअल फंड में निवेश करके पैसे कमाएं।
3. **रियल एस्टेट :** रियल एस्टेट में निवेश करके पैसे कमाएं।
4. **पेट सिटिंग :** पालतू जानवरों की देखभाल करके पैसे कमाएं।
5. **हाउस सिटिंग :** घरों की देखभाल करके पैसे कमाएं।
6. गोल्ड या अन्य धातुओं में निवेश करके भी पैसे कमा सकते हैं।

पैसे बढ़ाने के तरीके भी बेहद कामयाब

बचत और निवेश

1. **नियमित बचत :** हर महीने एक निश्चित राशि बचाएं।
2. **निवेश :** अपनी बचत को निवेश करें, जैसे कि शेयर मार्केट, म्यूचुअल फंड, या रियल एस्टेट।
3. **ब्याज दर :** उच्च ब्याज दर वाले खातों में अपनी बचत रखें।

आय बढ़ाना

1. **नौकरी में वृद्धि :** अपनी नौकरी में वृद्धि के लिए काम करें।
2. **फ्रीलांसिंग :** अपनी क्षमताओं का उपयोग करके फ्रीलांसिंग करें।
3. **व्यवसाय शुरू करना :** अपना खुद का व्यवसाय शुरू करें।

खर्च कम करना

1. **बजट बनाएं :** अपने खर्च के लिए एक बजट बनाएं।
2. **अनावश्यक खर्च कम करें :** अनावश्यक खर्चों को कम करें।
3. **बचत योजना बनाएं :** एक बचत योजना बनाएं और उसका पालन करें।

शिक्षा और कौशल

1. **शिक्षा :** अपनी शिक्षा में सुधार करें।
2. **कौशल विकास :** अपने कौशल में सुधार करें।
3. **प्रमाणीकरण :** अपने कौशल के लिए प्रमाणीकरण प्राप्त करें।

अन्य तरीके

1. **पैसे कमाने वाले ऐप्स :** पैसे कमाने वाले ऐप्स का उपयोग करें।
2. **ऑनलाइन सर्वेक्षण :** ऑनलाइन सर्वेक्षण में भाग लेकर पैसे कमाएं।
3. **पैसे कमाने वाली वेबसाइट्स :** पैसे कमाने वाली वेबसाइट्स पर काम करें।

पल्ले गांठ बांध लें ये सूत्र

हर रुपया हमारा एक सिपाही है जो और सैनिक ला सकता है, यानी कि हमारे पैसे को निवेश करके हम और पैसा कमा सकते हैं। यह अवधारणा हमें अपने पैसे को सही तरीके से उपयोग करने और उसे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। जब हम अपने पैसे को निवेश करते हैं, तो वह हमारे लिए काम करता है और हमें और पैसा कमाने में मदद करता है। इसलिए, हमें अपने पैसे को सही तरीके से उपयोग करना चाहिए और उसे बढ़ाने के लिए निवेश करते रहना चाहिए।

भविष्य होता है सुरक्षित

जब हम अपने पैसे को सही जगह पर निवेश करते हैं, तो वह हमें और पैसा कमाने में मदद करता है। यह हमारे वित्तीय भविष्य को सुरक्षित बनाने में मदद करता है और हमें अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है। सही जगह पर निवेश करने के लिए, हमें अपने वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता को समझना होगा। हमें अपने पैसे को निवेश करने से पहले अच्छी तरह से शोध करना होगा और अपने वित्तीय सलाहकार से परामर्श करना होगा। इसलिए, हमें अपने पैसे को सही तरीके से उपयोग करना चाहिए और उसे बढ़ाने के लिए निवेश करना चाहिए।

निवेश में एआई भी करेगा मदद!

1. **बड़े डेटा का विश्लेषण :** एआई अल्गोरिदम बड़े डेटा सेट्स का विश्लेषण कर सकते हैं, जैसे कि बाजार के रुझान, आर्थिक आंकड़े, और कंपनी के प्रदर्शन।
2. **पैटर्न की पहचान :** एआई पैटर्न की पहचान कर सकता है जो मानव विश्लेषकों को दिखाई नहीं दे सकते हैं।
3. **पूर्वानुमान :** एआई डेटा के आधार पर भविष्यवाणी कर सकता है कि बाजार कैसे व्यवहार करेगा।

पोर्टफोलियो प्रबंधन

1. **पोर्टफोलियो का निर्माण :** एआई पोर्टफोलियो का निर्माण कर सकता है जो निवेशक के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।
2. **पोर्टफोलियो का पुनर्संतुलन :** एआई पोर्टफोलियो को पुनर्संतुलित कर सकता है ताकि यह निवेशक के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार बना रहे।

रोबो-एडवाइजरी

1. **निवेश सलाह :** एआई रोबो-एडवाइजरी प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से निवेश सलाह प्रदान कर सकता है।
2. **व्यक्तिगत निवेश योजना :** एआई व्यक्तिगत निवेश योजना बना सकता है जो निवेशक के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।

जोखिम प्रबंधन

1. **जोखिम विश्लेषण :** एआई जोखिम विश्लेषण कर सकता है और निवेशक को जोखिम के बारे में सूचित कर सकता है।
2. **जोखिम प्रबंधन रणनीतियां :** एआई जोखिम प्रबंधन रणनीतियाँ बना सकता है जो निवेशक के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।

ये मिल सकते हैं फायदे

- **बेहतर निर्णय लेना :** एआई डेटा के आधार पर बेहतर निर्णय ले सकता है।
- **जोखिम कम करना :** एआई जोखिम विश्लेषण कर सकता है और निवेशक को जोखिम के बारे में सूचित कर सकता है।
- **निवेश की दक्षता बढ़ाना :** एआई निवेश की दक्षता बढ़ा सकता है और निवेशक के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

कम बजट में शुरू कर सकते हैं ये कुछ काम, देंगे मुनाफा

आइडिया | **बिजनेस डेस्क**

अगर नवरात्रि में आप भी कमाने के लिए कुछ नया करना चाहते हैं तो यह बिजनेस आईडिया आपके लिए बेहतर हो सकता है। इस बार नव रात्रि 30 मार्च से शुरू हो रहे हैं और ये 6 अप्रैल तक चलेंगे। नवरात्रि में माता पूजन की सामग्री के साथ चुनरी, पूजा और श्रृंगार की किट की भी काफी डिमांड होती है। नवरात्रि में पूजा सामग्रियों का मार्केट करोड़ों रुपये का होता है। फल, ड्राईफ्रूट, कुट्टू का आटा, सिंघाड़े का आटा, सामक के चावल, पपड़ी और आलू चिप्स की इन दिनों में भारी डिमांड होती है। ऐसे में आप भी इस मौके का फायदा उठा सकते हैं। थोड़ा सा निवेश कर आप भी अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। इसके लिए आपको पहले से ही तैयारी शुरू करनी होगी। इसके लिए दुकान चला सकते हैं या स्टॉल लगा सकते हैं। यह छोटा बिजनेस नवरात्रि में आप पर धनवर्षा कर सकता है। इसे सीजनल बिजनेस कहा जाता है तो कम समय में अच्छा मुनाफा आपको दे सकता है।

आसानी से तैयार हो जाएगी किट

पूजा सामग्री और श्रृंगार की किट को आप चाहे तो आसानी से घर पर ही तैयार कर सकते हैं या फिर किसी होलसेलर से खरीद सकते हैं। यदि आप यह किट घर पर बनाना चाहते हैं तो आपको थोक में माता की चूड़ियां, सिंदूर, कुमकुम,अगरबत्ती श्रृंगार का सामान, चुनरी और पूजा का सामान खरीदना होगा. या सीधे निर्माताओं से सम्पर्क कर सकते हैं। इसके बाद इन सभी चीजों को पैक करके एक अच्छी सी किट तैयार करें।

नवरात्रि पर जमकर बरसेगा धन, शुरू कर लें ये बिजनेस

"यदि आप भी सीजनल बिजनेस करके खूब मुनाफा कमाना चाहते हैं तो नवरात्रि से पहले ऐसा ही एक मुनाफेदार बिजनेस शुरू किया जा सकता है। 30 मार्च से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत होने वाली है. इस दौरान माता पूजा और श्रृंगार किट की काफी डिमांड बढ़ जाती हैं. ऐसे में आप भी इस बिजनेस की शुरुआत करके नवरात्रि के कुछ ही दिनों में जबरदस्त मुनाफा कमा सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

ग्राहकों और प्रतियोगिताओं को पहचानें

इस बिजनेस को शुरू करने से पहले आपको अपने लक्षित ग्राहकों की पहचान कर लेनी चाहिए। जैसे आप यह किट मंदिरों में घरों या फिर सभी जगह बेचना चाहते हैं। इसके अलावा आपको अपने इलाके के पहले से मौजूद विक्रेताओं के बारे में भी जानकारी हासिल कर लेनी चाहिए। यदि आप किसी सोसाइटी या अपार्टमेंट में रहते हैं तो आप अपने आसपास के लोगों को टारगेट करके छोटे स्तर पर भी या बिजनेस शुरू कर सकते हैं, जिसे यदि आप अपने आसपास के लोगों को यह सामान घर पर मुहैया करवाते हैं तो कम समय में आपको जबरदस्त मुनाफा हो सकता है।

सारे सामान की पहचान

आपको इस बात पर खास ध्यान देना होगा कि आपकी पूजा और श्रृंगार की किट में कोई भी सामान छूटे नहीं। जैसे रोली, सिन्दूर, चुनरी, रुई, दीपक, कुमकुम, अक्षत, मोली आदि। यदि आप थोड़े बड़े स्तर पर इस बिजनेस को शुरू करना चाहते हैं तो अन्य कई प्रकार की पूजा किटें बना सकते हैं। जैसे कि नवरात्रि पूजा किट, सत्यनारायण पूजा किट, गृह प्रवेश पूजा किट, करवा चौथ पूजा किट, दिवाली पूजा किट आदि। इस बिजनेस को कोई भी व्यक्ति घर बैठे भी शुरू कर सकते हैं इसके लिए आपको बस सामग्रियों को जुटाना है और उसकी अच्छी पैकिंग करनी है।

आकर्षक पैकिंग

यदि आप चाहते हैं कि आपके प्रोडक्ट को ज्यादा से ज्यादा लोग पसंद करे तो आकर्षक और टिकाऊ पैकेजिंग का उपयोग करें। इससे यह बेहतर दिखेगी। कहा भी जाता है कि जो दिखता है वही तो बिकता।

कहां बेचें

आप ऑनलाइन या ऑफलाइन अपने बिजनेस को शुरू कर सकते हैं। पूजा सामग्री के लिए विश्वसनीय थोक विक्रेताओं की तलाश करें। इसके अलावा आप खुद की पूजा सामग्री बनाना चाहते हैं, तो निर्माताओं से संपर्क करें। यदि आप छोटे स्तर पर या बिजनेस शुरू कर रहे हैं तो अपना एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर भी इसे शुरू कर सकते हैं। इसके बाद अपने इस व्हाट्सएप ग्रुप की लिंक अन्य व्हाट्सएप ग्रुप में या सोशल मीडिया के अन्य माध्यमों से प्रचार करें।

इन बातों का रखें विशेष ध्यान

- इस बिजनेस को शुरू करने से पहले आपको सभी प्रकार के आवश्यक लाइसेंस और परमिट प्राप्त कर लेने चाहिए।
- इसके अलावा आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आपका उत्पाद गुणवत्ता मानकों को पूरे कर रहे हैं।
- यदि आप अपने ग्राहकों की आवश्यकता के अनुसार कस्टमाइज किट उपलब्ध कराते हैं तो आपकी सेल और बढ़ सकती है।

स्मॉल कैप फंड : 20% से ज्यादा निवेश रिस्की, सोच समझकर ही उठाएं कदम

बिजनेस डेस्क

बाजार में इन दिनों उठा-पटक जारी है। लगभग सभी फंडों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। सबसे ज्यादा गिरावट स्मॉल कैप और मिड कैप फंडों में हुई है। इससे निवेशकों को झटका लगा है और वे निवेश के अन्य विकल्प देखने लगे हैं। ऐसे में बाजार के जानकारों का कहना है कि स्मॉल कैप फंड काफी रिस्की हो चुके हैं। ऐसे में इनमें निवेश लंबी अवधी के लिए तो ठीक है, लेकिन नए निवेशकों को अभी इन फंडों में निवेश से बचना चाहिए। देखा जाए तो पिछले तीन महीनों में स्मॉल कैप फंड में 21% गिरावट आई है। कई निवेशक, जो 2023 और 2024 के बुल रन के दौरान इस सेगमेंट को लेकर बहुत उत्साहित थे, आज काफी परेशान हैं। उन्हें इस दौर से बाहर निकलने के लिए एसेट एलोकेशन और लॉन्ग टर्म इन्वेस्टिंग के मंत्र अपनाने होंगे। तभी वे अपने निवेश को बढ़ा पाएंगे और अच्छा मुनाफा हासिल कर पाएंगे। लॉन्ग टर्म आउटलुक सकारात्मक अप्रैल-सितंबर छमाही से छोटी कंपनियों की आय बढ़ने की उम्मीद है। ब्याज दरें घटने से भी इन्हें मदद मिलेगी। इसके चलते लंबी अवधि में स्मॉलकैप सेक्टर में रिकवरी हो सकती है।

एक सेगमेंट में ज्यादा निवेश जोखिम भरा

स्मॉलकैप शेयर जैसे हाई बीटा फंड तेजी के दौरान आम रुझान से ज्यादा तेज बढ़ते हैं, लेकिन मंदी के दौरान ये ज्यादा गिरते भी हैं। अभी किसी भी एक सेगमेंट में ज्यादा निवेश से बचें। सिर्फ एक सेगमेंट में निवेश जोखिमभरा हो सकता है।

स्मॉलकैप के मौजूदा निवेशक ये करें

लंबी अवधि के लिए भी स्मॉलकैप में निवेश इक्विटी पोर्टफोलियो के 20% तक ही सीमित रखें। इससे ज्यादा निवेश हो तो कम कर लें। ऐसे शेयरों से पूरी तरह बाहर निकलने में समझदारी नहीं है।

नए निवेशक अभी स्मॉलकैप से बचें

पहली बार इक्विटी में निवेश करने वाले लोगों को स्मॉलकैप फंड से बचना चाहिए। इसकी जगह उन्हें लार्जकैप, फ्लेक्सी-कैप या इंडेक्स फंड (लार्जकैप इंडेक्स पर आधारित) में निवेश करना चाहिए। एक बार जब वे बाजार की अस्थिरता अच्छी तरह समझ लें तो स्मॉलकैप फंड पर विचार कर सकते हैं। कम से कम सात साल के नजरिये के साथ इन फंड्स में निवेश करना चाहिए।

स्मॉल-कैप फंड क्या हैं

स्मॉल-कैप म्यूचुअल वैसे फंड होते हैं, जो छोटी कंपनियों में निवेश करते हैं। यानी ऐसी कंपनियां जिनके शेयरों की वैल्यू काफी कम है। इन्हें हम स्मॉलकैप कंपनियां कहते हैं। हालांकि, शेयर बाजार में लिस्टेड ऐसी कंपनियों के कारोबार में बेहतर ग्रोथ की संभावनाओं का आकलन करने के बाद ही इनकी पहचान की जाती है। मार्केट कैप के लिहाज से शेयर बाजार की शीर्ष 250 कंपनियों को छोड़कर बाकी में स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड निवेश करते हैं। स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड अपने निवेश की रकम का 65% तक छोटी कंपनियों में लगाते हैं। इसके बाद बची 35% रकम को फंड मैनेजर मिड या लार्ज कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं।

देश में चल रही कई सरकारी पेंशन स्कीम, कौन सी हो सकती है बेहतर

जानकारी | **बिजनेस डेस्क**

बुढ़ापे में आर्थिक स्थिरता और स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए वक्त पर रिटायरमेंट की प्लानिंग बहुत जरूरी है। इसके लिए सरकार कई सेविंग स्कीम चला रही है जो रिटायरमेंट के बाद फाइनेंशियल सिक्योरिटी और मानसिक शांति देती हैं। ये योजनाएं रेगुलर रिटर्न, टैक्स बेनिफिट और फाइनेंशियल सिक्योरिटी देती हैं, जो विभिन्न इनकम लेवल और रिस्क प्रिफरेंसेज को पूरा करती हैं. इन योजनाओं के जरिए रिटायरमेंट लोग अपनी जीवनशैली और स्वास्थ्य से जुड़ी जरूरतों के लिए एक संतुलित वित्तीय योजना बना सकते हैं। आइए, इस रिपोर्ट में जानते हैं उन प्रमुख सरकारी स्कीम के बार में जो बुढ़ापे में रेगुलर इनकम बनाने में मददगार साबित हो सकती हैं। ईपीएफ की ईपीएफ स्कीम नौकरी पेशा लोगों यानी सैलरीड एप्लाई के लिए एक रिटायरमेंट सेविंग स्कीम है। इसमें नौकरी के दौरान एंप्लाई को अपनी बेसिक सैलरी का 12% हिस्सा कॉन्ट्रीब्यूट करना होता हैं। इतनी ही रकम एंप्लायर की ओर से भी जमा की जाती है। फिलहाल ईपीएफ अकाउंट में जमा पर ब्याज दर 8.25% है। यह फंड एंप्लाई के 58 साल की उम्र पूरी कर लेने में पर मैच्योर होता है, जो उसे ईपीएफ में जमा रकम पर हर साल मिले ब्याज और लमसम अमाउंट के रूप में मिलता है। इमरजेंसी जैसी स्थिति में एंप्लाई ईपीएफ खाते से कुल जमा का कुछ हिस्सा निकाल भी सकता है। ईपीएफ खाते में जमा रकम इनकम टैक्स की धारा 80 सी के तहत टैक्स डिडक्शन के लिए योग्य है।

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस)

बुढ़ापे को वित्तीय रूप से सुरक्षित और चिंतामुक्त बनाए रखने लें पेंशन स्कीम
ये 60 साल की उम्र पूरी होने पर रेगुलर इनकम बनाए रखने में मददगार

नेशनल पेंशन सिस्टम एक मार्केट लिंक रिटायरमेंट प्लान है जो लोगों को इक्विटी, सरकारी बॉन्ड और कॉर्पोरेट डेट में विविध निवेश के माध्यम से एक फंड बनाने की अनुमति देती है. बाजार के प्रदर्शन के आधार पर रिटर्न अलग-अलग होता है। सब्सक्राइबर धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक और धारा 80सीसीडी (1बी) के तहत एक्स्ट्रा 50,000 रुपये तक का टैक्स लाभ हासिल कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री वय वंदना योजना

प्रधानमंत्री वय वंदना योजना यानी पीएमवीवीवाई 60 साल या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए बनाई गई एक पेंशन स्कीम है। यह 10 सालों के लिए 7.4% की गारंटीड रिटर्न प्रदान करती है, जो बाजार में उतार-चढ़ाव के खिलाफ फाइनेंशियल सिक्योरिटी प्रदान करती है। अधिकतम निवेश की अनुमति प्रति व्यक्ति 15 लाख रुपये है। यह योजना निवेश राशि के आधार पर एक निश्चित मासिक, त्रैमासिक या वार्षिक पेंशन प्रदान करती है। मैच्योरिटी पर, मूलधन निवेशक को वापस कर दिया जाता है। पॉलिसी अवधि के दौरान निवेशक की मृत्यु होने की स्थिति में, परचेज प्राइस का भुगतान नॉमिनी को किया जाता है। इस योजना के जरिए, वरिष्ठ नागरिकों को आय का एक वैकल्पिक जरिया मिलता है। यह योजना जीवन बीमा निगम (एलआईसी) द्वारा मैनेज की जाती है।

सीनियर सिटिजन सेविंग स्कीम

सीनियर सिटिजन सेविंग स्कीम (एससीएसएस) 60 साल या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए सबसे अधिक ब्याज देने वाली योजनाओं में से एक है। फिलहाल ब्याज दर 8.2% है, जो इसे जोखिम न लेने वाले निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाती है। इसमें अधिकतम निवेश सीमा 30 लाख रुपये है, जिसकी अवधि 5 वर्ष है, जिसे अतिरिक्त 3 सालों तक बढ़ाया जा सकता है। ब्याज का भुगतान तिमाही आधार पर किया जाता है, जिससे रेगुलर इनकम सुनिश्चित होती है। एससीएसएस में निवेश धारा 80सी के तहत टैक्स डिडक्शन के लिए योग्य है. हालांकि, इसमें मिला ब्याज टैक्स के दायरे में आता है।

पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ)

पोस्ट ऑफिस की पीपीएफ स्कीम एक लंबी अवधि वाली सेविंग स्कीम है। इस सरकारी स्कीम में निवेशकों को 7.1% ब्याज दर मिल रही है। इसमें 15 साल की लॉक-इन पीरियड है, जिसे 5-5 साल के लिए एक्सटेंड किया जा सकता है। मिनिमम एन्युअल निवेश 500 रुपये है, जबकि अधिकतम 1.5 लाख रुपये है। पीपीएफ को ईईई क्लास (एगजेंम्ट-एगजेंम्ट-एगजेंम्ट) का दर्जा प्राप्त है, जिसका अर्थ है कि निवेश रकम, मिले ब्याज और मैच्योरिची रकम, तीनों पर कोई टैक्स नहीं देना पड़ता है। पांच साल के बाद आंशिक निकासी और डेट की अनुमति है। पीपीएफ कम जोखिम वाले, टैक्स-एफिशिएंट ग्रोथ की तलाश करने वाले लोगों के लिए उपयुक्त है। इसकी लंबी अवधि और टैक्स बेनिफिट इसे रिटायरमेंट प्लान और फंड जुटाने के लिए एक विश्वसनीय निवेश विकल्प बनाते हैं।

अटल पेंशन योजना (एपीवाई)

अटल पेंशन योजना (एपीवाई) का उद्देश्य अनऑर्गेनाइज्ड सेक्टर के श्रमिकों और निम्न आय वर्ग के लोगों को रिटायरमेंट के बाद गारंटीड पेंशन प्रदान करना है। ग्राहक 1,000 रुपये से लेकर 5,000 रुपये तक मंथली 1,000 से 5,000 रुपये तक के निश्चित पेंशन विकल्पों में से चुन सकते हैं। कॉन्ट्रीब्यूशन की राशि उम्र और इच्छित पेंशन राशि पर निर्भर करती है। सरकार 40 वर्ष की आयु से पहले जुड़ने वालों के लिए पांच साल के लिए ग्राहक के योगदान का 50% (1,000 रुपये तक) योगदान देती है। योगदान प्रवेश की आयु और वांछित पेंशन राशि पर निर्भर करता है।

पीएम श्रम योगी मानधन योजना

पीएम श्रम योगी मानधन योजना केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों और कमजोर आय वर्ग को आर्थिक सहायता प्रदान करना है। यह योजना उन श्रमिकों को लाभ प्रदान करती है जो असंगठित क्षेत्रों में काम करते हैं और उनकी मासिक आय 15,000 रुपये से कम होती है। 18 से 40 साल की उम्र वाले लोग इस योजना को सब्सक्राइब कर सकते हैं। इस योजना के तहत मजदूर, घरेलू कामगार, रेहड़ी-पटरी, रिक्शा-ठेला खींचने वाले और सिर-पीठ पर बोझा ढोने वाले जैसे असंगठित क्षेत्र के कामगारों को बुढ़ापे में पेंशन देने का प्रावधान है। ध्यान रहे योजना का लाभ तभी मिलेगा जब परिवार का कोई व्यक्ति सरकारी कर्मचारी नहीं होगा। पात्र व्यक्ति ईपीएफओ, एनपीएस और ईएसआईसी के अंतर्गत कवर है तो उसे योजना का लाभ नहीं दिया जाएगा।

हमारी न्यायपालिका की साख पर अधजले नोट की कालिख लगी है। सच या साजिश, अभी इसका पता नहीं है। देश की सर्वोच्च अदालत सजग है। दिल्ली हाई कोर्ट के जज न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा पर आरोप लगे हैं कि उनके राष्ट्रीय राजधानी स्थित आवास परिसर में आग की घटना के दौरान भारी मात्रा में अधजले नोट आग बुझाने के समय मिले हैं। इसके बाद से देश का न्याय तंत्र हिला हुआ है। हमारी न्याय व्यवस्था पर तरह-तरह के सवाल उठ रहे हैं। जस्टिस वर्मा ने अपनी सफाई में कहा है कि वो उस दिन दिल्ली में नहीं थे, उनके आवास के जिस बाहरी हिस्से में आग लगी, उस तरफ उनके परिवार का जाना-आना नहीं है, वहां मिले अधजले नोट उनके व उनके परिवार के किसी के नहीं हैं, उनके खिलाफ साजिश हो रही है। इस मामले को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने एक रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अधजले नोट मामले की जांच के लिए आंतरिक स्तर पर तीन सदस्यीय कमिटी गठित कर दी है। ऐसे कई मौके आए हैं, जिसमें हमारी न्यायपालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। फिर भी जन मानस को यदि इंसाफ की एक उम्मीद है तो वह न्यायपालिका से ही है। आज न्यायपालिका के सामने इस उम्मीद को जिंदा रखने की चुनौती है। अधजले नोट मुद्दे के बहाने इंसाफ के संकट व न्यायिक सुधार पर आजकल का ताजा अंक...

जवाबदेह-भ्रष्टाचारमुक्त न्याय तंत्र कब?

विश्लेषण

प्रो. नीलम महाजन

राजनीतिक विश्लेषक एवं सॉलिसिटर

सुप्रीम कोर्ट ने अधजले नोट मामले की जांच के लिए आंतरिक स्तर पर तीन सदस्यीय कमिटी गठित कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा को न्यायिक कार्य से निलंबित कर दिया है और उन्हें इलाहाबाद हाई कोर्ट भेज दिया है। इन सबमें सवाल है कि जस्टिस वर्मा के आवास परिसर में नोट कहां से आए, किनके हैं, नोट जस्टिस वर्मा के नहीं हैं, तो उनके घर कैसे पहुंचे, किसने पहुंचाए, क्या एक जज के आवास पर कड़ी सुरक्षा के पहरे में किसी शख्स के लिए नोट पहुंचाना संभव है? किसी ने साजिश की है, तो भला उन्होंने ऐसा क्या किया कि उनके खिलाफ किसी ने साजिश की? फिलहाल तो उनके आवास परिसर में अधजले नोट मिले हैं, तो उनकी जवाबदारी है।

अगस्त, 2017 में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में कथित तौर पर ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित होने के कारण 60 बच्चों की मौत मामले में चिकित्सीय लापरवाही का आरोप झेल रहे डॉ. कफ़ील ख़ान को वर्ष 2018 में इलाहाबाद हाई कोर्ट में अपने कार्यकाल के दौरान जमानत देने वाले जस्टिस यशवंत वर्मा आजकल सुर्खियों में हैं। जज के नाते अपने फैसलों की वजह से नहीं, बल्कि अपने आवासीय परिसर में मिले अधजले नोटों के चलते हर किसी की ज़बान पर हैं। दिल्ली हाई कोर्ट के जज न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा पर आरोप लगे हैं कि उनके राष्ट्रीय राजधानी स्थित आवास परिसर में आग की घटना के दौरान भारी मात्रा में अधजले नोट आग बुझाने के समय मिले हैं। इसके बाद से देश का न्याय तंत्र हिला हुआ है। हमारी न्याय व्यवस्था पर तरह-तरह के सवाल उठ रहे हैं। हाई कोर्ट के जज को सभी लक्जरी सुविधाएं सरकार से मिलती हैं, ताकि वो लालचमुक्त हो निडर होकर न्याय कर सकें, फिर भी न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास परिसर से अधजले नोटों का मिलना हैरान कर रहा है।

जस्टिस वर्मा ने अपनी सफाई में कहा है कि वो उस दिन दिल्ली में नहीं थे, उनके आवास के जिस बाहरी हिस्से में आग लगी, उस तरफ उनके परिवार का जाना-आना नहीं है, वहां मिले अधजले नोट उनके व उनके परिवार के किसी के नहीं हैं, उनके खिलाफ साजिश हो रही है। इस मामले को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने एक रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अधजले नोट मामले की जांच के लिए आंतरिक स्तर पर तीन सदस्यीय कमिटी गठित कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा को न्यायिक कार्य से निलंबित कर दिया है और उन्हें इलाहाबाद हाई कोर्ट भेज दिया है। इन सबमें सवाल है कि जस्टिस वर्मा के आवास परिसर में नोट कहां से आए, किनके हैं, नोट जस्टिस वर्मा के नहीं हैं, तो उनके घर कैसे पहुंचे, किसने पहुंचाए, क्या एक जज के आवास पर कड़ी सुरक्षा के पहरे में किसी शख्स के लिए नोट पहुंचाना संभव है? किसी ने साजिश की है, तो भला उन्होंने ऐसा क्या किया कि उनके खिलाफ किसी ने साजिश की?

सवालों के घेरे में न्याय तंत्र

फिलहाल तो उनके आवास परिसर में अधजले नोट मिले हैं, तो उनकी जवाबदारी है। इसलिए वे आरोपों की निगाह में हैं। यूं तो अभी कमिटी की जांच के परिणाम का इंतजार है, लेकिन इस पूरी घटना में हमारे न्याय तंत्र के उच्च स्तर पर व्याप्त कदाचार की बू आ रही है। भारतीय जनमानस में एक मान्यता है कि नेता, अफसर भ्रष्ट हो सकते हैं, लेकिन हमारे माननीय जज भ्रष्ट नहीं हो सकते। भ्रष्टाचार केवल आर्थिक ही नहीं है, बल्कि नैतिक भ्रष्टाचार भी हमें खोखला कर रहा है। यूं तो यह पहली बार नहीं है, जब एक जज सवालों के घेरे में हैं, अनेक ऐसे मौके आए हैं, जिसमें हमारी न्यायपालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। फिर भी जन मानस को यदि इंसाफ की एक उम्मीद है तो वह न्यायपालिका से ही है। आज न्यायपालिका के सामने इस उम्मीद को जिंदा रखने की चुनौती है।

चीनी मिल केस कनेक्शन

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास से कथित नकदी बरामदगी ने उनके पिछले वित्तीय लेन-देन, विशेष रूप से 2018 सिंभावली चीनी मिल धोखाधड़ी मामले से उनके संबंधों की जांच को फिर से जिंदा कर दिया है। तब वर्मा को 97 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में आरोपी बनाया गया था। 14 मार्च को दिल्ली हाई कोर्ट के जज के आवास के एक स्टोर रूम में आग लगी थी, जहां पर कथित तौर पर उनके आवास परिसर से बड़ी मात्रा में अधजले नोट मिले थे। अभी यशवंत वर्मा के ख़िलाफ़ 'इन-हाउस' जांच प्रक्रिया जारी है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने प्रस्ताव दिया है कि जस्टिस वर्मा को दिल्ली से हटाकर वापस इलाहाबाद हाई कोर्ट भेज दिया जाए। हालांकि, इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने फैसले पर आपत्ति जताई है, इसके बाद भी उन्हें इलाहाबाद भेजा गया है।

इससे पहले भी कई मामले

10 अगस्त 2023 को ईडी ने हरियाणा के विशेष सीबीआई न्यायाधीश, सुधीर परमार को गिरफ़्तार किया, जिन्हें पहले अनुकूल फैसले के बदले में 5 करोड़ रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में निलंबित कर दिया गया था। पूर्व मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा पर आरोप लगे कि वे केवल अपनी पसंद के न्यायाधीशों पर ही ज़ोर देते हैं। सेवानिवृत्त न्यायाधीश, आई.एम. कुद्दुसी पर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को रिश्वत देने की साज़िश रचने का आरोप था, जिस मामले की सुनवाई खुद जस्टिस दीपक मिश्रा ने की थी। कुद्दुसी को सितंबर में कथित न्यायिक रिश्वतखोरी गिरोह में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश शमित मुखर्जी की वर्ष 2003 में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की गई गिरफ्तारी, जो कानूनी इतिहास में इस तरह की पहली गिरफ्तारी है, ने न्यायिक नैतिकता पर बहस छेड़ दी थी। वर्ष 1993 में जस्टिस रामास्वामी को 14 में से 11 आरोपों में दोषी पाया गया था। जज निर्मल यादव का 'कैश एट होम कांड' सभी को मालूम है।

चीफ जस्टिस से मार्मिक अपील

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, इस वर्ष मई में सेवानिवृत्त हो रहे हैं, उनसे निवेदन है कि वे एक जूडिशल ऑर्डर पास कर दें कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के दोषी न्यायाधीशों के साथ सामान्य नागरिक के समान कानूनी कार्रवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया का ध्येय वाक्य में न्याय की जीत का विवरण है। सुप्रीम कोर्ट के चिन्ह (लोगो) में अशोक चक्र बना हुआ है, जिसके नीचे संस्कृत का श्लोक लिखा हुआ है - 'यतो धर्मस्ततो जयः' संस्कृत के इस श्लोक का अर्थ है 'जहां धर्म है, वहां जय (जीत) है'। क्या देश में न्याय की जीत हो रही है? क्या आमजन अपनी अदालतों से इंसाफ की उम्मीद रख पा रहे हैं? क्या इंसाफ के सौदे नहीं हो रहे हैं? क्या हमारी न्याय व्यवस्था खर्चीली नहीं होती जा रही है? क्या यह क्षेत्र अत्यधिक अव्यवस्थित नहीं है? क्या हमारी न्याय व्यवस्था साधारण आदमी को न्याय दे पा रही है? हमारा न्याय सिस्टम इतना पेचीदा है कि मुकदमेबाजी में अनेक घर बर्बाद हो जाते हैं। सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति तीर्थ सिंह ठाकुर ने राज्यों के उच्च न्यायालयों के सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व कानून मंत्री की मौजदूगी में एक बार अपने मन की व्यथा व्यक्त करते हुए रोकर कहा था कि हम, 'जनता को न्याय नहीं दे पा रहे हैं'। उन्होंने न्यायपालिका में अधूरे रिक्त पदों पर भराई ना होने पर दुःख जताया था। हमारे न्याय तंत्र में जजों की करीब 60 फीसदी की कमी है। उच्च न्यायालयों व सर्वोच्च न्यायालय में नियुक्तियों को पारदर्शी बनाने की जरूरत है। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम की आवश्यकता महसूस हो रही है। कॉलेजियम को लेकर लंबे समय से सरकार के साथ टकराव है।

न्याय प्रणाली में अब तक सुधार के प्रयास

ई-कोर्ट परियोजना, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई, टेली-लॉ कार्यक्रम, न्यायिक बुनियादी ढांचे में सुधार, न्यायिक सुधारों पर कार्य अनुसंधान और अध्ययन, फास्ट ट्रैक कोर्ट, न्यायबंधु प्लेटफॉर्म और उमंग ऐप, प्रौद्योगिकी का उपयोग, न्याय प्रतिपादन और विधिक सुधार के लिए राष्ट्रीय मिशन, सरकार ने मध्यस्थता, पंचनिर्णय और लोक अदालतों जैसे वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) तंत्रों को मज़बूत किया है। वाणिज्यिक न्यायालय अधिनियम, 2015 वाणिज्यिक विवादों में पूर्व-संस्थागत मध्यस्थता को अनिवार्य बनाता है, जिससे समाधान की गति बढ़ जाती है। मध्यस्थता और सुलह (संशोधन) अधिनियम, 2015 ने मध्यस्थता के माध्यम से विवादों को सुलझाने के लिए समयसीमा शुरू की है। मध्यस्थता अधिनियम, 2023 सिविल और वाणिज्यिक विवादों में मध्यस्थता की सुविधा प्रदान करता है। नियमित रूप से आयोजित लोक अदालतों से लंबित मामलों को कम करने में मदद मिली है। लंबित मामलों को कम करने तथा न्याय प्रदान करने में तेजी लाने के लिए कई कानूनों में संशोधन किया गया है। इनमें परक्राम्य लिखत (संशोधन) अधिनियम 2018, वाणिज्यिक न्यायालय (संशोधन) अधिनियम 2018, मध्यस्थता और सुलह (संशोधन) अधिनियम, 2019 तथा आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम 2018 शामिल हैं।

न्याय देने में चुनौतियां

न्याय तक पहुंच में असमानता, इंसाफ की प्रक्रिया जटिल, डिजिटल तकनीक का अभाव, लंबित मामलों की संख्या, न्यायिक रिक्तियां, इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी, न्यायिक जवाबदेही का अभाव, न्याय तक पहुंच में बाधाएं, प्रतिनिधित्व और विविधता का अभाव, विशेषकर लिंग, जाति और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के संदर्भ में आदि। न्यायिक सुधारों में एक महत्वपूर्ण बाधा न्यायपालिका और न्यायालय के कर्मचारियों दोनों की ओर से नई प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं को अपनाने का प्रतिरोध है। व्यवस्था के भीतर कई लोग पारंपरिक तरीकों के अभ्यस्त हैं, जो सुधारों को अपनाने की प्रक्रिया को धीमा कर देता है। पर्याप्त धन की कमी न्यायिक सुधारों के कार्यान्वयन में एक बड़ी बाधा है। इससे डिजिटल बुनियादी ढांचे को अपनाने, नई सुविधाओं के निर्माण व न्यायिक प्रणाली के समग्र आधुनिकीकरण पर असर पड़ता है।

आगे की जरूरतें

न्यायपालिका की स्वतंत्रता बढ़ाना, न्याय प्रणाली की निष्पक्षता में सुधार करना, न्याय की गति बढ़ाना, न्यायिक अवसंरचना विकास करना, न्यायिक रिक्तियों को भरना। न्यायिक सुधारों के लिए न्यायपालिका, कार्यपालिका तथा विधायिका के बीच सहयोग की आवश्यकता है। इन शाखाओं के बीच समन्वय की कमी एवं निर्णय लेने में देरी से सुधार प्रक्रिया में बाधा आती है। इसलिए कार्यपालिका और विधायिका के साथ समन्वय की आवश्यकता है। डिजिटलीकरण, ऑनलाइन केस फाइलिंग और एआई-सहायता प्राप्त केस प्रबंधन के लिए ई-कोर्ट परियोजना का विस्तार करना चाहिए। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण को मज़बूत करने, सचल विधिक क्लीनिकों का विस्तार करने तथा हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए टेली-लॉ जैसी पहल को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। अनावश्यक मुकदमेबाजी को कम करने और कानूनी जागरूकता के लिए लाइव स्ट्रीमिंग, क्षेत्रीय भाषा में निर्णय, शैक्षिक कार्यक्रमों के माध्यम से सार्वजनिक सहभागिता को संवर्द्धित किया जा सकता है।

न्यायपालिका में पारदर्शिता पर उठते सवाल

दो टूक

रवि शंकर

वरिष्ठ स्तंभकार

भारत में 75 साल के इतिहास में कई ऐसे मौके आए हैं जब न्यायपालिका पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। हाल ही में दिल्ली हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर नोटों में आग लगने की घटना ने एक बार फिर इस मुद्दे को सुर्खियों में ला दिया।

इससे न्यायपालिका की साख को भी गहरा झटका लगा है। शायद यही वजह है कि पहली बार देश के प्रधान न्यायाधीश ने इस मामले से संबंधित प्रारंभिक रिपोर्ट और जले हुए नोटों के वीडियो सार्वजनिक किए। यह भी अच्छी बात है कि इस मामले की जांच के लिए तीन हाई कोर्टों के मुख्य न्यायाधीशों की समिति बिना देर किए बनाई गई है। भारतीय न्यायपालिका लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो संविधान और नागरिक अधिकारों की रक्षा करती है। लेकिन हाल के वर्षों में न्यायपालिका में पारदर्शिता, जवाबदेही और भ्रष्टाचार से जुड़े मुद्दों ने इसकी विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए हैं। भारत में जहां न्यायपालिका की स्वतंत्रता को सर्वोच्च माना गया है, वहीं पारदर्शिता की कमी कई बार संदेह और आलोचना का विषय बनती रही है।

पहले भी कई मामले सामने आए

इस मामले का महत्व इसलिए बहुत ज्यादा है क्योंकि ऐसे समय में जब लोगों का अन्य सरकारी संस्थाओं से विश्वास उठ गया है, तब न्यायपालिका को बिल्कुल साफ-सुथरा दिखने की जरूरत है। पिछले कुछ दशकों में, न्यायपालिका से जुड़े कई मामले सामने आए हैं। कलकत्ता हाई कोर्ट के जज सौमित्र सेन ने संसद में उनके खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया के दौरान ही इस्तीफा दे दिया था। उन पर धन के दुरुपयोग का आरोप था। दिल्ली हाई कोर्ट के जज शामित मुखर्जी ने रिश्वत लेने के आरोप लगने के बाद इस्तीफा दे दिया था। सिक्किम हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस पी.डी. दिनाकरण ने भी भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद इस्तीफा दे दिया था। अब सुप्रीम कोर्ट जस्टिस वर्मा के आवास पर नकदी की जांच कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट को इस 17 साल पुराने मामले को ध्यान में रखना चाहिए। जस्टिस वर्मा केस ने इन पुराने घावों को फिर से कुरेद दिया है।

सरकार-जनता की भूमिका नहीं

साफ है, न्यायपालिका में जवाबदेही की कमी और पारदर्शिता का अभाव इन समस्याओं को बढ़ावा देता है। वर्तमान में भारत में न्यायाधीशों की नियुक्ति कॉलेजियम प्रणाली के तहत होती है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश ही नए न्यायाधीशों का चयन करते हैं। इसमें सरकार व जनता की कोई भूमिका नहीं होती, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल उठते हैं। वर्ष 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) को असंवैधानिक करार दिया, जिससे सुधार की संभावनाओं पर विराम लग गया। न्यायपालिका की स्वतंत्रता बनाए रखते हुए नियुक्ति प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाए जाने की बहस आज भी जारी है। नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड के अनुसार 26 मार्च तक देश की अदालतों में चार करोड़ 54 लाख से ज्यादा मुकदमे विचाराधीन पड़े थे। इनमें 46.43 लाख से ज्यादा केस 10

साल से ज्यादा पुराने हैं। यह मान लें कि औसतन एक मुकदमे में कम से कम दो या तीन व्यक्ति पक्षकार होते हैं तो देश में करीब 10 से 15 करोड़ लोग मुकदमेबाजी के शिकार हैं। यह संख्या लगातार बढ़ रही है। बीते पांच साल के दौरान अदालतों में भ्रष्टाचार की 1631 शिकायतें दर्ज की गई हैं। शायद इस प्रकरण के निष्कर्ष भी बहुत जल्दी सार्वजनिक न किए जाएं, क्योंकि एक न्यायाधीश के खिलाफ किसी भी तरह की कानूनी, आपराधिक प्रक्रिया बेहद जटिल और लंबी है। बेशक संविधान के अनुच्छेद 124 (4 और 5) में प्रावधान हैं, जिनके तहत न्यायाधीशों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है, लेकिन यह भी इतना सपाट और आसान नहीं है। महाभियोग के जरिए सर्वोच्च और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को पद से हटाया जा सकता है, लेकिन संसद में आज तक महाभियोग का प्रस्ताव पारित नहीं हो सका है। बहरहाल, यदि अब तीन न्यायाधीशों की जांच में जस्टिस यशवंत वर्मा पर आरोप साबित भी हो जाते हैं, तो वह रपट केंद्रीय कानून मंत्रालय को भेजी जाएगी। मंत्रालय उस रपट को राष्ट्रपति को प्रेषित करेगा। सिफारिश स्वीकार होने पर राष्ट्रपति महाभियोग के लिए संसद को भेजेगा। संसद में महाभियोग प्रस्ताव दो-तिहाई बहुमत से पारित हो जाता है, तभी जज को हटाया जा सकता है, लेकिन ऐसी स्थिति आज तक नहीं आई। हाई कोर्ट जज एक संवैधानिक पद है। महाभियोग के अलावा उच्च न्यायालय के जज के ख़िलाफ़ 'प्रिवेंशन ऑफ़ करप्शन एक्ट' के तहत कार्रवाई हो सकती है। पर, पुलिस ख़ुद से किसी जज के ख़िलाफ़ एफआईआर दर्ज नहीं कर सकती। राष्ट्रपति को चीफ़ जस्टिस की सलाह लेनी होगी और उसके बाद तय करना होगा कि एफआईआर दर्ज हो सकती है या नहीं। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि जस्टिस वर्मा का ट्रांसफर इन-हाउस जांच से अलग है। लेकिन अतीत में ऐसे मामले सामने आए हैं जहां जजों को आरोपों के बाद ट्रांसफर कर दिया गया था, लेकिन उन्हें कभी भी दोषमुक्त नहीं किया गया। इससे न्यायपालिका की छवि खराब होती है। सुप्रीम कोर्ट को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जस्टिस वर्मा के मामले में निष्पक्ष जांच हो और सच्चाई सामने आए। सुप्रीम कोर्ट को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि लोगों का न्यायपालिका पर बहुत अधिक विश्वास है। अगर न्यायपालिका में भ्रष्टाचार होता है, तो इससे लोगों का लोकतंत्र से विश्वास उठ जाएगा। न्यायपालिका जिन चुनौतियों से जूझ रही है, उनके मद्देनजर जस्टिस वेंकटचलैय्या की सिफारिशों को लागू करने का यह सही समय हो सकता है, जिससे नियुक्ति में पारदर्शिता, न्यायिक जवाबदेही और अनुशासन सुनिश्चित हो सकेगा। इसके लिए राष्ट्रीय न्यायिक आयोग जैसी संस्था का गठन होनाा चाहिए, जिसमें न्यायपालिका के साथ-साथ कार्यपालिका और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों की भी भागीदारी हो।

'न्यायिक परिषद' का गठन हो

न्यायाधीशों के आचरण की निगरानी के लिए 'न्यायिक परिषद' की स्थापना की जानी चाहिए। न्यायाधीशों को अपनी संपत्तियों का सार्वजनिक विवरण देना अनिवार्य तो किया ही जाना चाहिए, इसके साथ, एक स्वतंत्र 'न्यायिक लोकपाल' की नियुक्ति भी होनी चाहिए, जो न्यायपालिका के भीतर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की जांच कर सके। न्यायिक नियुक्तियों और न्यायाधीशों के प्रदर्शन की नियमित समीक्षा होनी चाहिए। न्यायालयों में तकनीकी सुधार करने और ई-कोर्ट की स्थापना भी की जानी चाहिए, ताकि मुकदमों का निपटारा तेजी से हो सके। स्पष्ट है, न्याय में देरी, नियुक्ति प्रक्रिया की गोपनीयता और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए ठोस सुधार जरूरी हैं। न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए इसे अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने की जरूरत है। यही लोकतंत्र की असली गारंटी है।

धीमी रफ्तार से न्याय-व्यवस्था बीमार

न्यायपालिका

डॉ. सुनील कुमार मिश्र

एसोसिएट प्रोफेसर, वीआईपीएस, नई दिल्ली

किसी भी देश में लोकतांत्रिक मूल्यों को जिंदा रखने में उस देश की न्यायपालिका महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। न्यायपालिका का सुदृढ़ होना न सिर्फ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है अपितु देश को किसी भी अराजक स्थिति से बचाने में यह रक्षा कवच के रूप में कार्य करती है। सशक्त से अशक्त को न्याय दिलाने वाली न्यायपालिका का स्थान लोकतंत्र में काफी ऊंचा है, परन्तु न्याय की उम्मीद लिए आम जनमानस की इस अंतिम शरणस्थली में मिलने वाली प्रत्येक अगली तारीख पीड़ित की वेदना को बढ़ाने का कार्य करती है, और समय बीतने के साथ यह वेदना पीड़ित के न्यायपालिका में विश्वास का ह्रास करती जाती है। तारीख पर तारीख झेलने वाले अनगिनत मुकदमों में फैसला तब आता है जब उस फैसले का कोई औचित्य नहीं रह जाता क्योंकि इस दौरान पीड़ित व्यक्ति सामाजिक, आर्थिक एवं शारीरिक दुर्दशा की उस पीड़ा को झेलने को विवश होता है जो न्याय मिलने के बाद भी समाप्त नहीं होती है। न्याय के लिए साक्ष्य आवश्यक हैं, साक्ष्य के अभाव में न्यायालय से अनगिनत आरोपी सजा से बच निकलते हैं।

सुधार की आवश्यकता

ऐसे में न्याय व्यवस्था पर प्रश्न खड़े करने से पहले हमें सामाजिक व्यवस्था को भी कटघरे में खड़ा करना चाहिए क्योंकि सामाजिक महिमामंडन एवं राजनीतिक संरक्षण रूपी कवच कई अवसरों पर आरोपी और साक्ष्य के बीच दूरी पैदा कर देता है जिससे न्याय प्रक्रिया भी लंबित हो जाती है। गम्भीर बीमारी बताकर जमानत प्राप्त करने वाला कोई धनाढ्य व्यक्ति अगले ही दिन जब कोई सार्वजनिक सभा में सम्मिलित हुआ दिखलाई देता है तो हमारी न्याय व्यवस्था हंसी के पात्र के रूप में दिखती है। वर्तमान में अदालतों को त्वरित रूप से कार्य सम्पादित करने के लिए कुछ सुधार की आवश्यकता है। कुछ सुधार संसाधन से जुड़े हैं तो कुछ इच्छा शक्ति पर निर्भर करते हैं, कुछ कार्य प्रबंधन से तो कुछ उपलब्ध कानून में बदलाव की मांग करते हैं। आज अदालतों के समक्ष कार्यभार प्रबंधन जैसी बड़ी चुनौती स्पष्ट रूप से दिखलाई देती है क्योंकि देश में बढ़ते अपराध एवं अदालतों की आधारभूत संरचना में काफी अंतर है। निचली अदालतों से लेकर सुप्रीमकोर्ट में लंबित केसों की संख्या में बढ़ोत्तरी कानून व्यवस्था के समक्ष मुश्किलें पैदा कर रही हैं। देश में साढ़े चार करोड़ से अधिक केस लंबित हैं, उनमें जजों की संख्या एवं आधारभूत संरचना न्याय प्रक्रिया की गति को बाधित करती हैं।

उपलब्ध संसाधनों में कमी

निचली अदालतों से लेकर सुप्रीम कोर्ट आने वाले मामलों का निपटारा समय से कर सके, इसके लिए अदालतों में मानव संसाधन बढ़ाने के साथ ही तकनीकी क्षमता भी बढ़ानी होगी जिससे न्याय प्रक्रिया को गति प्रदान की जा सके। देश के 25 उच्च न्यायालयों में भी लंबित केस की संख्या काफी है जबकि उपलब्ध संसाधन में कमी दिखती है। विगत एक दशक में अदालतों में

आधुनिक सुविधाओं की उपलब्धता बढ़ी है एवं आधारभूत संरचना में भी सुधार हुआ है परन्तु अभी भी 140 करोड़ से अधिक जनसंख्या वाले देश के लिए यह कम है। ऐसे में सरकार की यह जिम्मेदारी बनती है कि अदालतों में आवश्यक मानव संसाधन एवं तकनीकी संसाधन की आवश्यक उपलब्धता सुनिश्चित करे जिससे अदालतें अपना कार्य सुचारू रूप से सम्पादित कर सकें। वीडियो कांफ्रेंसिंग से होने वाली सुनवाई प्रक्रिया भी दूर-दराज के क्षेत्र से जुड़े मामलों को गति प्रदान कर सकती है जिसके लिए सभी आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता आवश्यक हो जाती है।

सामाजिक व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो, इसके लिए न्याय व्यस्था का सुदृढ़ एवं सशक्त होना भी आवश्यक है। ऐसे में सरकार द्वारा किए गए संविधान संशोधन न्यायपालिका को और अधिक शक्ति प्रदान करें जिससे बदलते सामाजिक परिवेश में अदालतें न्याय सम्मत फैसला कर सकें। संसद एवं न्यायपालिका की दिशा का एक होना देशहित में है जबकि किसी प्रकार का मतभेद लोकतंत्र को कमजोर कर सकता है। इंदिरा गांधी के समय में जब सरकार ने संविधान का 24वां संशोधन किया था, तब संसद एवं न्यायपालिका के बीच टकराव की स्थिति देखी गई थी। इसके कुछ समय बाद ही केशवानंद भारती केस में एसएम सीकरी की अगुआई में 13 सदस्यीय बेंच ने अपने फैसले में कहा था कि सरकारें संविधान से ऊपर नहीं हैं, सरकार कानून में कोई बदलाव करती है तो अदालत को सरकार के उस फैसले की न्यायिक समीक्षा का अधिकार है। निश्चित रूप से न्यायसंगत कोई भी निर्णय स्वीकार्य होना चाहिए, एवं लोकतंत्र के सभी स्तम्भ सहगामी होने चाहिए जिससे राष्ट्र को और अधिक सशक्त किया जा सके। आज हम सामाजिक सुधारों की बात तो करते हैं परन्तु बात जब न्यायिक सुधार की होती है तो कभी-कभी न्यायपालिका का मौन कचोटता भी है क्योंकि सामाजिक सुधारों का रास्ता न्यायपालिका की पवित्र चौखट से होकर ही जाता है। सरकार सामाजिक सुधारों की दिशा में अनेक कदम उठा रही है, यह प्रयास तभी फलीभूत होंगे जब कार्यपालिका एवं विधायिका के साथ ही न्यायपालिका में भी पारदर्शी व्यवस्था हो। राष्ट्रीय न्यायिक आयोग विधेयक 2014 इस दिशा में सरकार द्वारा बढ़ाया गया एक कदम था। जस्टिस वर्मा से जुड़े ताजा प्रकरण ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए शुरू हुई कालेजियम प्रणाली पर एक बार फिर से समाज में बहस छेड़ दी है, जिसे समाप्त करना प्रधान न्यायाधीश के अतिरिक्त उन 4 न्यायाधीशों के विवेक पर निर्भर करता है जो वर्तमान कालेजियम का हिस्सा हैं।

मूल्यपरक आचरण की अपेक्षा

न्याय के सिंहासन पर बैठे न्यायाधीश से मूल्यपरक आचरण की अपेक्षा की जाती है, जो न सिर्फ न्याय व्यवस्था के प्रति सम्मान का स्तर निर्धारित करती है अपितु इससे समाज में एक सकारात्मक संदेश भी जाता है। निचली अदालत हो या फिर उच्च न्यायालय, न्यायधीशों द्वारा की गई कोई भी टिप्पणी न्यायपालिका के आदर्शों को स्थापित करने वाली होनी चाहिए। विगत दिनों सुप्रीमकोर्ट ने इलाहबाद हाईकोर्ट द्वारा दुष्कर्म से जुड़े एक फैसले पर की गई टिप्पणी को न सिर्फ असंवेदनशील बताया अपितु इस प्रकार की टिप्पणी को कानूनी रूप से अव्यावहारिक भी कहा। दो वर्ष पहले कोलकाता हाईकोर्ट द्वारा यौन हिंसा से जुड़े एक मामले पर की गयी टिप्पणी को भी सुप्रीमकोर्ट ने बेहद गैरजरूरी बताया था। निश्चित रूप से न्याय की उम्मीद में न्यायालय में बैठी पीड़िता पर जब ऐसी टिप्पणी की जाती है तो इससे न सिर्फ पीड़िता के जख्म हरे हो जाते हैं अपितु अपराधी प्रवृत्ति के लोगों का मनोबल भी बढ़ता है, जो न तो न्याय व्यवस्था के लिए ठीक है न ही सामाजिक व्यवस्था के लिए।

24 घंटों में आए भूकंप के 15 झटके

मरने वालों की संख्या 1000 पार, 2000 से अधिक घायल, दहशत में लोग पीएम मोदी ने वरिष्ठ जनरल से की बात, भारत का ऑपरेशन 'ब्रह्मा' शुरू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

म्यांमार में 24 घंटे में ही भूकंप के आए 16 तेज झटकों से लोग दहशत में हैं। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक शनिवार दोपहर करीब 2:50 बजे भूकंप का 16वां झटका लगा। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4.7 मापी गई। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को म्यांमार के वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग से बात की। उन्होंने कहा कि एक करीबी मित्र और पड़ोसी के रूप में भारत इस मुश्किल घड़ी में म्यांमार के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। भारत ने ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत राहत सामग्री भेजी है। वायुसेना का विमान सी-130 जे करीब 15 टन राहत सामग्री लेकर यांगून पहुंच गया है। राहत पैकेज में टेंट, स्लीपिंग बैग, कंबल, भोजन के पैकेट, वाटर प्यूरीफायर, हाइजीन किट, सोलर लैंप, जनरेटर सेट और पैरासिटामोल, एंटीबायोटिक्स, सीरिंज, दस्ताने और पट्टियां जैसी आवश्यक जीचें शामिल हैं। प्रभावित इलाकों में मदद और राहत-बचाव कार्य के लिए भारत से राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम को भेजा गया है।

भूकंप का 16वां झटका 4.7 तीव्रता का रहा

थाईलैंड में करीब 10 लोगों की भूकंप से मौत

भारत ने सी-130जे से भेजी 15 टन राहत

हर तरफ मलबा और टूटी इमारतें

म्यांमार की सेना (जुंटा) के हवाले से बताया है कि भूकंप में अबतक 694 लोगों की मौत हुई है, जबकि 1,670 घायल हुए हैं। वहीं अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) का अनुमान है कि मरने वालों की संख्या 1,000 से अधिक हो सकती है। अस्पतालों में खून की भारी किल्लत की खबरें मिल रही हैं। म्यांमार में राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी हैं, लेकिन हर तरफ मलबे का ढेर, टूटी सड़कें, और ढही इमारतें नजर आ रही है। बताया जा रहा है कि, अस्पतालों में घायलों की तादाद भी हजारों में है। म्यांमार के अनुसार, पांच शहरों और कई कस्बों में इमारतें गिर गई हैं और दो प्रमुख पुल भी ढह चुके हैं।

कब-कब आया भूकंप

संख्या	समय	तीव्रता
पहला	शुक्रवार सुबह 11:50 मिनट पर	7.2
दूसरा	दोपहर 12:02 मिनट पर	7.0
तीसरा	दोपहर 12:57 मिनट पर	5.0
चौथा	दोपहर 01:07 मिनट पर	4.9
पांचवा	दोपहर 02:48 मिनट पर	4.4
छठवां	दोपहर 03:25 मिनट पर	4.3
सातवां	शाम 04:46 मिनट पर	4.0
आठवां	शाम 05:52 मिनट पर	4.3
नौवां	शाम 06:22 मिनट पर	3.8
दसवां	रात 08:19 मिनट पर	3.7
ग्यारवां	रात 09:49 मिनट पर	3.6
बारहवां	रात 10:16 मिनट पर	4.5
तेरहवां	रात 11:56 मिनट पर	4.2
चौदहवां	रात 01:46 मिनट पर	3.6
पंद्रहवां	शनिवार सुबह 11:54 मिनट	4.3
सोलहवां	शनिवार दोपहर 02:50 मिनट	4.7

आंकड़ें नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक

पीएम मोदी ने कहा- मुश्किल वक्त में भारत खड़ा है साथ

पीएम मोदी सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि म्यांमार के वरिष्ठ जनरल महामहिम मिन आंग ह्लाइंग से बात की। विनाशकारी भूकंप में हुई मौतों पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। एक करीबी दोस्त और पड़ोसी के रूप में, भारत इस मुश्किल घड़ी में म्यांमार के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत आपदा राहत सामग्री, मानवीय सहायता, खोज और बचाव दल को प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से भेजा जा रहा है।

इन शहरों में भारी नुकसान

इस विनाशकारी भूकंप ने मंडाले, नेपिटॉ, यांगून और कई अन्य शहरों में इमारतों, पुलों और सड़कों को भारी नुकसान पहुंचाया है। लेकिन सबसे अधिक मौतें नेपिटॉ में हुई हैं। यहां से 90 से अधिक लोगों की मौत का आंकड़ा सामने आया है। भूकंप का केंद्र म्यांमार के दूसरे सबसे बड़े शहर मंडाले के पास था। झटकों के बाद कई आफ्टरशॉक्स (भूकंप के बाद के झटके) भी महसूस किए गए, जिनमें से एक की तीव्रता 6.4 मापी गई। मंडाले में भूकंप ने कई इमारतों को जमींदोज कर दिया, जिनमें शहर का एक प्रमुख मठ भी शामिल था। राजधानी नेपिटॉ में भी कई सरकारी कर्मचारियों के आवासीय भवन मलबे में तब्दील हो गए, जहां बचाव दल पीड़ितों को निकालने में जुटा हुआ है।

मस्क ने बढ़ाया मदद का हाथ स्टारलिंक किट की पेशकश की

एक्स के मालिक एलन मस्क ने भी मदद की पेशकश की है। मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि थाईलैंड और म्यांमार में भूकंप के कारण हुए नुकसान के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ। स्पेसएक्स की टीम संचार आवश्यकताओं और राहत प्रयासों में सहायता के लिए स्टारलिंक किट प्रदान करने के लिए तैयार है। स्टारलिंक एक सैटेलाइट कॉन्स्टेबुल सिस्टम है जिसका उद्देश्य वैश्विक इंटरनेट कवरेज देना है। यह सिस्टम ग्रामीण और भौगोलिक रूप से अलग-थलग क्षेत्रों के लिए आदर्श है जहां इंटरनेट कनेक्टिविटी न के बराबर होती है।

यूपी से म्यांमार जाएंगे फील्ड अस्पताल के 118 चिकित्साकर्मी

भूकंप की मार झेल रहे म्यांमार की मदद के लिए भारत ने ऑपरेशन ब्रह्मा शुरू किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि इस ऑपरेशन के तहत यूपी के आगरा से 118 सदस्यों वाला फील्ड अस्पताल म्यांमार जाएगा। भारतीय नौसेना के दो जहाज म्यांमार भेज दिए गए हैं। इसके अलावा आपदा राहत सामग्री के साथ दो और जहाज भेजे जाएंगे। भेजे जाने वाले विमानों की संख्या पांच हो गई है।

खून की भारी किल्लत

म्यांमार सरकार के अनुसार, सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में रक्तदान की अत्यधिक आवश्यकता है। अस्पतालों में खून की भारी कमी बताई जा रही है। आपदा में घायल लोगों से अस्पताल भरे पड़े हैं। म्यांमार ना इस आपदा में दवाओं और अन्य राहत सामाग्री की कमी से जूझ रहा है। सैन्य सरकार ने विदेशी सहायता स्वीकार करने की घोषणा की है, जबकि संयुक्त राष्ट्र ने प्रारंभिक राहत कार्यों के लिए 5 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सहायता राशि जारी की है। वहीं चीन और रूस ने म्यांमार में बचाव दल भेजे हैं, राष्ट्रपति ट्रंप ने भी अमेरिकी मदद की बात कही है।

सैंकड़ों लोग लापता

सैकड़ों लोग लापता बताए जा रहे हैं। वहीं इस भूकंप में अभी तक 2300 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं। 30 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं। राहत-बचाव कार्य तेजी से चल रहा है। बता दें कि शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे म्यामांर में भूकंप का पहला झटका महसूस किया गया था। इसके बाद 24 घंटे से भी कम समय में भूकंप के 15 झटके महसूस किए गए। शनिवार सुबह 11.54 बजे यहां एक बार फिर धरती कांपी, यह 15वां भूकंप था। 15वें भूकंप का केंद्र जमीन से 27 किमी गहराई में था। अचानक आई इस आपदा के बाद म्यांमार ने आपातकाल लगा दिया गया है। इस भंयकर भूकंप का असर सिर्फ म्यांमार पर ही नहीं बल्कि थाइलैंड, भारत, चीन नेपाल समेत पांच देशों में देखने को मिला है। उधर, थाईलैंड में करीब 10 लोगों की भूकंप से मौत हुई है।

भारत ने भेजे 80 एनडीआरएफ कर्मी, दल में खोजी कुत्ते भी

भारत भूकंप प्रभावित म्यांमार की मदद के लिए आगे आया है। देश ने राहत और बचाव कार्यों के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के 80 कर्मियों का दल म्यांमार भेजा है। इसमें खोजी कुत्ते भी शामिल हैं। अधिकारियों ने शनिवार को इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि यह कदम 'ऑपरेशन ब्रह्मा' के तहत उठाया गया है। इससे पहले भी भारत ने दो मौकों पर विदेश में एनडीआरएफ को तैनात किया है, इनमें 2015 में नेपाल भूकंप और 2023 में तुर्किये में आया भूकंप शामिल है। एनडीआरएफ कर्मियों को म्यांमार में सहायता प्रदान करने के लिए मजबूत कंक्रीट कटर, ड्रिल मशीन, हथौड़े आदि जैसे भूकंप बचाव उपकरणों के साथ तैनात किया जा रहा है। एक अधिकारी ने बताया, '80 एनडीआरएफ कर्मियों की एक टीम गाजियाबाद के हिंडन से भारतीय वायुसेना के दो विमानों में म्यांमार के लिए रवाना की गई है।

पीके तिवारी करेंगे टीम का नेतृत्व

गाजियाबाद में स्थित 8वीं एनडीआरएफ बटालियन के कमांडेंट पीके तिवारी शहरी खोज और बचाव (यूएसएआर) टीम का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने बताया कि एनडीआरएफ टीम अंतरराष्ट्रीय खोज एवं बचाव सलाहकार समूह (आईएनएसएआरजी) के मानदंडों के अनुसार म्यांमार में ढही संरचना की खोज एवं बचाव अभियान का काम करेगी। इसके लिए वह अपने साथ बचाव कुत्तों को भी साथ ले गई है।

खबर संक्षेप

डीसीपी डॉ. पठारे की कार एक्सीडेंट में मौत

हैदराबाद। मुंबई पुलिस के पोर्ट जोन के डीसीपी डॉक्टर सुधाकर

पठारे की कार एक्सीडेंट में मौत हो गई है। ये कार एक्सीडेंट हैदराबाद में हुआ है। बता दें कि सुधाकर पठारे ट्रेनिंग के लिए हैदराबाद गए थे। वह 2011 बैच के आईपीएस अधिकारी थे। एसपी नगर कुरनूल वैभव गायकवाड़ ने इस खबर की पुष्टि की है।

यमन में हूती विद्रोहियों पर हमला, एक की मौत

दुबई। यमन में शुक्रवार रातभर और शनिवार को हुए अमेरिकी हवाई

हमलों में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। हूती विद्रोहियों ने यह जानकारी दी। शनिवार को किए गए हमलों में अमेरिका ने यमन के उन कई क्षेत्रों को निशाना बनाया गया, जिन पर ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों का कब्जा है। इन क्षेत्रों में राजधानी सना, अल-जौफ तथा सादा प्रांत शामिल हैं।

नेपाल में राजशाही की मांग को लेकर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

100 से अधिक प्रदर्शनकारी गिरफ्तार, काठमांडू से हटा कर्फ्यू, पूर्व पीएम का 'पूर्व राजा' पर आरोप

एजेंसी ▶▶ काठमांडू

नेपाल में राजशाही की मांग को लेकर शुक्रवार को हुए हिंसक प्रदर्शन में दो लोगों की मौत हो गई। हिंसा को बढ़ावा देने, निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और आगजनी करने के आरोप में पुलिस ने 105 आंदोलनकारियों को गिरफ्तार किया है। वे राजतंत्र की बहाली और हिंदू राज्य की मांग कर रहे थे। इनमें राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के उपाध्यक्ष रबिंद्र मिश्र, जनरल सेक्रेटरी धवल शमशेर राणा शामिल हैं। इसके अलावा स्वागत नेपाल, शेफर्ड लिंबू और संतोष तमांग जैसे राजशाही का समर्थन करने वाले कार्यकर्ता समेत 17 अन्य नेता भी शामिल हैं। गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, प्रदर्शन के प्रमुख आयोजक नवराज सुबेदी को हाउस अरेस्ट में रखा गया है। वहीं, इस प्रदर्शन के चीफ कमांडर दुर्गा परसाई की तलाश की जा रही है। काठमांडू जिला पुलिस रेंज के पुलिस अधीक्षक अपिल बोहरा ने बताया कि प्रसाई अभी फरार है। अधिकारियों ने शनिवार को काठमांडू के पूर्वी हिस्से में तनाव कम होने के बाद कर्फ्यू हटा लिया।

पूर्व राजा को दी गई स्वतंत्रता को सीमित करें: दहल

नेपाल के पूर्व पीएम पुष्प कमल दहल ने पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह पर शुक्रवार को हिंसा भड़काने का आरोप लगाया है। शनिवार सुबह सोशलिस्ट फ्रंट के तोड़फोड़ वाले कार्यालय का दौरा करने वाले दहल ने सरकार से पूर्व राजा को दी गई स्वतंत्रता को सीमित करने का भी आह्वान किया। दहल ने कहा कि स्पष्ट हो गया है कि इन सभी कृत्यों के पीछे ज्ञानेंद्र शाह का हाथ है। उन्होंने कहा कि शाह की मंशा ठीक नहीं है। यह पहले भी देखा गया है और अब भी देखा जा रहा है। समय आ गया है कि सरकार सख्त कार्रवाई करे।

प्रदर्शनकारियों ने लगाई आग और फेंके पत्थर

बता दें, प्रदर्शन शुक्रवार को उस समय हिंसक हो गया जब आंदोलन के संयोजक दुर्गा प्रसाई सुरक्षा बैरिकेड तोड़कर संसद भवन की ओर बढ़ गए। 40 से ज्यादा नेपाली संगठनों के प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार को काठमांडू के तिनकुने में एक इमारत में तोड़फोड़ करने के बाद उसे आग के हवाले कर दिया था। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर भी फेंके, जिसके जवाब में सुरक्षाकर्मियों को आंसू गैस के गोले दागने पड़े।

सुवेदी कर रहे आंदोलन का नेतृत्व

आंदोलन का नेतृत्व नवराज सुवेदी कर रहे हैं। वे राज संस्था पुनर्स्थापना आंदोलन से जुड़े हुए हैं। इसका मकसद नेपाल में राजशाही को बहाल करना है। नेपाल की जनता देश में फैले भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और बार-बार सत्ता परिवर्तन से परेशान हो गई है। सुवेदी का नाम तब सुर्खियों में आया जब पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह ने उन्हें इस आंदोलन का नेतृत्व करने के लिए उनका नाम आगे बढ़ाया। नवराज सुबेदी ने कहा कि हम अपनी मांगें शांतिपूर्ण तरीके से रख रहे हैं, लेकिन अगर हमें सकारात्मक जवाब नहीं मिला तो हमें प्रदर्शन तेज करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। हमारा आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक कि हमारा मकसद पूरा नहीं हो जाता।

गृह युद्ध की साजिश का आरोप

बांग्लादेश में शेख हसीना समेत 73 के खिलाफ एफआईआर दर्ज

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश की अपदस्थ पीएम शेख हसीना के खिलाफ ढाका के मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में पुलिस ने मामला दर्ज कराया है। शेख हसीना के अलावा 72 अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। इन सभी पर बांग्लादेश में गृह युद्ध भड़काने और मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार को उखाड़ फेंकने की साजिश रचने का आरोप है। सत्ता से बेदखल होने के बाद से ही पूर्व पीएम हसीना पर सामूहिक हत्या और भ्रष्टाचार समेत 100 से अधिक मामले दर्ज हो चुके हैं। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने अंतरिम सरकार को गिराने की साजिश के आरोप में ढाका के मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत के आदेश पर मामला दर्ज किया है।

जॉय बांग्ला ब्रिगेड पर लगा आरोप

अदालत ने मामले का संज्ञान लिया और गुरुवार को सीआईडी को जांच शुरू करने को कहा। सीआईडी ने 19 दिसंबर 2024 को हुई एक ऑनलाइन बैठक की जानकारी मिलने के बाद मामला दर्ज किया है। आरोप है कि बैठक में शामिल लोगों ने 'जॉय बांग्ला ब्रिगेड' नामक एक मंच बनाया है। इसके माध्यम से गृह युद्ध भड़का कर हसीना को दोबारा सत्ता में लाने की योजना है।

बैठक में 577 लोग थे शामिल : पुलिस ने बताया कि बैठक में बांग्लादेश और विदेश से कुल 577 लोगों ने हिस्सा लिया था। अवामी लीग के अमेरिकी चैप्टर के उपाध्यक्ष आलम ने यह बैठक बुलाई थी। मामले में उन्हें दूसरे नंबर का आरोपित बनाया गया है। बैठक में सभी ने शेख हसीना के निर्देश का अनुसरण किया।

18 साल बाद मुनाफे में आई बीएसएनएल भरेगी नई उड़ान

लगा रही 1 लाख स्वदेशी 4जी टावर, जो बदल जाएंगे 5जी में

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत संचार निगम लिमिटेड यानी बीएसएनएल देशभर में ऐसे 1 लाख स्वदेशी 4जी मोबाइल टावर लगा रही है, जिन्हें 5जी में बदल दिया जाएगा। यह काम जून तक पूरा हो जाने की उम्मीद है। यह आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यह जानकारी दी है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत अब दुनिया के उन पांच देशों में शामिल हो गया है जिनके पास अपनी टेलीकॉम तकनीक है। उन्होंने कहा कि बीएसएनएल 18 साल बाद मुनाफे में आई है और सरकार 6जी तकनीक में भी आगे बढ़ने की योजना बना रही है।

इस साल जून तक यह काम हो जाएगा पूरा

6जी तकनीक में आगे बढ़ रही बीएसएनएल

अपनी टेलिकॉम तकनीक वाला पांचवा देश बना भारत

सिंधिया ने बताया कि दुनिया के सिर्फ चार देशों के पास अपनी टेलिकॉम तकनीक है। इनमें चीन, फिनलैंड, स्वीडन

और दक्षिण कोरिया शामिल हैं। भारत दुनिया का पांचवां देश बन गया है, जिसके पास खुद के टेलिकॉम स्टैक बनाने वाली कंपनियां हैं। उन्होंने बताया कि बीएसएनएल 18 साल बाद मुनाफे में आई है। कंपनी को पिछले साल अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 262 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ। वहीं, पिछले साल की तीसरी तिमाही में उसे 1262 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। लागत को 18 फीसदी तक कम किया है।

शुरू की डी2डी सैटेलाइट मैसेजिंग सेवाएं

सिंधिया ने बताया कि सरकार की ओर से डायरेक्ट-टू-डिवाइस डी2डी सैटेलाइट मैसेजिंग सेवाएं शुरू की गई हैं। इस तकनीक में स्मार्टफोन से तब भी मैसेज भेजे जा सकते हैं, जबकि वह नेटवर्क से कनेक्ट न हो। तब कनेक्टिविटी सीधे सैटेलाइट से मिलने लगती है न कि मोबाइल टावर से। उन्होंने कहा कि साल 2014 में देश में 90 करोड़ मोबाइल ग्राहक थे। आज यह संख्या 1.2 अरब से ज्यादा हैं। तब 25 करोड़ लोग इंटरनेट से जुड़े थे, लेकिन आज 97 करोड़ इंटरनेट यूजर्स हैं। 2014 में 6 करोड़ लोगों के पास ब्रॉडबैंड इंटरनेट था, यह संख्या आज 94 करोड़ पहुंच गई है।

ट्रंप बोलेः भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता के 'बहुत अच्छे परिणाम' मिलेंगे, मोदी बुद्धिमान नेता

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

पीएम नरेन्द्र मोदी को अपना 'अच्छा दोस्त' और 'बेहद बुद्धिमान व्यक्ति' करार देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और अमेरिका के बीच होने वाली व्यापार शुल्क वार्ता के 'बहुत अच्छे परिणाम' मिलने की उम्मीद जताई। अमेरिकी सामानों पर भारत और अन्य देशों द्वारा लगाये गये उच्च शुल्क की ट्रंप की ओर से की जा रही लगातार आलोचनाओं के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति की हालिया टिप्पणी बेहद महत्वपूर्ण है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी हाल ही में यहां आए थे और हम हमेशा से बहुत अच्छे मित्र रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे ज़्यादा शुल्क वसूलने वाले देशों में से एक है। यह क्रूर है। वे बहुत होशियार हैं। वह (मोदी) बहुत बुद्धिमान आदमी हैं और मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। हमारी बातचीत बहुत अच्छी रही। मुझे लगता है कि भारत और हमारे देश के बीच सब कुछ बहुत अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा कि और मैं कहना चाहता हूं कि आपके पास एक महान पीएम हैं।

व्यापार समझौते पर बातचीत पूरी

वहीं, भारत और अमेरिका के अधिकारियों ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत का एक दौर

शनिवार को पूरा कर लिया। सरकारी सूत्रों के अनुसार, वार्ता सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। इस बैठक में अमेरिका के अधिकारियों की टीम का नेतृत्व साउथ और सेंट्रल एशिया के लिए असिस्टेंट अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव ब्रेंडन लिंच ने किया।

दोनों देशों के व्यापार समझौते का लक्ष्य

भारत और अमेरिका इस समझौते का पहला चरण 2025 के सितंबर-अक्तूबर तक पूरा करने का लक्ष्य बना रहे हैं। दोनों देश 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर से अधिक करने की योजना पर काम कर रहे हैं। अमेरिका की मांग है कि औद्योगिक वस्त्र, ऑटोमोबाइल, पेट्रोकेमिकल, डेयरी, कृषि उत्पाद पर टैरिफ में कटौती की जाए। वहीं भारत की प्राथमिकताएं है कि टेक्सटाइल और अन्य श्रम-प्रधान उद्योगों के लिए टैरिफ में राहत मिले।

'मेगा वितरण' कार्यक्रम में लाभार्थियों को 16377 उपकरण, मशीन व टूलकिट का वितरण

- ग्रामोद्योग विकास योजना और खादी विकास योजना में 5 लाख से अधिक खादी कारीगर और लाभार्थी हुए लाभान्वित
- पीएमईजीपी योजना के तहत 14456 नई इकाइयों को 469 करोड़ रुपए की मार्जिन मनी सब्सिडी का संवितरण
- 159016 नए रोजगार का हुआ सृजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) भारत सरकार ने अपने केंद्रीय कार्यालय मुंबई में वर्चुअल माध्यम से अब तक का सबसे बड़ा और व्यापक 'मेगा वितरण' कार्यक्रम आयोजित किया। इसके तहत 5 लाख से अधिक खादी कारीगर, उद्यमी और लाभार्थी लाभान्वित हुए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि केवीआईसी अध्यक्ष मनोज कुमार ने वर्चुअल माध्यम से देशभर के लाखों कारीगरों को संबोधित किया।

'विकसित भारत' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान से जुड़ने की अपील

केवीआईसी अध्यक्ष मनोज कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से खादी और ग्रामोद्योग आयोग के उत्तर जोन के सदस्य नागेंद्र रघुवंशी, पूर्वी जोन के सदस्य मनोज कुमार सिंह, एमएसएमई मंत्रालय से संयुक्त सचिव (एआरआई) विपुल गोयल, आर्थिक सलहकार (एमएसएमई) सुश्री सिमी चौधरी और केंद्रीय कार्यालय, केवीआईसी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साथ आयोग के देश भर के क्षेत्रीय कार्यालय से अधिकारी व कर्मचारी गण उपस्थित

44 नवीनीकृत खादी भवनों और 750 खादी वर्कशेड का उद्घाटन

कार्यक्रम में ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत देशभर के सभी 6 जोन (पूर्वी जोन, पश्चिमी जोन, उत्तर जोन, दक्षिण जोन, मध्य जोन और पूर्वोत्तर जोन) के राज्य और मंडलीय कार्यालयों से संबद्ध लाभार्थियों को 16377 उपकरण, मशीन व टूलकिट का वितरण किया गया। खादी विकास योजना के तहत 44 नवीनीकृत खादी भवनों और 750 खादी वर्कशेड का उद्घाटन भी किया गया। इस मौके पर प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश भर में 14456 पीएमईजीपी इकाइयों को 1399.13 करोड़ रुपए के स्वीकृत ऋण पर 469 करोड़ रुपए मार्जिन मनी सब्सिडी का संवितरण किया गया। इसमें 159016 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। 5000 नई पीएमईजीपी इकाइयों का भी ऑनलाइन उद्घाटन भी किया। वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 58850 लाभार्थियों को 2175 करोड़ रुपए की मार्जिन का संवितरण किया गया, जिससे 64,73,50 रोजगार सृजित हुए।

अब तक के सबसे व्यापक और वृहद टूलकिट वितरण कार्यक्रम आयोजित

वर्चुअल माध्यम से कुल 16,377 टूलकिट और उपकरणों का वितरण किया गया, जिसमें 3,950 बी-बॉक्स, 7,067 विद्युत चालित चाक, 1,350 चर्म उत्पाद मरम्मत टूलकिट, 390 जूता निर्माण उपकरण, 420 इलेक्ट्रिशियन टूलकिट, 80 एसी मरम्मत टूलकिट, 300 प्लंबर टूलकिट, 60 मोबाइल रिपेयरिंग टूलकिट, 971 सिलाई मशीनें, 278 हैंडमेड पेपर मेकिंग मशीनें, 349 स्वचालित अगरबत्ती मेकिंग मशीनें, 60 पैडल चालित अगरबत्ती मेकिंग मशीनें, 320 टर्नवुड मशीनें, 180 वुडन टॉय मेकिंग मशीनें, 460 वेस्टवुड क्राफ्ट मशीनें और 292 कृषि आधारित खाद्य प्रसंस्करण मशीनें शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त पेयजल व्यवस्था की जाए

20 शासकीय सेवकों के विरुद्ध निलंबन और नोटिस जारी करने की होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समाधान ऑनलाइन में आए विभिन्न प्रकरणों में लापरवाही बरतने वाले 20 अधिकारी-कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने पेयजल प्रदाय में अव्यवस्था के दोषी ठेकेदार को अर्थदंड से दंडित किया गया। शुक्रवार को समाधान ऑनलाइन में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज प्रकरणों में से ऐसे प्रकरणों का समाधान किया गया, जिनका 8लंबे समय से समाधान लंबित था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समाधान ऑनलाइन में शुक्रवार को पेयजल व्यवस्था से संबंधित 3 प्रकरणों में दोषी व्यक्तियों को दंडित करने का निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस भी जिले में पेयजल की व्यवस्था से जुड़ी शिकायतें प्राप्त होंगी, वहां संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध सख्त कदम उठाए जाएंगे। सीहोर जिले के भंवर सिंह पटेल ने ग्राम पंचायत बरखेड़ी में पानी न पहुंच पाने की शिकायत की। अपर मुख्य सचिव संजय शुक्ला ने बताया कि ठेकेदार फर्म मे. विश्वा पर 37 हजार 469 की शास्ति अधिरोपित की गई है। मुख्य सचिव अनुराग जैन, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी समाधान ऑनलाइन में उपस्थित थे।

समाधान ऑनलाइन में लंबित समस्याओं का हुआ समाधान

पेयजल में दोषी ठेकेदार को जुर्माने से दंडित किया गया

नल-जल योजना में देरी करने वालों के विरुद्ध एक्शन

नल जल योजना के क्रियान्वयन में आ रही तकनीकी दिक्कतों को दूर कर घरेलू नल कनेक्शनों में जलापूर्ति प्रारंभ करवा दी गई है। मऊगंज के शिकायतकर्त सुनील कुमार साहू की डेढ़ वर्ष से पाइप लाइन के टूट जाने से जल प्रदाय में आ रही दिक्कत को दूर कर दिया गया है। इस प्रकरण में फील्ड इंजीनियर की सेवाएं समाप्त की गई है। शिकायत का निराकरण समय पर न करने के लिए उत्तरदायी मुख्य नगर पालिका अधिकारी मप्र अर्बन डेवलपमेंट कार्पोरेशन के उपयंत्री, परियोजना प्रबंधक और सहायक परियोजना प्रबंधक को नोटिस जारी किए गए हैं।

सहायक यंत्री की दो दो वेतनवृद्धि रोकने के निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा जिले की दुर्गाबाई विश्वकर्मा ने कूप निर्माण के लिए समय पर कार्रवाई न करने के मामले में जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और सहायक यंत्री की दो-दो वेतनवृद्धि रोकने संबंधी कारण बताओ नोटिस जारी किए गया है। गंभीर लापरवाही के दोषी ग्राम रोजगार सहायक को सेवा समाप्ति के लिए नोटिस जारी किया गया। सचिव ग्राम पंचायत को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। शिकायत कर्ता को कूप निर्माण के लिए 72 हजार 372 रुपए का भुगतान करवा दिया गया है।

कलमे दंपती को एक लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की

खंडवा जिले के दिनेश कलमे ने नि:शक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजना में राशि मिलने में हुई देरी की शिकायत की। समाधान ऑनलाइन में यह मामले आने के बाद कलमे दंपती को एक लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी गई। लापरवाही बरतने पर सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक, जिला कोषालय अधिकारी और नि:शक्त कल्याण शाखा के प्रभारी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए हैं। सामाजिक सुरक्षा अधिकारी जनपद पंचायत खालवा को भी कारण बताओ नोटिस दिया गया है। विदिशा के रोहित रैकवार द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में की गई शिकायत का पर समाधान किया गया।

इन्हें भी मिली सहूलियतें

रीवा जिले के घनानंद द्विवेदी के आवेदन पर 20 हजार रुपए की राशि प्रदान करने के निर्देश दिए। आकाशीय बिजली गिरने से पशुधन हानि हुई थी। विलंब पर नायब नाजिर को निलंबित कर दिया गया है। तहसीलदार को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। रमेश जाटव को मकान की किस्त, राकेश रिछारिया को आयुष्मान योजना की राशि और आशाराम लोधी को गौ-संवर्धन योजना में लाभ मिला।

- ग्वालियर के रमेश जाटव की आवास योजना की राशि न मिलने के संबंध में कलेक्टर ग्वालियर को परीक्षण कर दोषी कर्मचारियों को दंडित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने गलत जानकारी दर्ज करने के दोषी सीएमओ को कारण बताओ नोटिस दिया। गया है। छतरपुर के राकेश कुमार रिछारिया को समाधान ऑनलाइन के माध्यम से आयुष्मान भारत योजना में 26 हजार 747 रुपए की राशि का भुगतान हो गया है। अस्पताल पर तीन गुना अर्थदंड 80 हजार 241 रुपए अधिरोपित किया गया।
- समाधान ऑनलाइन में गुना जिले से मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना (संबल) के तहत पात्रता के अनुसार प्रसूति सहायता न मिलने का आवेदन आया था। राशि प्रदान कर दी गई है। विलंब के दोषी मेटरनिटी वार्ड इंचार्ज, मेटरनिटी विंग डाटा एंट्री ऑपरेटर, तत्कालीन सीएम हेल्पलाइन डाटा एंट्री ऑपरेटर, लेखापाल जिला चिकित्सालय गुना को 7-7 दिन के मानदेय, वेतन कटौती का दंड दिया गया। आरएमओ जिला चिकित्सालय गुना, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय गुना और संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं ग्वालियर संभाग को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्धन वर्ग के व्यक्तियों को इस तरह से परेशान होना पड़े। यह अनुचित ही नहीं अपराध भी है। प्रकरणों में दोषी व्यक्तियों को बख्शा नहीं जाएगा।

मप्र में बेरोजगार युवा अब कहलाएंगे आकांक्षी युवा

- स्वावलंबी और उद्यमशील बनेंगे प्रदेश के 'आकांक्षी युवा'
- मप्र है सबसे तेज गति से विकास करने वाला राज्य
- प्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद 15 लाख करोड़ रुपए, वार्षिक विकास दर 12 प्रतिशत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बेरोजगारी केवल सरकारी नौकरियों से दूर नहीं होगी। 145 करोड़ जनसंख्या वाले भारत देश में सरकारी नौकरियों का अनुपात एक प्रतिशत से अधिक नहीं है। देश के सबसे बड़े नियोजक सशस्त्र बल में भी थल, जल और वायु सेना में सम्मिलित रूप से केवल 13.5 लाख व्यक्ति ही नियोजित हैं।

उन्होंने कहा कि आकांक्षी युवाओं को स्वावलंबन और उद्यमशीलता के माध्यम से रोजगार से जोड़ने के प्रयास किया जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बेरोजगार युवाओं को अब 'आकांक्षी युवा' कहा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के माध्यम से प्रदेश को 30 लाख करोड़ रुपए से अधिक के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनके आधार पर 21 लाख युवाओं को रोजगार प्राप्त हो सकेगा। कृषि, पशुपालन तथा हुनर आधारित उद्यमों में भी प्रदेश के युवाओं को नियोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मप्र देश में सबसे तेज गति से विकास करने वाला राज्य है, जिसका उन्हें गर्व है। वर्तमान में प्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद 15 लाख करोड़ रुपए है और वार्षिक विकास दर 12% है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2002-03 में प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 11 हजार रुपए थी, जो अब बढ़कर 1 लाख 52 हजार रुपए हो गई है। वर्ष 2002-03 में प्रदेश का सिंचित रकबा 7 लाख हेक्टेयर था जो अब बढ़कर 55 लाख हेक्टेयर हो चुका है, प्रदेश सरकार इसे बढ़ाकर एक करोड़ हेक्टेयर तक ले जाने के लिए प्रयासरत है। प्रदेश का वर्तमान बजट 4 लाख 21 हजार करोड़ रुपए है, जिसका केवल 10% ही मार्केट से पूंजीगत निवेश के लिए उधार लिया गया है।

अवैध निर्माण पर की जाती है नियमानुसार काईवाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में बुलडोजर के माध्यम से न्याय करने का कोई प्रावधान नहीं है। परंतु अवैध निर्माण पर स्थानीय निकायों द्वारा नियमानुसार काईवाई अवश्य की जाती है। उन्होंने बताया कि प्रशासन का लक्ष्य है कि प्रदेश में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो, लेकिन ऐसी किसी स्थिति में तत्परता के साथ उसका निराकरण कर उदाहरण स्थापित किया जाता है। प्रदेश में खाद्य सुरक्षा कानून के अंतर्गत खुले में मांस अथवा अन्य खाद्य सामग्री का विक्रय नियमानुसार किया जा रहा है। प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने पर उत्तराखंड और अन्य राज्यों के प्रयोग देखकर निर्णय लिया जाएगा।

आदिवासी बच्चों से काम करवाने का आरोप, पति पूर्व में हो चुका गिरफ्तार

दस सालों से फरार महिला आरोपी को पुलिस ने पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पुलिस ने 10 साल से फरार महिला आरोपी को गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार की है। शहर के थाना कबीर नगर क्षेत्रांतर्गत में आरोपी अपने पति के साथ मिलकर आदिवासी बच्चों से काम करवाती थी। मामले में पति को आजीवन कारावास की सजा मिली है। वहीं अब फरार महिला आरोपी भी पुलिस के गिरफ्त में है।

सन 2014-15 में जवाहर उत्कर्ष योजना के तहत जिला कांकेर के तीन आदिवासी बच्चों का चयन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए किया गया था, आरोपी सतीश शर्मा ने बस्तर मित्र फाउंडेशन के नाम से झूठी जानकारी देकर रजिस्ट्रार फॉर्म और संस्थाएं इंद्रावती भवन नया रायपुर से रजिस्ट्रेशन करवा कर वेदांता इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल का प्रमाणीकरण शिक्षा विभाग से करवाकर आदीम जाति एवं अनुसूचित जाति के आदिवासी क्षेत्र के छात्रों को उत्कर्ष विद्यार्थी योजना/जवाहर उत्कर्ष योजना के तहत प्राप्त कर अपने निवास कबीर नगर फेस 4 में आरोपी अपनी पत्नी बिनीता शर्मा के साथ रहते थे। पति पत्नी मिलकर आदिवासी बच्चों को घरेलू काम झाड़ू पोछा बर्तन गाड़ी धोना हाथ पैर दबाना पूरे समय घर का काम करवाना फोन आने पर बात नहीं करवाना फोन आने की जानकारी भी संबंधित बच्चे को नहीं दिया जाता था। प्रार्थी कि रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही थी। इस दौरान आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

सोशल मीडिया पर हुआ था वायरल, घटना को लेकर मांगी माफी

बाइक राइडर पर घातक स्टंट करने को लेकर जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

यातायात पुलिस की ओर से स्टंट और स्पीड बाइकर्स लगातार कार्रवाई की जा रही है। नवा रायपुर में लगाए गये कैमरों से निगरानी की जा रही है। स्पीड बाइकर्स का स्पीड से चलाने पर प्रतिदिन ई-चालान बन रहा है। रायपुर पुलिस की ओर से नवा रायपुर क्षेत्र में बाइकर्स गैंग जान जोखिम में डालते हुए स्टंट करते हुए करतब दिखाने, कलाबाजी करने पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है।

सोशल मीडिया में वायरल वीडियो के आधार पर भी वाहन मालिक को तलब कर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 27 मार्च को सोशल मीडिया के माध्यम से दोपहिया सीडी डीलक्स चालक द्वारा बाइक लहराने व वाहन में सोकर वाहन चलाने का वीडियो प्रसारित किया गया था। सोशल मीडिया में वायरल वीडियो प्राप्त होने पर बाइक के नंबर के

आधार पर चालक खेलू विश्वकर्मा को नोटिस भेजकर तलब किया गया। वाहन चालक 19 वर्षीय मोहन विश्वकर्मा गाड़ी मालिक का भतीजा था जो वाहन की चाबी निकालकर बिना सूचना दिये नवा रायपुर की सड़कों पर घुमने चला गया था। वाहन के दस्तावेजों और चालक के लायसेंस की जांच की गयी। वाहन चालक के पास लायसेंस नहीं था। वाहन में बीमा कागजात नहीं होने, बिना लायसेंस वाले व्यक्ति को वाहन चलाने देने के कारण वाहन मालिक के विरूद्ध भी मोटरयान की धारा 5/180 जोड़कर लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने के कारण वाहन चालक मोहन विश्वकर्मा के विरूद्ध मोटरयान अधिनियम की धारा 184, 3/181, 5/180 एवं 146/196 के तहत कार्यवाही करते हुए 6000 रूपये समन शुल्क परिसमन किया गया। चालानी कार्यवाही कर मोहन विश्वकर्मा एवं उनके चाचा वाहन स्वामी खेलू विश्वकर्मा को समझाईश दिया कि भविष्य में ऐसा न करें। बता दें कि यातायात पुलिस द्वारा नवा रायपुर की सड़कों पर स्पीड में चलने वालें बाइकर्स पर कैमरों से निगरानी रखी जा रही है तथा प्रतिदिन ऐसे बाइकर्स जो हाई स्पीड से वाहन चलाते हैं उनका ई-चालान भी जारी किया जा रहा है। साल 2025 के लगभग तीन माह में 135 से अधिक स्पीड बाईकर्स द्वारा स्पीड में वाहन चलाने का ई-चालान किया गया है।

खतरनाक हथियार बरामद, 4 जवान भी घायल, मृतक नक्सलियों की पहचान जारी

जगदीश नक्सलियों के दरभा का इंचार्ज था

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, इनामी नक्सली भी ढेर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

छत्तीसगढ़ के सुकमा में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में 17 नक्सली मारे गए। झीरमकांड में शामिल खूंखार नक्सली जगदीश भी इस मुठभेड़ में मारा गया। जगदीश नक्सलियों के दरभा डिवीजन का इंचार्ज था, इस पर 25 लाख रुपये का इनाम था। सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के पास से आधुनिक हथियार बरामद किए हैं। सुकमा-दंतेवाड़ा सीमा पर उपमपल्ली केरलापाल इलाके के जंगल में यह मुठभेड़ हुई।

सुरक्षाबलों की एक टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी, तभी यह मुठभेड़ हुई। केरलापाल क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर शुक्रवार रात को यह अभियान शुरू किया गया था। इस अभियान में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान शामिल थे।

चार साल में पहली बार नक्सलियों को घेरकर मारा

जवानों ने जहां ऑपरेशन चलाया वो पूरा इलाका पहाड़ों से घिरा हुआ है। इस ऑपरेशन की अहमियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि चार साल में इस इलाकों में पहली बार सुरक्षाबलों ने नक्सलियों को घेर कर मारा है। जवानों की टीम को बड़े नक्सली लीडर जगदीश के होने की सूचना मिली थी। इसके बाद फोर्स ऑपरेशन के लिए निकली जवानों को इनपुट मिला था कि करीब 25 नक्सलियों की टीम इलाके में है। इसके बाद गोगुंडा पहाड़ी को जवानों ने घेर लिया और मुठभेड़ में 17 नक्सलियों का मार गिराया।

11 महिला नक्सलियों सहित 17 शव बरामद

मुठभेड़ में 11 महिला नक्सलियों सहित कुल 17 नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। मुठभेड़ स्थल से 10 एके-47, एसएलआर, इंसास राइफल, .303 राइफल, रॉकेट लांचर, बीजीएल लांचर हथियार समेत विस्फोटक पदार्थ बरामद हुआ है। मुठभेड़ में मारे गए 07 नक्सलियों की पहचान हुई है। अन्य नक्सलियों की पहचान की जा रही है। मुठभेड़ में डीआरजी सुकमा के तीन व सीआरपीएफ के एक जवान कुल 04 कुल घायल हो गए।

आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान

सुकमा पुलिस ने बताया कि केरलापाल क्षेत्र में नक्सलियों की सूचना पर 28 मार्च को डीआरजी और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। अभियान के दौरान सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ स्थल और आसपास के इलाकों में सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान जवानों ने नक्सलियों को चारों तरफ से घेर लिया।

गृहमंत्री ने नक्सलियों को दी चेतावनी सरेंडर करें अन्यथा परिणाम भुगतें

छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा ने सुकमा नक्सली मुठभेड़ में मारे गये 17 नक्सलियों के मामले में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी के छत्तीसगढ़ दौरे से एक दिन पहले एक बार फिर नक्सलियों से अपील करते हुए कहा कि नक्सली मुख्यधारा में शामिल होने के लिये सरेंडर करें। ऐसा नहीं करने पर वो अंजाम भुगतने के लिये तैयार रहे। उन्होंने कहा कि 85 दिन में 133 नक्सली मारने का प्रतिदिन का संकल्प है। इस एनकाउंटर में कुल दो जवान घायल हुए हैं और दोनों खतरे से बाहर है। गृहमंत्री शर्मा ने कहा कि हमें अपने जवानों की भुजाओं के बल पर सुकमा में बड़ी सफलता मिली है। 17 नक्सलियों को मारने में सफलता मिली है। सभी के शव बरामद कर लिये गये हैं। मौके से भारी मात्रा में एके 47, एसएलआर, इंसास राइफल, 303 राइफल, रॉकेट लॉन्चर, बीजीएल लॉन्चर हथियार समेत कई विस्फोटक पदार्थ बरामद किया गया है।

राजशाही और हिंदू राष्ट्र की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे लोग

नेपाल में उबाल... कई इलाकों में कर्फ्यू, सड़कों पर सेना तैनात

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू में शुक्रवार को सुरक्षाबलों और राजशाही समर्थकों के बीच झड़प हुई है। ये तब हुआ, जब राजशाही और हिंदू राष्ट्र बहाली की मांग के लिए प्रदर्शन कर रहे लोग और पुलिसकर्मी आमने-सामने हो गए। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस और रबर की गोलियां चलाईं। वहीं प्रदर्शनकारियों ने कई घरों, इमारतों और वाहनों में आगजनी की है। बिगड़ी स्थिति के बाद तिंकुने, सिनामंगल और कोटेश्वर इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है।

ऐसे बिगड़े हालात

स्थानीय मीडिया के मुताबिक, शुक्रवार को हालात तब बिगड़ना शुरू हुए, जब प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा घेरा तोड़ने की कोशिश करते हुए पुलिस पर पत्थर फेंके। इसके जवाब में सुरक्षाबलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया। इससे भड़के प्रदर्शनकारियों ने एक बिजनेस कॉम्प्लेक्स, शॉपिंग मॉल, एक राजनीतिक पार्टी के मुख्यालय और एक मीडिया हाउस की इमारत में आग लगा दी। इस घटना में 12 से ज्यादा पुलिस अधिकारी घायल हुए हैं।

'राजा आओ, देश बचाओ' : काठमांडू में राजशाही समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) और अन्य कई समूह शुक्रवार के इस प्रदर्शन में शामिल हुए। ये लोग राजशाही समर्थक नेपाल के राष्ट्रीय झंडे लहरा रहे थे। इन हाथों में पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह की तस्वीरें थीं। ये लोग 'राजा आओ, देश बचाओ', और 'हमें राजशाही वापस चाहिए' जैसे नारे लगा रहे थे। काठमांडू में तनाव की स्थिति को देखते हुए विशेष बलों को तैनात किया गया है। कई लोगों को हिरासत में लिया गया है।

2008 में हुई थी राजशाही समाप्त

नेपाल ने 2008 में एक संसदीय घोषणा के माध्यम से अपनी 240 साल पुरानी राजशाही को समाप्त कर दिया था। इसके बाद नेपाल को हिंदू राष्ट्र की बजाय एक धर्मनिरपेक्ष, संघीय, लोकतांत्रिक गणराज्य में बदल दिया गया। हालिया महीनों में देश में कुछ संगठन फिर से राजतंत्र की वापसी की मांग कर रहे हैं। खासतौर से पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह की ओर से लोकतंत्र दिवस, 19 फरवरी को एक वीडियो संदेश में सार्वजनिक समर्थन की अपील के बाद राजशाही की बहाली की मांग उठी है।

राजशाही समर्थन की बढ़ती लहर

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि नेपाल में हिंदू राजशाही की बहाली की मांग को लेकर एक मजबूत आंदोलन आकार ले रहा है। इसका मुख्य कारण भ्रष्टाचार और आर्थिक गिरावट को लेकर जनता में बढ़ती निराशा है। नेपाल में 2008 के बाद से 13 सरकारें बदल चुकी हैं, लेकिन राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है।

खबर संक्षेप

'संविधान सुरक्षा सम्मेलन' में शामिल होंगे राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 7 अप्रैल को बिहार आ रहे हैं। पटना के एसकेएम हॉल में पार्टी की ओर से आयोजित 'संविधान सुरक्षा सम्मेलन' में शामिल होंगे। राहुल गांधी का इस साल ये तीसरा दौरा है। इससे पहले 18 जनवरी और 5 फरवरी को पटना पहुंचे थे। चुनावी साल में राहुल के दौरे का काफी अहम माना जा रहा है। 18 जनवरी और 5 फरवरी के बिहार दौरे के बाद प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष को बदल दिया था।

एक्टर तलपड़े के खिलाफ हुई एफआईआर दर्ज

मुंबई। मशहूर बॉलीवुड अभिनेता श्रेयस तलपड़े के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज हुआ है। उत्तर प्रदेश के महोबा में श्रेयस सहित 15 लोगों के खिलाफ ठगी का मुकदमा दर्ज हुआ है। एक्टर पर आरोप लगा है कि उन्होंने चिट फंड कंपनी के नाम पर करोड़ों रुपयों की धोखाधड़ी की है।

भड़काऊ कविता मामले में प्रतापगढ़ी की जीत

नई दिल्ली। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी को शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है।। कोर्ट ने कांग्रेस सांसद के खिलाफ गुजरात में दर्ज एफआईआर को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति अभय ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कांग्रेस सांसद ने जो किया वो कोई अपराध नहीं है।

कोलकाता रेप-मर्डर पर सवाल पूछे बनर्जी बोलीं- यहां राजनीति नहीं करो

ऑक्सफोर्ड में ममता का विरोध छात्रों ने लगाए गो बैक के नारे

एजेंसी ▶▶ लंदन

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के केलॉग कॉलेज में गुरुवार को भाषण के दौरान विरोध का सामना करना पड़ा। कुछ प्रदर्शनकारियों ने बंगाल में हुई हिंसा, आरजी कर कॉलेज रेप-मर्डर केस और संदेशखाली में महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर सवाल उठाए। स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के छात्र नेताओं ने 'गो बैक' के नारे लगाए और आरजी कर मेडिकल कॉलेज से जुड़े मुद्दे पर सवाल किए। छात्रों के हंगामे के बीच ममता बनर्जी ने कहा कि आरजी कर का मामला अदालत में है और यह केस केंद्र सरकार के पास है। इसलिए इस मसले पर राजनीति न करें। आप मेरे राज्य में आकर राजनीति कर सकते हैं, यहां नहीं। क्योंकि, यह कोई राजनीतिक मंच नहीं है? इस दौरान ममता बनर्जी ने भीड़ की तरफ एक तस्वीर भी दिखाई और कहा, देखिए कैसे मुझे मारने की कोशिश की गई थी।

'आप मेरा नहीं, संस्थान का अपमान कर रहे हैं'

ममता बनर्जी ने हंगामे के बीच कहा कि मुझे बोलने का मौका दें। उन्होंने कहा, 'आप मुझे बोलने दें, यह आप मेरा नहीं अपने संस्थान का अपमान कर रहे हैं। ये लोग हर जगह ऐसा करते हैं, जहां भी मैं जाती हूं। मैं हर धर्म का समर्थन करती हूं। आप लोग जो कर रहे हैं ये सही नहीं है।' जब कुछ दर्शकों ने 'गो अवे' का नारा लगाया तो ममता बनर्जी ने कहा, 'दीदी को कोई फर्क नहीं पड़ता। दीदी साल में दो बार आएगी और रॉयल बंगाल टाइगर्स की तरह लड़ेगी।

31 मार्च को रहेगी चेक की विशेष क्लीयरिंग व्यवस्था

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के समापन के मद्देनजर केंद्र एवं राज्य सरकारों के लेन-देन के सुचारू निपटान को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 31 मार्च को विशेष क्लियरिंग व्यवस्था किये जाने का निर्णय लिया है। आरबीआई ने शुक्रवार को सभी बैंकों निर्देश दिया है कि यह विशेष क्लीयरिंग केवल सरकारी चेक के लिए होगी।

एलआईसी के सभी कार्यालय आज से 31 तक खुले रहेंगे

भोपाल। पॉलिसीधारकों को किसी भी कठिनाई से बचाने के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम के क्षेत्रीय और मंडल कार्यालयों के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत कार्यालय 29 से 31 मार्च 2025 को आधिकारिक कार्य समय के अनुसार सामान्य परिचालन के लिए खुले रखे जाएंगे।

ग्रेटर नोएडा के पांच मंजिला गर्ल्स हॉस्टल में लगी आग

जान बचाने के लिए दूसरी मंजिल से कूदीं छात्राएं

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क स्थित अन्नपूर्णा गर्ल्स हॉस्टल में गुरुवार शाम को एसी का कम्प्रेसर फटने से भीषण आग लग गई। आग का धुआं पूरी इमारत में भर गया। इससे हॉस्टल के अंदर फंसी छात्राओं में चीख-पुकार मच गई। इस दौरान कुछ छात्राएं जान बचाने को बालकनी के सहारे बिल्डिंग से नीचे कूदती देखी गईं। इस घटना के वीडियो सोशल मीडिया में भी वायरल हो रहे हैं। आग की सूचना के बाद पहुंची दमकल विभाग की टीम ने अंदर फंसी 160 छात्राओं को सुरक्षित बाहर निकालकर करीब एक घंटे में आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि आग लगने के बाद दूसरी मंजिल पर कमरे में फंसी एक छात्रा ने जान बचाने के लिए ऊपर से छलांग लगा दी। इस घटना में छात्रा को चोट आई है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, पुलिस और फायर विभाग ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

केंद्र सरकार ने चने पर लगाया 10 फीसदी आयात शुल्क

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चना की कीमतों में आ रही गिरावट और भारी आयात को देखते हुए केंद्र सरकार ने इस पर 10 फीसदी का आयात शुल्क लगा दिया है। जिससे चना किसानों को इसका वाजिब दाम मिल सके। इस साल चना का उत्पादन भी अच्छा है। इन हालात में चना के दाम गिर रहे हैं। महीने भर में चना के दाम 400 से 500 रुपए घटकर 5,600 से 5,650 रुपए प्रति क्विंटल रह गए हैं। ऐसे में चना पर आयात शुल्क लगने से इसकी कीमतों को समर्थन मिल सकता है। केंद्र सरकार ने इस रबी सीजन में 27.99 लाख टन चना न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने को भी मंजूरी दी है। केंद्र सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक देसी चना (बंगाल ग्राम) पर 10 फीसदी आयात शुल्क लगाया गया है। यह शुल्क एक अप्रैल से लागू होगा।

आवश्यकता

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें:-9202613238 (रायपुर /14/अप्रैल 25)

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं वर्गीकृत क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला, सीसीपीए के नियमों को ठहराया

होटल- रेस्टोरेंट अपने बिल में नहीं लगा सकते सर्विस चार्ज

रेस्टोरेंट एसोसिएशन पर लगाया 1 लाख रुपए का जुर्माना भी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को एक बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि होटल और रेस्टोरेंट अपने बिल में अपने आप सर्विस चार्ज नहीं लगा सकते। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) के नियमों को सही ठहराते हुए कोर्ट ने कहा कि ऐसा करना गलत है। इससे ग्राहकों के हक मारे जाते हैं और यह गलत तरीके से व्यापार करने जैसा है। जस्टिस प्रतिभा एम सिंह ने कहा कि सर्विस चार्ज या टिप देना ग्राहक की मर्जी है। इसे जबरदस्ती नहीं वसूला जा सकता।

दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी (सीसीपीए) की 2022 में जारी गाइडलाइन यानी दिशा-निर्देशों को बरकरार रखा है। इस गाइडलाइन में कहा गया है कि होटल और रेस्टोरेंट फूड बिल में ऑटोमेटिक या डिफॉल्ट सर्विस चार्ज नहीं जोड़ सकते हैं। जस्टिस प्रतिभा एम सिंह ने दिशानिर्देश को चुनौती देने वाले रेस्टोरेंट एसोसिएशन पर 1 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

गाइडलाइंस पर हाईकोर्ट ने रोक

यह आदेश नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) और फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएचआरएआई) की याचिकाओं पर पारित किया गया था। इन दिशा-निर्देशों पर 20 जुलाई 2022 को हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी। सीसीपीए ने अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस और कंज्यूमर राइट्स के वायलेशन यानी उल्लंघन को रोकने के उद्देश्य से दिशानिर्देश जारी किए थे।

ऐसा कोई कानून नहीं, जो रेस्टोरेंट को सर्विस चार्ज लगाने से रोके: एनआरएआई

एनआरएआई की याचिका में कहा गया है कि ऐसा कोई कानून नहीं है जो रेस्टोरेंट को सर्विस चार्ज लगाने से रोकता हो। तथा मौजूदा कानून में ऐसा कोई संशोधन नहीं किया गया है जो सर्विस चार्ज लगाना अवैध ठहराए। याचिकाकर्ता-एसोसिएशन ने तर्क दिया कि दिशा-निर्देश मनमाने, अस्थिर हैं और उन्हें रद्द किया जाना चाहिए।

यह होता है सर्विस चार्ज

जब आप किसी प्रोडक्ट या सर्विस को खरीदते हैं तो उसके लिए कुछ पैसे देने पड़ते हैं। इसे ही सर्विस चार्ज कहते हैं। यानी होटल या रेस्टोरेंट में खाना परोसने और दूसरी सेवाओं के लिए ग्राहक से सर्विस चार्ज लिया जाता है।

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

वैवाहिकी
वधु चाहिए

वधु चाहिए
उम्र 39 वर्ष 5'-5"
स्वयं का बिजनेस
इंकम 20000
जाति महार
हेतु वधु चाहिए
पता ओम नगर
जरहाभाठा बिलासपुर
7999764615

वधु चाहिए- अग्रवाल युवक उम्र 25 वर्ष रंग गोरा इकलौता स्वंय का घर ऊंचाई 5फीट 5" शुद्ध शाकाहारी हेतु शाकाहारी वधु चाहिए। व्यवसाय स्वयं का व्यवसाय है। जाति बंधन नही शादी मन्दिर में करना है दहेज नही चाहिए मों. 7049784336 (7067)

राशिफल

मेष किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती

मिथुन आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय

धनु आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

शब्द पहेली - 5820

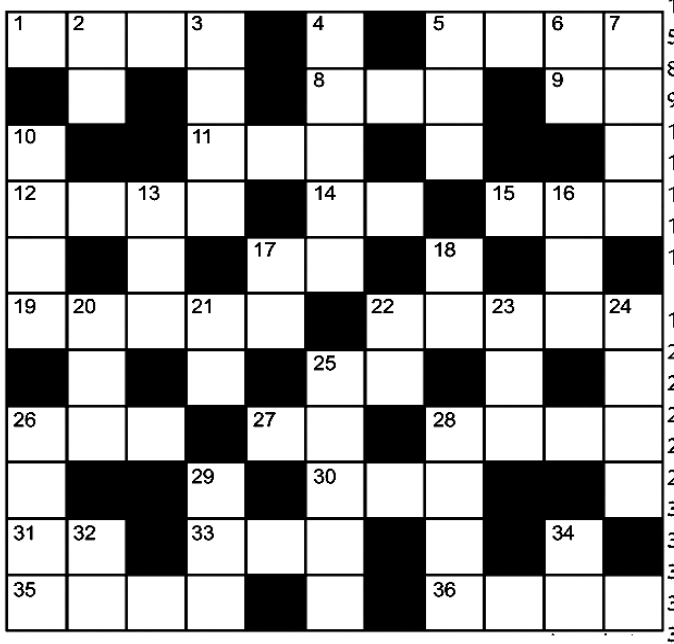

बाएँ से दाएँ
1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना, धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

ऊपर से नीचे
2.उद्देश्य, गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र, बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान, जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह, जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

शब्द पहेली- 5819 का हल

■	त	था	क	थि	त	■	क	या	म	त
ना	प	■	ह	■	र	का	बी	■	त	र
मु	■	त	वा	य	फ	■	ला	वा	■	खा
ना	पा	क	■	■	दा	नी	■	दा	म	न
सि	■	दी	■	प	र	■	सा	■	हि	■
ब	ह	र	हा	ल	■	नि	रा	ला	प	न
■	र	■	नि	■	आ	शा	■	ज	■	ज
अ	म	र	■	अ	तं	■	■	वा	न	र
मा	■	मा	न	■	क	र	त	ब	■	बं
न	या	■	ज	ल	वा	■	ना	■	क	द
त	क	दी	र	■	द	शा	व	ता	र	■

सूडोकु नवताल - 5830

★★★★☆ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल - 5829 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और हरियाणा से एक साथ प्रकाशित
जबलपुर, रविवार 30 मार्च 2025

अप्रैल फूल-डे स्पेशल

अप्रैल फूल डे यानी मूर्ख दिवस आज भले ही दुनिया भर में लोग मनाते हैं। लेकिन इसकी शुरुआत को लेकर अनेक तरह की मान्यताएं और किंवदंतियां प्रचलित हैं। अप्रैल फूल डे के इतिहास और इससे जुड़े तथ्यों पर एक नजर।

कल्पना कीजिए अगर हम हंसें नहीं, कोई हमें हंसाए नहीं तो जीवन में कितनी बोझिलता, नीरसता आ जाएगी! इस नीरसता को दूर करने के लिए हजारों साल से जोक्स सुनने और सुनाने की परंपरा बरकरार है। आज के दौर में इसकी महत्ता और बढ़ गई है। अप्रैल फूल हमें अपनों के साथ ऐसे ही जोकिंग का अवसर देता है, जिसे हमें बिल्कुल मिस नहीं करना चाहिए।

सुनिए-सुनाइए जोक्स लाइफ बनेगी हेल्दी-हैप्पी

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

डॉक्टर: चिंता मत करो, यह छोटी सी सर्जरी है, घबराने की कोई बात नहीं!
मरीज: लेकिन डॉक्टर, मैं तो ऑपरेशन के लिए नहीं आया था!
डॉक्टर: अरे हां, सॉरी! मुझे आदत हो गई है ऐसा कहने की..!

यह जोक सरप्राइज एलिमेंट (अचानक ट्विस्ट) पर आधारित है, जो दिमाग को एक पल में चौंकाकर हंसा देता है। ऐसा होते ही अचानक पैदा हुआ तनाव गायब हो जाता है, जिससे मूड हल्का और फ्रेश महसूस होता है। कुछ सेकेंड्स का एक जोक या चुटकुला हमें पलभर में तरोताजा कर देता है, क्योंकि जोक्स का प्रभाव हमारे दिमाग और शरीर दोनों पर पड़ता है। जब हम हंसते हैं, तो हमारा मस्तिष्क एंडोर्फिन (खुशी के हार्मोन) छोड़ता है, जिससे तनाव कम होता है और हम रिलैक्स महसूस करते हैं। इसके अलावा, हंसी से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, मांसपेशियों में आराम आता है और मूड फ्रेश हो जाता है। शायद इसी की महत्ता को समझते हुए अप्रैल फूल-डे जैसे आयोजनों की शुरुआत हुई।

हजारों साल पुरानी परंपरा: दुनिया में जोक्स और हास्य की परंपरा उतनी ही पुरानी है, जितना पुराना खुद इंसान है, इंसानी सभ्यता है। सबसे पुराने दर्ज जोक्स लगभग 4000 साल पुराने हैं। दुनिया के सबसे पुराने दर्ज जोक्स प्राचीन मेसोपोटामिया (1900 ईसा पूर्व) के हैं। प्राचीन मिस्र (1600 ईसा पूर्व) की सभ्यता में फिरौन के दरबारों में भी जोक्स सुनाए जाते थे। एक मशहूर चुटकुला इस तरह है- 'एक फिरौन अपनी नाव में यात्रा कर रहा था। एक भविष्यवक्ता ने कहा कि वह बहुत लंबी उम्र जिएगा। फिरौन ने पूछा-क्या मैं 100 साल जिऊंगा? भविष्यवक्ता बोला-हां। फिरौन ने पूछा-क्या मैं 200 साल जिऊंगा? भविष्यवक्ता बोला-बिल्कुल! फिरौन खुश हुआ और कहा-तो मैं अमर हूं! भविष्यवक्ता ने कहा-नहीं, लेकिन जब तक तुम मुझसे सवाल पूछते रहोगे, तब तक मैं हां कहता रहूंगा।'

वास्तव में यह राजाओं की चापलूसी और भविष्यवाणियों का मजाक उड़ाने का तरीका था। ग्रीक दार्शनिक प्लेटो और अरस्तू ने भी हास्य को जीवन के महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में देखा है। प्राचीन एथेंस में एक जोकर क्लब था, जिसके दर्जनों जोक्स आज भी मिलते हैं, मसलन- 'एक आदमी डॉक्टर के पास गया और कहा- जब मैं आंखें खोलता हूं, तो मुझे कुछ नहीं दिखता! डॉक्टर बोला- तो आंखें बंद करके देखो!'

भारतीय इतिहास में भी है जिक्र: मिस्र और एथेंस की तरह प्राचीन भारत में भी संस्कृत साहित्य (नाट्यशास्त्र, पंचतंत्र, हितोपदेश, विदूषक पात्र) में हास्य व्यंग्य का भरपूर जिक्र मिलता है। पंचतंत्र की कहानियों में चतुराई भरे जोक्स और व्यंग्य हैं। भारतीय इतिहास में राजाओं के दरबारों में विद्वान विदूषकों जैसे तेनालीराम और बीरबल की भी मौजूदगी रही है, जो अपने बुद्धि-कौशल से सिर्फ दरबार का माहौल ही बोझिल होने से नहीं बचाते थे बल्कि हतप्रभ करने वाली चतुराई भरी बातें करके राजा सहित दरबारियों को हैरान कर देते थे, जिससे सभी तरोताजा महसूस करते थे।

नए दौर में जोक्स का जलवा: जोक्स का आधुनिक और व्यापक दौर 18वीं-19वीं शताब्दी में अखबारों और किताबों में जोक्स छपने से शुरू हुआ। बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध तक रेडियो, टीवी के कॉमेडी शो और स्टैंड-अप कॉमेडी से जोक्स हर जगह और अधिकतर लोगों तक पहुंचने लगे। इस 21वीं शताब्दी में इंटरनेट, सोशल मीडिया और मीम्स के रूप में जोक्स का जलवा हम सब देखते हैं। वास्तव में जोक्स का सबसे तेज और वैरायटी से भरा विकास इसी दौर में हो रहा है।

इसलिए जरूरी हैं जोक्स: सवाल है हर सभ्यता में, हर दौर में यानी जीवन में हमेशा जोक्स क्यों जरूरी माने जाते रहे हैं? जवाब है- जोक्स केवल हंसाने भर के लिए नहीं होते, बल्कि ये मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक संबंध और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये हमारे तनाव को कम करते हैं, हमें हंसाते हैं और हंसने से शरीर में एंडोर्फिन (खुशी के हार्मोन) का स्तर बढ़ता है, जो तनाव और दर्द दोनों को गायब करने में मदद करता है। चुटकुलों या जोक्स से इंसान को मनोवैज्ञानिक सुरक्षा मिलती है, क्योंकि कठिन परिस्थितियों में हास्य एक सुरक्षातंत्र की तरह काम करता है, जिससे व्यक्ति समस्याओं को हल्के-फुल्के तरीके से देख पाता है। साथ ही जोक्स हमें सामाजिक रूप से लोगों के साथ जोड़ता है। जोक्स साझा करने से लोगों के बीच नजदीकी बढ़ती है और यह सोशल बॉन्डिंग को मजबूत करता है। साथ ही जोक्स से हमारी क्रिएटिविटी बढ़ती है। हास्य हमें चीजों को नए नजरिए से देखने और समस्याओं का हल अनोखे तरीके से निकालने में मदद करता है। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि आधुनिक तनाव भरी जीवनशैली में जोक्स और ज्यादा महत्वपूर्ण हो गए हैं, क्योंकि आज अधिकांश लोग काम के दबाव, सोशल मीडिया, आर्थिक चिंताओं और रिश्तों की उलझनों से घिरे रहते हैं। ऐसे में हास्य और जोक्स बेहद जरूरी हो गए हैं। *

जोक्स सुनाने वाले होते हैं ज्यादा स्मार्ट

ऐसा देखा गया है कि सामान्य तौर पर, अच्छा सेंस ऑफ ह्यूमर किसी व्यक्ति की बुद्धिमत्ता (आईक्यू) और भावनात्मक समझ (ईक्यू) दोनों के बेहतर होने का सबूत होता है। क्योंकि जोक्स बनाने और सुनाने के लिए तेज दिमाग और सोचने की त्वरित क्षमता यानी 'क्विक विट' की जरूरत होती है। यही नहीं मजेदार लोग आमतौर पर बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स और लोगों को बेहतर पढ़ने और समझने की क्षमता रखते हैं। ऐसे लोग चीजों को अलग-अलग दृष्टिकोण से देखने में सक्षम होते हैं, जिससे वे मुश्किल परिस्थितियों से आसानी से निपट लेते हैं। इसलिए, जोक्स और हास्य में रुचि रखने वाले लोग अकसर ज्यादा स्मार्ट होते हैं। कई शोधों में पाया गया है कि महिलाएं मजाकिया और हंसाने वाले पुरुषों की तरफ अधिक आकर्षित होती हैं। जो लोग मजाकिया होते हैं, वे आमतौर पर आत्मविश्वासी होते हैं और पुरुषों का आत्मविश्वास महिलाओं को हमेशा आकर्षित करता है। मजाकिया लोग अकसर दूसरों के साथ घुल-मिल भी बहुत जल्दी जाते हैं, जिससे वे ज्यादा सामाजिक दिखते हैं।

दिलचस्प-विविधतापूर्ण अप्रैल फूल का इतिहास

साइबेले के सम्मान में 25 मार्च को मनाया जाने वाला यह उत्सव लोगों को भेष बदलने के लिए प्रेरित करता था। यह खेल और शरारतों का दिन माना जाता था। लोग तरह-तरह की अनूठी वेशभूषा पहन कर एक-दूसरे के साथ मजाक करते थे। वर्ष का पहला दिन यानी उत्सव का दिन, जो रात से अधिक लंबा था और इसे एक नए, बेहतर मौसम और उदास सर्दियों के अंत का जश्न मनाने में बिताया गया था। हिलारिया के दौरान कई प्रकार के खेल और मस्ती मनोरंजन किए जाते थे। इसमें छद्म वेश धारण कर लोग अपनी पसंद के किसी भी व्यक्ति की नकल करते थे।

परंपरा
अंजू जैन

अप्रैल फूल के दिन यानी पहली अप्रैल को झूठी बातों से मूर्ख बनाने या मजाक करने का सिलसिला सदियों से चला आ रहा है। हालांकि इस दिवस की वास्तविक शुरुआत अज्ञात है, लेकिन इसकी शुरुआत को लेकर तरह-तरह के दिलचस्प और रहस्यमय किस्से प्रचलित हैं।

हास्य कथा से शुरुआत

अप्रैल फूल से जुड़ी एक मान्यता है कि इसकी शुरुआत 16वीं शताब्दी में फ्रांस में हुई थी। अप्रैल फूल दिवस पर सबसे पहला प्रैंक 1 अप्रैल 1698 को खेला गया था। यह मजाक लंदन के एक समाचार पत्र में प्रकाशित हास्य खबर थी। इसमें मजाकिया अंदाज में लिखा गया था कि दिन के समय चंद्रमा पृथ्वी से दिखाई दिया था।

मध्यकाल के हिलारिया से शुरुआत

कुछ इतिहासकारों ने अप्रैल फूल डे को प्राचीन रोमन उत्सव हिलारिया से जोड़ा है। देवताओं की माता

कैलेंडर बदलाव के साथ शुरुआत

एक लोकप्रिय मान्यता यह है कि इसकी शुरुआत 1582 में हुई। उस समय फ्रांस ने जूलियन से बदल कर

ग्रेगोरियन कैलेंडर शुरू किया था। इस बदलाव से पहले, लोग अप्रैल में नया साल मनाते थे। जब तारीख 1 जनवरी को बदल दी गई, तो भी अज्ञानतावश कुछ लोगों ने इसे मार्च के अंत में मनाना जारी रखा और मजाक का पात्र बन गए और उन्हें 'अप्रैल फूल' कहा गया। *

कुछ दिलचस्प तथ्य-मान्यताएं

कवि जेफ्री चौसर

मूर्ख दिवस की शुरुआत को लेकर कुछ और मान्यताएं भी प्रचलित हैं।

- ईरान में अप्रैल फूल दिवस, फारसी नववर्ष के 13वें दिन मनाया जाता है, जो आमतौर पर 1 अप्रैल के आस-पास होता है।
- अमेरिकी कार्टूनिस्ट वाल्ट्स शुल्ज द्वारा बनाई गई प्रसिद्ध कॉमिक स्ट्रिप 'पीनट्स' में अप्रैल फूल नामक एक पात्र था, जो अपने दोस्तों के साथ शरारतें करता था।
- मध्ययुगीन यूरोप में 'मूर्खों का पर्व' मनाया जाता था, जो मजाक का दिन था। वहां लोग एक नकली बिशप या पोप का चुनाव करते थे और मजाक में शामिल होते थे। कुछ हद तक, अप्रैल फूल दिवस को सर्दियों के अंत और वसंत की शुरुआत को चिन्हित करने वाले त्योहारों से जोड़ा जा सकता है।
- इंग्लिश लेखक और कवि जेफ्री चौसर की द कैंटरबरी टेल्स (1392) में 1 अप्रैल और मूर्खता के बीच पहली बार कनेक्शन दर्ज किया गया था। 'द नंस प्रीस्ट्स टेल' नामक कथा में चैंटिकलर का वर्णन है, जो एक घमंडी मुर्गा है, जिसे एक चालाक लोमड़ी द्वारा धोखा दिया जाता है।
- स्कॉटलैंड में अप्रैल फूल दिवस को पारंपरिक रूप से 'हंटिगॉक डे' कहा जाता था, जो 'हंट द गॉक' से निकला है, 'गॉक' शब्द स्कॉटिश भाषा में कोयल या मूर्ख व्यक्ति के लिए इस्तेमाल होता है। यह स्कॉटिश परंपरा दो दिवसीय कार्यक्रम बन गई, जिसमें लोगों को नकली कामों (हंकटिंग द गॉक) पर भेजा जाता था, उसके बाद टेल डे मनाया जाता था, जिसमें लोगों की पीठ पर नकली पूंछ या 'मुझे लात मारो' के चिन्ह लगाने जैसे मजाक करना शामिल था।

एंज्वॉयमेंट
शिखर चंद जैन

अप्रैल फूल डे पर हम सब एक-दूसरे के साथ प्रैंक करते हैं, मजा लेते हैं। यहां आपको कुछ ऐसे प्रैंक्स के बारे में बता रहे हैं, जो मशहूर कंपनियों ने बड़े स्तर पर लोगों से किए।

अप्रैल फूल के मजेदार-अनूठे प्रैंक

पहली अप्रैल को मित्र मंडली में एक-दूसरे से हंसी-मजाक करने और मूर्ख बनाने की परिपाटी दशकों से है। लेकिन इस मजाक मस्ती में बड़ी-बड़ी कंपनियां, सर्च इंजन और सेलिब्रिटीज भी पीछे नहीं हैं। इनमें से कुछ के बारे में आप भी जानिए।

अमेजन का पेटलेक्सा: वर्ष 2017 में, अमेजन ने एलेक्सा की तर्ज पर पालतू जानवरों के लिए एक वॉयस असिस्टेंट, पेटलेक्सा की घोषणा की। इस मजेदार वीडियो में कुत्तों और बिल्लियों को अमेजन इको डिवाइस के साथ बातचीत करते हुए दिखाया गया था। इसमें पालतू जानवरों के लिए ट्रीट ऑर्डर करना, उनके लिए संगीत बजाना और यहां तक कि उनके भौंकने को मानवीय भाषा में अनुवाद करना भी शामिल था। पालतू जानवरों के मालिक इस नए आईडिया से हैरान हुए लेकिन यह सिर्फ एक मजाक था।

वर्जिन ऑस्ट्रेलिया एयरलाइंस का डॉग क्रू प्रैंक: वर्ष 2017 में वर्जिन ऑस्ट्रेलिया एयरलाइंस ने अप्रैल फूल के दिन अपने यात्रियों के बीच समाचार फैलाया कि अब उन्हें दुनिया की पहली डॉग इनफ्लाइट क्रू मेंबर टीम मिलेगी। इसमें वे अपने कुत्ते के साथ गलियारे में टहलते हुए, समय बिताने के लिए प्यारे कुत्तों को गले लगाने तक, डॉग क्रू की नई सेवाएं ले सकते हैं। बाद में लोगों को असलियत का पता चला तो उन्हें अपने आप पर खूब हंसी आई।

गूगल का 'माइक ड्रॉप' ई-मेल बटन: गूगल ने वर्ष 2016 में अप्रैल फूल बनाने के लिए जी-मेल में 'माइक ड्रॉप' बटन पेश किया, जिससे इसके यूजर माइक्रोफोन गिराने का जीआईएफ वाला ई-मेल भेज सकते थे। दुर्भाग्य से, इससे काफी गड़बड़ियां हो गईं। गलत मैसेज जाने पर कुछ लोगों की तो नौकरियां चली गईं। गूगल को माफी मांगते हुए तुरंत इसे बंद करना पड़ा।

कांच के बॉटम वाला हवाई जहाज: एक बार वर्जिन अटलांटिक एयर लाइंस ने अफवाह फैला दी कि इसके पास अब ग्लास-बॉटम वाले यानी पारदर्शी तल वाले विमान भी हैं। उन्होंने 'दुनिया के पहले ग्लास-बॉटम वाले विमान' के समाचारों के साथ सुर्खियां बटोरीं। नए विमान की तस्वीरें खूब प्रसारित की गईं। उनके इस मजाक पर लोगों ने यकीन भी कर लिया।

टैको लिबर्टी बेल: वर्ष 1996 से अब तक के सबसे बेहतरीन अप्रैल फूल मजाक में शामिल इस शिगूफे में टैको बेल नामक कंपनी ने अखबारों में विज्ञापन देकर कहा कि उसने ऐतिहासिक और नेशनल आइकन लिबर्टी बेल को खरीद लिया है। यह इतना गंभीर और वास्तविक मजाक था कि कुछ सीनेटर भी इस मजाक में फंस गए। बाद में नेशनल पार्क सर्विस ने इस खबर का खंडन करने के लिए एक प्रेस कांफ्रेंस भी की। दोपहर में, फास्ट-फूड चेन ने मजाक को स्वीकार किया और कहा कि वह इस ऐतिहासिक घंटी की देखभाल के लिए 50,000 डॉलर का दान कर रही है।

हवाई अड्डे पर कर दिया कंफ्यूज: वर्ष 1992 में लॉस एंजिल्स हवाई अड्डे पर विमान यात्री ज्यों ही उतरे, वे एक बैनर देखकर चकरा गए कि उन्होंने तो लॉस एंजिल्स की फ्लाइट पकड़ी थी फिर पायलट उन्हें शिकागो कैसे ले आया? इस बैनर पर लिखा था, शिकागो में आपका स्वागत है। यह 85 फीट लंबा पीला बैनर था, जिस पर 20 फीट लंबे लाल अक्षरों में ऐसी घोषणा थी। यह बैनर हॉलीवुड पार्क रेस ट्रैक के ठीक ऊपर लटका हुआ था और आने वाले प्रत्येक यात्री को दिखाई दे रहा था। लेकिन जल्द ही वास्तविक स्थिति सबको बता दी गई।

बीएमडब्ल्यू की सेल्फ-क्लीनिंग कार: 2019 में कार कंपनी बीएमडब्ल्यू ने एक वीडियो जारी कर दावा किया कि उन्होंने एक सेल्फ-क्लीनिंग कार विकसित की है। वीडियो में एक कार को ब्रश और पानी के जेट से खुद ही साफ होते हुए दिखाया गया था। वास्तव में यह एक बड़ा प्रैंक था। *

व्यंग्य कविता
हरीश कुमार 'अमित'

करते रहते घोटाले

करते रहते घोटाले
कितने हिम्मत वाले हैं।
इनके सारे ही 'करतब',
बिल्कुल तवे-से काले हैं।
पुलिस का इनको खौफ नहीं,
नेताजी इनके साले हैं।
यार-दोस्त इनके सारे,
चक्कू-पिस्टल वाले हैं।

एक नहीं, कई दर्जन,
गुर्गे इन्होंने पाले हैं।
इनसे पंगा मत लेना,
नहीं बख्शने वाले हैं।
ब्लैकमनी को कर दें 'व्हाइट',
इनके खेल निराले हैं।
ये छोटे पैग दूर हटाओ,
ये पीते पटियाले हैं।

स्मरण
चंद्रप्रकाश

आगामी 2 अप्रैल को हैंस क्रिश्चियन एंडरसन (1805-1875) का जन्मदिन है। वह एक महान किस्सागो थे, जिन्होंने अपने जीवन में अनेक पुस्तकें लिखीं। लेकिन दुनिया भर में उन्हें उनकी लिखी हुई बच्चों की परीकथाओं की वजह से ज्यादा जाना जाता है। उनकी लिखी एक सौ छप्पन परीकथाएं, नौ किताबों में संकलित हैं। इनके दुनिया भर में एक सौ साठ से अधिक भाषाओं में अनुवाद हुए हैं। कुछ देशों में तो उनकी कहानियां स्कूलों में पाठ के रूप में पढ़ाई भी जाती हैं। ये कहानियां, बच्चों से लेकर बड़ों तक, हर वर्ग के बीच पढ़ी और सराही जाती हैं। यह अपनी तरह की बड़ी मिसाल है। बेशक इस काम में डिज्नी की एनिमेटेड फिल्मों ने भी अपना एक बड़ा योगदान दिया है।

एंडरसन का रचना संसार: एंडरसन का जन्म डेनमार्क में कोपेनहेगन के नजदीक ओडेंस नामक स्थान में हुआ था। गरीब और पिछड़े घर में जन्म लेने के कारण इन्हें जीवन भर संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने शुरू में कुछ नाटक लिखे फिर कुछ आत्म-कथात्मक उपन्यास। उनकी पहली कहानियों की किताब 'बच्चों के लिए

अंतरराष्ट्रीय बाल पुस्तक दिवस: 2 अप्रैल, विशेष

एक से बढ़कर एक शानदार परीकथाओं के लेखक हैंस क्रिश्चियन एंडरसन के जन्मदिन (2 अप्रैल) को अंतरराष्ट्रीय बाल पुस्तक दिवस के रूप में मनाते हैं। इस अवसर पर उनके रचनात्मक अवदान पर एक दृष्टि।

परीकथाओं का महान चितेरा हैंस क्रिश्चियन एंडरसन

कहानियां' साल 1835 में छपकर आई। इसमें एंडरसन ने एक साथ नौ परीकथाएं संकलित की थीं। उनका कहानियां लिखने का यह काम आगे भी लगातार जारी रहा। एंडरसन का कहानी कहने का तरीका काफी अलग और अनोखा था। वे अपनी कल्पना की ताकत के साथ लोक-कथाओं की सरलता भी पिरो देते थे। इससे उनकी ये कहानियां अपने में विभिन्न संस्कृतियों की बातें भी कहती दिखती थीं। इस विषेषता के कारण उनका नाम यूरोप समेत पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हो गया।

हैंस क्रिश्चियन एंडरसन

जीवन में किया भरपूर संघर्ष: एंडरसन महान लेखक थे, लेकिन उनके जीवन में भी कम संघर्ष नहीं थे। एंडरसन बड़े हिम्मती और जुझारू थे। वे अपने अकेलेपन और दुख को बड़ी कुशलता से अपनी कहानियों का हिस्सा बना देते थे। उनकी यह सजगता उनकी लिखी कहानियों को सुंदर बनाती है। उनकी यह विशेषता, एंडरसन के जीवन की घटनाओं और उनकी बहुत सी रचनाओं पर शोध करने वालों ने पता लगाई है। एंडरसन की लिखी बहुत सी कहानियां उनके बाद के बहुत से लेखकों की प्रेरणा बनीं। उन्होंने भी इनका मर्म अपनी तरह से समझते हुए कई अनोखी रचनाएं की हैं।

एंडरसन की कुछ खूबियां और भी थीं, जिससे वे गजब के कलाकार भी माने जाते थे। वे अपने शुरू के दिनों से नाटकों की दुनिया से जुड़े थे। इसके अलावा कलम और ब्रश की मदद से स्याही के चित्र भी बना लेते थे। कागज की कतरनें चिपका कर कोलाज बनाना भी उन्हें पसंद था। इसके अलावा वे अनोखे किस्सागो थे। जो बच्चों के बीच अकसर किस्से सुनाते हुए बातों-बातों में कैंची से किसी कागज को काटकर तरह-तरह की आकृतियां बना देते थे। अंग्रेजी में इस तरीके से बनी आकृतियों को 'सिल्हूट' कहा जाता है। कुछ साल पहले जर्मनी के ब्रेमेन शहर में एंडरसन के ऐसे ही बहुत से तरह-तरह के चित्रों को जुटाकर एक बड़ी प्रदर्शनी में दिखाया गया था।

संजोई गई हैं उनकी स्मृतियां: आज भी एंडरसन की याद और सम्मान में दुनिया के कोने-कोने में तरह-तरह की बहुत सी गतिविधियां होती रहती हैं। इनमें उन पर डाक-टिकट निकालने से लेकर किसी अवसर-विशेष पर प्रदर्शनियां लगाने और जगहों के नाम रखने की बातें भी

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

टाइट है हिंदी मीडियम

प्रभात रंजन जिस भी विधा में लिखते हैं, अपने अलहदा अंदाज में लिखते हैं। हाल में ही उनकी लिखी एक किताब आई है- हिंदी मीडियम टाइट। इसे किसी एक विधा में बांधकर नहीं देखा जा सकता है। इसे पढ़ते हुए संस्मरण, रेखाचित्र और व्यंग्य शैली में लिखे गए आत्मकथात्मक उपन्यास का आनंद एक साथ लिया जा सकता है। इसमें प्रभात ने दिल्ली के प्रतिष्ठित हिंदू कॉलेज में बिताए अपने छात्र जीवन की उन स्मृतियों को संजोया है, जिससे उस दौर में हिंदी पढ़ने और पढ़ाने वालों की हीन भावना प्रकट होती है। कहना चाहिए कि इसके बहाने लेखक ने उस सामाजिक मानसिकता को भी उजागर किया है, जो एक भाषा का जानकार होते हुए भी दूसरी प्रतिष्ठित मानी जाने वाली भाषा पर कमजोर पकड़ के कारण, पूरे व्यक्तित्व को हीनता बोध से ग्रस्त कर देती है। यह किताब हिंदी प्रेमियों, हिंदी के छात्रों, हिंदी के अध्यापकों और हिंदी साहित्यकारों को ही नहीं, हर उस व्यक्ति को भी पढ़नी चाहिए, जो हिंदी को एक भाषा के रूप में नहीं देखते बल्कि पढ़े-लिखे और संभ्रांत समाज में प्रतिष्ठित होने के लिए गैरजरूरी मानते हैं। *

पुस्तक: हिंदी मीडियम टाइट, लेखक: प्रभात रंजन,
मूल्य: 225 रुपए, प्रकाशक: राजपाल एंड संस, दिल्ली

धोनी की गजब रफ्तार, 0.12 के बाद अब 0.16 सेकंड से किया स्टंपिंग

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल 2025 में टीम के लगातार दूसरे मैच में विकेट के पीछे अपनी तेजी से सभी को चौंकाया। पहले मैच में धोनी ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ सूर्यकुमार यादव को महज 0.12 सेकंड जबकि पिछले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के फिल साल्ट को सिर्फ 1.16 सेकंड में गिल्लियां बिखेर कर स्टंप आउट कर दिया। शुक्रवार को चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम पर यह मुकाबला खेला गया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके के खिलाफ आरसीबी ने तेज शुरुआत की। सॉल्ट और कोहली ने पांच ओवर खत्म होने से पहले ही 45 रन जोड़ लिए थे। हालांकि, उसे सॉल्ट के रूप में पहला झटका लगा। धोनी ने एक बार फिर बिजली की रफ्तार से स्टंप किया और सॉल्ट को चौंका दिया। सॉल्ट 16 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 32 रन बनाकर आउट हुए।

चंद सेकेंड में किया आउट

नूर की गुगली पर सॉल्ट ने शॉट लगाने की कोशिश की, लेकिन वह चूक गए और धोनी ने जल्दी से स्टंप किया। धोनी की अपील पर अंपायर ने तीसरे अंपायर का इशारा किया। टीवी रिव्यू में दिखा कि सॉल्ट का पैर क्रीज की लाइन पर था, लेकिन जब धोनी ने गेंद विकेट में हिट की तब सॉल्ट का पैर हवा में था जिस कारण वह आउट करार दिए गए। उन्होंने 0.16 सेकेंड में स्टंपिंग की। धोनी विकेट के पीछे अपनी फुर्ती के लिए जाने जाते हैं और आईपीएल 2025 में सीएसके के लगातार दूसरे मुकाबले में धोनी का जलवा देखने मिला है।

मुंबई के खिलाफ भी दिखाई थी फुर्ती

43 साल के धोनी ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ सीएसके के पिछले मुकाबले में भी विकेट के पीछे गजब की फुर्ती दिखाई थी। धोनी ने चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में ऐसा कारनामा किया था जिससे फैंस को उनके पुराने दिनों की याद आ गई थी। धोनी ने मुंबई की पारी के 11वें ओवर में सूर्यकुमार यादव को 0.12 सेकंड में स्टंप आउट किया और सभी को चौंका दिया था। मुंबई की पारी के दौरान जब नूर अहमद गेंदबाजी कर रहे थे तो उन्होंने सूर्यकुमार को गुगली डाली। सूर्यकुमार गेंद मिस कर बैठे, लेकिन विकेट के पीछे खड़े धोनी ने उन्हें स्टंप करने में जरा भी देर नहीं लगाई। धोनी की फुर्ती का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता था कि उन्होंने 0.12 सेकेंड में ही सूर्यकुमार को स्टंप किया था।

खास खबर

10 गुना बेहतर है आरसीबी टीम का संतुलन : एबीडि

चेन्नई। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की शानदार शुरुआत को देखते हुए दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डि विलियर्स का मानना है कि उम्दा शुरुआत से आगे आसीबी का काम आसान हो जाएगा। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ने शुक्रवार को चेन्नई सुपर किंग्स को चेपॉक पर सत्रह साल बाद हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। आरसीबी के लिए खेल चुके डिविलियर्स ने अपने पॉडकास्ट 'एबी डिविलियर्स 360' में कहा, 'इस बार आरसीबी टीम का संतुलन पिछले सत्रों से दस गुना बेहतर है। पिछले साल आईपीएल नीलामी के समय मैने कहा था कि आरसीबी को संतुलन की जरूरत है। यह गेंदबाजों, बल्लेबाजों या क्षेत्ररक्षकों को लेकर नहीं था। यह आईपीएल टीमों और विकल्पों में अच्छे संतुलन को लेकर था।'

कमतर नहीं आंके, टीम में काफी आक्रामकता

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने इन आलोचनाओं को खारिज किया कि उनकी टीम की शैली के क्रिकेट के दिन अब लद गए। उन्होंने कहा कि चेन्नई टीम में काफी आक्रामकता है और कोई उन्हें कमतर आंकने की गलती नहीं करे। पांच बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई को शुक्रवार को आरसीबी ने 50 रन से हराया। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, 'इसके क्या मायने हैं, मेरी शैली का क्रिकेट क्या है। पहला मैच जीतना, यही सही तरीका है। हमारे भीतर काफी आक्रामकता है। मैं यह प्रश्न समझा नहीं।'

सनराइजर्स के खिलाफ खास रणनीति : निगम

विशाखापत्तनम। दिल्ली कैपिटल्स के स्पिन गेंदबाजी हरफनमौला विपराज निगम ने कहा कि सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजी क्रम को जिस तरह लखनऊ सुपर जाइंट्स ने परेशान किया, उसे देखकर उनकी टीम ने भी इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खास रणनीति बनाई है । सनराइजर्स ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले मैच में छह विकेट पर 286 रन बनाये थे लेकिन दूसरे मैच में लखनऊ ने उसे 200 रन भी पार नहीं करने दिए। लखनऊ को एक विकेट से हराने वाली दिल्ली की टीम का सामना रविवार को सनराइजर्स से होगा। पिछले मैच में बल्ले और गेंद से चमकने वाले निगम टीम की तैयारियों को लेकर आश्वस्त हैं।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
बेंगलोर	2	2	0	4
लखनऊ	2	1	1	2
पंजाब	1	1	0	2
दिल्ली	1	1	0	2
हैदराबाद	2	1	1	2
कोलकाता	2	1	1	2
चेन्नई	2	1	1	2
मुंबई	1	0	1	0
गुजरात	1	0	1	0
राजस्थान	2	0	2	0

ऑरेंज कैप

निकोलस पूरन
145 रन
लखनऊ

पर्पल कैप

नूर अहमद
07 विकेट
चेन्नई

सुपर संडे का दूसरा डबल हेडर मैच आज

टर्निंग पिच पर टकराएंगी सुपर किंग्स और रॉयल्स, जीत दर्ज करने पर नजर

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

पिछले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों अपने गढ़ चेपॉक पर 17 साल बाद मिली हार से हतप्रभ चेन्नई सुपर किंग्स का सामना रविवार को गुवाहाटी की टर्निंग पिच पर राजस्थान रॉयल्स से होगा तो नजरें जीत की राह पर लौटने पर लगी होंगी। रजत पाटीदार की कप्तानी वाली आरसीबी ने चेन्नई के लचर क्षेत्ररक्षण और खराब बल्लेबाजी का फायदा उठाते हुए 50 रन से जीत दर्ज की। गुवाहाटी की विकेट चेपॉक की तरह है जिस पर राजस्थान रॉयल्स का सामना करना उतना मुश्किल नहीं होगा चूंकि उसके पास इतना मजबूत गेंदबाजी आक्रमण नहीं है। रियान पराग को कप्तानी का उतना अनुभव भी नहीं है।

गेंदबाजी आक्रमण धारदार नहीं

चेन्नई का गेंदबाजी आक्रमण भी इस बार उतना धारदार नहीं लग रहा। मथीषा पथिराना और बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर नूर अहमद ने शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन भारतीय गेंदबाज नाकाम ही रहे हैं। खलील अहमद नई गेंद के उतने प्रभावी गेंदबाज नहीं हैं। रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा इस प्रारूप में अब उतने खतरनाक नहीं रह गए। वैसे मोईन अली और वरुण चक्रवर्ती ने जिस तरह केकेआर के लिए यहां के हालात का बखूबी फायदा उठाया, उसी तरह अश्विन और जडेजा भी चेन्नई के लिये उपयोगी साबित हो सकते हैं।

आरआर में धुरंधर बल्लेबाज नहीं

रॉयल्स के बल्लेबाजों संजू सैमसन, पराग, शुभम दुबे, नीतिश राणा और ध्रुव जुरेल के लिए मुश्किलें पैदा हो सकती हैं। रॉयल्स के पास जोस बटलर जैसा धुरंधर विदेशी बल्लेबाज नहीं है। वहीं तुषार देशपांडे और संदीप शर्मा जैसे भारतीय गेंदबाजों में आत्मविश्वास का अभाव है। उनके पास कोई उच्च कोटि का स्पिनर भी नहीं है और इस समय दो कमजोर टीमों के मुकाबले में चेन्नई का पलड़ा भारी लग रहा है।

राहुल की वापसी, दिल्ली की नजरें दूसरी जीत पर

विशाखापत्तनम। लखनऊ सुपर जाइंट्स पर शानदार जीत दर्ज करने और भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल की वापसी के साथ आत्मविश्वास से ओतप्रोत दिल्ली कैपिटल्स रविवार को आईपीएल के मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ इस लय को कायम रखने के इरादे से उतरेगी। अपने अभियान की शानदार शुरुआत के बाद सनराइजर्स को गुरुवार को लखनऊ टीम के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा। अब अपने मैदान से बाहर कप्तान पैट कमिंस पर टीम की मोर्चे से अगुवाई का दारोमदार होगा। दूसरी ओर दिल्ली की टीम राहुल की वापसी से मजबूत हुई है। अपने अपार अनुभव के बावजूद उन्होंने कप्तानी नहीं करने का फैसला किया और यह जिम्मेदारी अक्षर पटेल को सौंपी गई।

खबर संक्षेप

फ्रीस्टाइल पहलवानों के लिए मुश्किलभरा दिन

अम्मान। सुजीत कलकल को छोड़कर भारत के अन्य पुरुष फ्रीस्टाइल पहलवानों को शनिवार को यहां एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में पहली बाधा पार करने में भी संघर्ष करना पड़ा। तीन भारतीय पहलवानों को रेपेचेज के जरिए अपनी दावेदारी के लिए इंतजार करना होगा। सुजीत ने 65 किग्रा वर्ग में शानदार शुरुआत करते हुए फलस्तीन के अब्दुल्ला असफ को तकनीकी दक्षता से हराया लेकिन वह जापान के काइसेई तनाबे के डिफेंस को नहीं भेद सके। सुजीत को रेपेचेज के जरिए कांस्य पदक के लिए दावा पेश करने का मौका मिलेगा।

भारत का सामना करने निरंतरता जरूरी : रूट

लंदन। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट का मानना है कि पांच टेस्ट मैचों की आगामी श्रृंखला में भारत के खिलाफ प्रदर्शन में निरंतरता रहनी जरूरी है क्योंकि इसके अलावा ऐसे कठिन प्रतिद्वंद्वी का सामना करने का कोई उपाय नहीं है। भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र की शुरुआत इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला से करेगी जिसका पहला मैच 20 जून से हेडिंग्ले में खेला जाएगा। रूट ने कहा, 'हम अपने हालात में अच्छा खेलते हैं लेकिन भारतीय टीम के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में प्रदर्शन में निरंतरता जरूरी होगी। आपको बार बार मैच जीतने वाला प्रदर्शन करना होगा।'

पांच खिलाड़ियों को शामिल करने का प्रावधान

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के संविधान के मसौदे में कई आमूलचूल परिवर्तन प्रस्तावित किए गए हैं। इसमें 14 सदस्यीय कार्यकारी समिति में कम से कम पांच पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ियों को शामिल करने और अविश्वास प्रस्ताव के जरिए पदाधिकारियों को हटाने का प्रावधान शामिल है। सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव द्वारा तैयार संविधान का मसौदा उच्चतम न्यायालय को सौंप दिया गया है। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की उच्चतम न्यायालय की पीठ ने 25 मार्च को एआईएफएफ संविधान को अंतिम रूप देने से संबंधित याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई शुरू की।

मियामी ओपन

दर्शक दीर्घा में मेसी, जोकोविच ने फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| मियामी गार्डन्स

चौथी वरीयता प्राप्त नोवाक जोकोविच ने ग्रिगोर दिमित्रोव को हराकर मियामी ओपन टेनिस के फाइनल में प्रवेश किया तो दर्शक दीर्घा में उनके लिए तालियां बजाने वालों में महान फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी शामिल थे।

जोकोविच ने 14वीं वरीयता प्राप्त दिमित्रोव को 6-2, 6-3 से हराया। सातवें मियामी ओपन खिताब के लिए उनका सामना 19 साल के गैर वरीय जाकूब मेंसिक से होगा जिन्होंने तीसरी वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज को 7-6, 4-6, 7-6 से परास्त किया। सैंतीस वर्ष के जोकोविच अगर जीत जाते हैं तो यह उनका सौवां पेशेवर खिताब होगा। कोर्ट पर इंटरव्यू में जोकोविच ने मेसी की मौजूदगी का जिक्र किया। मेसी मेजर लीग फुटबॉल में इंटर मियामी के लिए खेलते हैं। उन्होंने बताया कि मेसी अपनी पत्नी और बच्चों के साथ लॉकर रूम में भी आए और उन्होंने एक दूसरे को तोहफे दिए।

ब्राजील ने शर्मनाक हार के बाद कोच को हटाया

साओ पाउलो। ब्राजील के कोच डोरिवल जूनियर को टीम के निराशाजनक प्रदर्शन और खराब नतीजों के कारण 14 महीने के भीतर ही पद से हटा दिया गया। ब्राजील को ब्यूनस आयर्स में अर्जेंटीना ने 4-1 से हराया जो विश्व कप क्वालीफायर मुकाबले में उसकी सबसे शर्मनाक हार है। इसके तीन दिन बाद ही ब्राजीली फुटबॉल परिसंघ के अध्यक्ष एडनाल्डो रौड्रिगेस ने जूनियर को हटाने का फैसला किया। उन्होंने मीडिया से कहा, 'परिसंघ यह घोषणा करता है कि डोरिवल जूनियर का कार्यकाल पूरा हो गया। अब हम विकल्प की तलाश कर रहे हैं।' ब्राजील विश्व कप 2026 दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग तालिका में पांचवें स्थान पर है। शीर्ष छह टीमें स्वतः क्वालीफाई करेंगी। ब्राजील पिछले साल कोपा अमेरिका के क्वार्टर फाइनल में उरूग्वे से हारकर बाहर हो गया था।

साउथ आस्ट्रेलिया ने 29 साल में पहली बार जीती शेफील्ड शील्ड

एडीलेड। साउथ आस्ट्रेलिया ने क्वींसलैंड को चार विकेट से हराकर 29 साल में पहली बार शेफील्ड शील्ड क्रिकेट टूर्नामेंट जीता। साउथ आस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में छह विकेट पर 270 रन बनाकर चौथे दिन ही जीत दर्ज की। जेसन संघा ने नाबाद 126 रन बनाए जबकि आस्ट्रेलियाई विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने 105 रन की पारी खेली। दोनों ने 202 रन की साझेदारी की। क्वींसलैंड की टीम पहली पारी में 95 रन पर आउट हो गई थी। जवाब में साउथ आस्ट्रेलिया ने 271 रन बनाए थे। क्वींसलैंड ने दूसरी पारी में 445 रन बनाकर साउथ आस्ट्रेलिया को 270 रन का लक्ष्य दिया था।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को पहले वनडे में 73 रन से रौंदा

एजेंसी ▶▶| नेपियर

मार्क चैपमैन (132 रन) और डेरिल मिचेल (76) के बीच 199 रन की साझेदारी के दम पर न्यूजीलैंड ने पहले वनडे में नौ विकेट पर 344 रन बनाकर पाकिस्तान को 73 रन से परास्त किया।

चैपमैन ने तीसरा वनडे शतक जमाकर न्यूजीलैंड को शुरुआती झटकों से निकाला। न्यूजीलैंड ने 13वें ओवर तक तीन विकेट गंवा दिए थे। न्यूजीलैंड के लिए खेलने वाले पाकिस्तान मूल के मोहम्मद अब्बास ने 24 गेंद में 50 रन बनाए जो वनडे क्रिकेट में पदार्पण पर किसी खिलाड़ी का सबसे तेज अर्धशतक है। बाबर आजम ने पाकिस्तान के लिए 83 गेंद में 78 रन बनाए लेकिन उनके आउट होने के बाद पाकिस्तान ने 22 रन के भीतर सात विकेट गंवा दिए। उस्मान खान और अब्दुल्ला शफीक ने पहले विकेट के लिए 83 रन जोड़े। बाबर और मोहम्मद रिजवान ने तीसरे विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी की। इसके बाद बाबर और सलमान आगा ने चौथे विकेट के लिए 85 रन जोड़े।

पिछले तीन आईसीसी टूर्नामिंट खेलने वाले सभी भारतीय खिलाड़ी सम्मान के हकदार : रोहित

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उनकी टीम ने पिछले नौ महीनों में क्रिकेट के उतार चढ़ावों का सामना करते हुए सफलता हासिल करने के लिए सामूहिक संघर्ष किया है। पिछले तीन आईसीसी टूर्नामेंटों में भाग लेने वाली टीम का प्रत्येक सदस्य सम्मान का हकदार है।

भारत को पिछले तीन आईसीसी सीमित ओवरों के टूर्नामेंट में 24 मैचों में से एक में ही पराजय का सामना करना पड़ा जब 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में अहमदाबाद में उसे आस्ट्रेलिया ने हराया। भारत ने पिछले साल टी20 विश्व कप और इस साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती। इसके बीच भारत को न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया के हाथों टेस्ट श्रृंखलाओं में पराजय झेलनी पड़ी।

24 में से 23 मैच जीतना अविश्वसनीय

भारत के कप्तान के तौर पर अपने कार्यकाल के बारे में रोहित ने कहा, 'इस टीम ने तीन बड़े टूर्नामेंटों में जो हासिल किया है। इस तरह के टूर्नामेंट खेलना और बस एक मैच हारना और वह भी फाइनल (2023 वनडे विश्व कप)। सोचो कि अगर हम वह भी जीत जाते तो तीन आईसीसी टूर्नामेंटों में अपराजेय रहते। ऐसा कभी सुना ही नहीं है। 24 में से 23 मैच जीतना। बाहर से यह बहुत अच्छा लगता है लेकिन इस टीम ने काफी उतार चढ़ाव देखे हैं।'

कार्यालय प्राचार्य, जवाहर नवोदय विद्यालय
अमरकंटक, जिला - अनूपपुर (म.प्र.)

विद्यालय परिसर में टकशॉप हेतु निविदा प्रपत्र सत्र 2025-26

Sl. No.	Particular		Contract Rate
01	Tuck shop	Per Month	

नियमावली- 1. टकशॉप में सील पैक खाद्य सामग्री, स्टेशनरी, दैनिक उपयोग ही रखा जाएगा ।2. सामग्रियों को MRP से ज्यादा पर विक्रय नहीं किया जाए।3. प्राचार्य द्वारा निर्धारित समय-सारणी में ही टकशॉप संचालन किया जाए ।4. समय-समय पर निर्धारित कमेटी द्वारा टकशॉप में उपलब्ध सामग्रियों का अवलोकन किया जाए।5. सील पैक सामग्रियों की एक्पायरी डेट पर विशेष ध्यान रखा जाए।6. परिसर में एक ही टकशॉप का संचालन होगा।7. अमानत राशि रु 1200 /- बैंक ड्राफट के माध्यम से स्वीकार्य होगा ।8. टकशॉप संचालन संबंधी अर्हता प्राप्त होने के 10 दिवस के अंदर कान्ट्रेक्ट राशि जमा करना अनिवार्य होगा । अन्यथा एग्रीमेंट निरस्त माना जाएगा। 9. कॉन्ट्रैक्ट राशि अत्प्रात्यार्पणीय non refundable होगा ।10. समय - समय पर प्राचार्य द्वारा दिए गए निर्देशों का अक्षरश पालन करना होगा ।11. किसी भी प्रकार की स्थिति में प्राचार्य का निर्णय अंतिम होगा ।

उपरोक्त शर्ते मैने / हमने पढ़ व समझ ली है एवं हमें मान्य है ।

साक्षीगण:-
1. नाम व पता..
2.नाम व पता..

हस्ताक्षर निविदाकर्ता
नाम-
पता-

फर्जीवाड़े के जिम्मेदारों के नाम भी पूछे

नर्सिंग फर्जीवाड़ा : अपात्र कॉलेजों के छात्र दूसरी जगह होंगे शिफ्ट, हाईकोर्ट ने दिए आदेश

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट के पूर्व आदेश के पालन में अपात्र नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता और संबद्धता की ओरिजनल फ़ाइलें सरकार की ओर से पेश की गईं।।जिस पर जस्टिस संजय द्विवेदी और जस्टिस अचल कुमार पालीवाल की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता को कहा कि वे सभी फाइलों का अवलोकन कर पंद्रह दिनों में अपनी रिपोर्ट कोर्ट को सौंपें। रिपोर्ट में यह बताना होगा कि जो कॉलेज सीबीआई जांच में अपात्र पाए गए उन्हें आखिर किन परिस्थितियों में और किन- किन अधिकारियों द्वारा अनुमतियां दी गई ?

हाईकोर्ट के निर्देश पर अब पीआईएल के याचिकाकर्ता को हजारों दस्तावेजों सहित फाइलों का परीक्षण कर जिम्मेदारों के नामो सहित तथ्यात्मक रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश करनी होगी। यह भी निर्देश दिए गए कि सीबीआई जांच में जिन कॉलेजों में छात्र प्रवेशित होना नहीं पाए गए हैं, उन कॉलेजों के छात्रों को एनरोलमेंट और परीक्षा में बैठने की पात्रता नहीं होगी। निर्देश दिए कि सीबीआई जांच में अपात्र पाए गए कॉलेजों में नामांकित

छात्रों को 1 माह के भीतर सूटेबल कॉलेजों में ट्रांसफर किया जाए।

नर्सिंग फ़र्जीवाडे मामले में लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल की ओर से दायर जनहित याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है। हाईकोर्ट ने पूर्व में भी संपूर्ण प्रदेश के कॉलेजों की मान्यता की फाइलें तलब कर याचिकाकर्ता को अवलोकन करने के निर्देश दिए थे। जिसके बाद याचिकाकर्ता द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट में प्रदेश में कागजों में चल रहे कॉलेजों और फैकल्टी फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ था।

याचिकाकर्ता की ओर से आवेदन पेश कर हाईकोर्ट को बताया कि कई कॉलेजों द्वारा सीबीआई जांच के समय किसी भी छात्र के प्रवेश से इंकार किया गया था। इसी आधार पर सीबीआई ने भी हाईकोर्ट में सौंपी गई रिपोर्ट में इन कॉलेजों में छात्रों का एडमिशन नहीं होना बताया है। लेकिन बाद में जब हाईकोर्ट ने छात्रहित में सभी श्रेणी पात्र, अपात्र और डिफिशिएंट कॉलेजो के छात्रों को नामांकन कर परीक्षा में बैठाने के निर्देश दिए, तो उक्त सभी कॉलेज छात्रों के बैक डेट पर एडमिशन दर्शा कर एनरोलमेंट और परीक्षा में बैठाने के आवेदन कर रहे हैं । हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता के तर्कों को सुनने के बाद अपने पूर्व आदेश में संशोधन करते हुए नए निर्देश दिए। अब कॉलेजों और छात्रों के एनरोलमेंट सीबीआई जांच रिपोर्ट के आधार पर ही किए जाएंगे ।याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि नर्सिंग कौंसिल द्वारा अपात्र लाए गए कॉलेजों के छात्रों को सूटेबल कॉलेजों में ट्रांसफर नहीं किया जा रहा है। जिससे हजारों छात्रों के भविष्य का संकट उत्पन हो गया है। अनसुटेबल कॉलेजों के पास उन्हें पढ़ाने और प्रशिक्षण देने हेतु आवश्यक संसाधन मौजूद नहीं है। तर्कों को सुनने के हाईकोर्ट ने इस मामले में आदेश दिए।हाईकोर्ट का विस्तृत आदेश प्रतीक्षित है।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में गंभीर लापरवाही

बिना फॉर्म भरे आयोजित की गई परीक्षा...!

हरिभूमि जबलपुर।

बिना फॉर्म भरे आयोजित की परीक्षा

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय (रादुविवि) में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसमें बीएससी एग्रीकल्चर फोर्थ सेमेस्टर के करीब 30 छात्रों की परीक्षा बिना फॉर्म भरे ही आयोजित कर दी गई। यह गंभीर लापरवाही छात्रों के भविष्य को खतरे में डालने वाली साबित हो सकती है। इस मामले की जांच जारी है, और विवि प्रशासन इस चूक से पूरी तरह अनजान था, लेकिन जब मामला उजागर हुआ तो ऑनलाइन परीक्षा सेंटर ने छात्रों के आवेदन स्वीकार करने से मना कर दिया।

मामला फरवरी महीने का है, जब बीएससी एग्रीकल्चर फोर्थ सेमेस्टर के करीब 30 छात्रों की परीक्षा बिना निर्धारित परीक्षा फॉर्म भरे ही आयोजित कर दी गई। नियमों के अनुसार, किसी भी छात्र को परीक्षा में बैठने से पहले परीक्षा फॉर्म भरना और 2450 रुपये की फीस जमा करना अनिवार्य है। हालांकि, इस बार विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस प्रक्रिया को नजरअंदाज कर दिया, और छात्रों से बिना फॉर्म भरे ही परीक्षा आयोजित कर दी गई। जब परीक्षा केंद्र पर शिक्षकों को इस गलती का एहसास हुआ, तो उन्होंने गुपचुप तरीके से छात्रों को ऑनलाइन परीक्षा सेंटर भेज दिया। वहां छात्रों के आवेदन की जांच की गई, और यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि इन छात्रों ने फॉर्म भरे बिना परीक्षा दी थी।

छात्रों पर छाया संकट

परीक्षा केंद्र पर आवेदन की जांच के दौरान यह गड़बड़ी सामने आई। अब छात्रों के सामने यह गंभीर सवाल खड़ा हो गया है कि क्या उनकी परीक्षा वैध मानी जाएगी और क्या उनका भविष्य सुरक्षित रहेगा। छात्रों की परेशानी और इस लापरवाही को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन को सूचित किया गया है।

एग्जाम कंट्रोलर का बयान

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय की एग्जाम कंट्रोलर डॉ. रश्मि टंडन ने इस मामले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, नियमानुसार परीक्षा आवेदन के बाद ही कोई भी छात्र परीक्षा में शामिल हो सकता है। यदि यह मामला भूलवश हुआ है, तो भी यह गंभीर लापरवाही है। प्रशासन को इस बारे में अवगत कराया जाएगा, और इस चूक की जांच की जाएगी।

ई-ऑफिस सिस्टम और होगा मजबूत

अब ई-मेल से सरकारी दफ्तरों में पहुंचेगा संदेश

जबलपुर। मप्र के सरकारी कार्यालयों में ई-ऑफिस सिस्टम लागू होने के बाद सरकार अब सिस्टम को और मजबूत करने में जुटी हुई है। इसके तहत अब सरकारी कार्यालयों में डाकिए का काम बंद किया जा रहा है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है कि ई-आफिस में अब ई-मेल से डाक आएगी। यानी अब कोई भी संदेश ई-मेल से सरकारी दफ्तरों में पहुंचेगा। इससे सरकारी कार्यालयों में पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

गौरतलब है कि मप्र सरकार ने डिजिटल इंडिया की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। ई-ऑफिस सिस्टम से सरकारी कार्यालयों में पारदर्शिता भी बढ़ेगी। ई-ऑफिस व्यवस्था से सरकारी कार्यालयों में कागज की बचत होगी। मंत्रालय और विभागाध्यक्ष कार्यालयों में शुरू की गई ई-आफिस व्यवस्था में अब जिलों से आने वाले पत्रवाहक या डाकिए का काम खत्म कर दिया गया है। अब कागज या हार्ड कापी की जगह ई-मेल पर आए पत्र ही ई-आफिस के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। निराकरण भी आनलाइन ही होगा। अपरिहार्य परिस्थिति में यदि किसी पत्र में हस्ताक्षर आवश्यक हों तो भी डाक से नहीं भेजना है। ऐसे में डिजिटल हस्ताक्षर से मेल पर पत्र भेजना होगा। अब तक कई जगह प्रिंट निकाल कर हस्ताक्षर कर उसे स्कैन करके मेल किया जा रहा था, इस प्रथा को भी अब बंद कर दिया गया है। इस आनलाइन आफिस से कागज एवं प्रिंटर की बचत होगी। इससे हार्ड कापी की जरूरत भी नहीं होगी।

कई तरह की होगी बचत

डाक के जरिए होने वाले यात्रा भत्ते की भी बचत होगी। ई आफिस साफ्टवेयर में ई-डाक के लिए हर विभाग में अलग से व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने जनवरी 2025 को समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास से ई-आफिस क्रियान्वयन प्रणाली का शुभारंभ किया था। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की थी कि आम जनता को इस व्यवस्था से राहत प्राप्त होगी। विभिन्न विभागों द्वारा समस्त नस्तियों को ई-आफिस के माध्यम से संचालित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इससे विभागों के कार्य प्रचलित नस्तियों के स्थान पर ई-आफिस के माध्यम से होंगे। इसके लिए विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षित भी किया गया।

थाने में पुलिस कर्मी और वकील आपस में उलझे

जबलपुर। गढ़ा थाना अंतर्गत मेडीकल कॉलेज में देर रात उस वक्त हंगामा हो गया, जब डायल 100 में सवार दो पुलिस वालें एक चाय की दुकान बंद कराने वकील से उलझ गए और उसके बाद थाने में हंगामा होता रहा। थाने में 30-40 वकील भी एकत्रित हो गए थे, जिन्होंने पुलिस वालों का मेडीकल कॉलेज परीक्षण कराने की मांग की है। दरअसल विवाद बढ़ने के बाद पुलिस कर्मचारी ने अपनी वर्दी फाड़ दी थी और वकील पर हमले का आरोप लगाने की तैयारी कर ली थी जिससे विवाद बढ़ा। सूत्रों का कहना है कि विवाद बढ़ता देख अधिकारियों का हस्तक्षेप कर मामलें का पटापेक्ष करा दिया गया। कहा जा रहा है कि दोनों तरफ से एमएलसी करा ली गई थी और एफआईआर की तैयारी थी, लेकिन दोनों पक्षों के वरिष्ठों के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ। फिलहाल इस मामलें में पुलिस ने चुप्पी साध ली है।

विदाई समारोह में रेखांकित हुआ व्यक्तित्व-कृतित्व

हाई कोर्ट का सेवाकाल अविस्मरणीय रहेगा : जस्टिस पीसी गुप्ता

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस पीसी गुप्ता ने कहा कि यहां का सेवाकाल अविस्मरणीय रहेगा। वे अपने सम्मान में आयोजित विदाई समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व प्रशासनिक न्यायाधीश संजीव सचदेवा सहित अन्य ने 31 मार्च को सेवानिवृत्त हो रहे न्यायमूर्ति पीसी गुप्ता के व्यक्तित्व-कृतित्व को रेखांकित करते हुए उनके कार्यकाल को उल्लेखनीय निरूपित किया। कोर्ट रूम क्रमांक-एक में दोपहर साढ़े तीन बजे से विदाई समारोह का आयोजन हुआ। इस दौरान अतिरिक्त महाधिवक्ता हरप्रीत सिंह रूपराह, डिप्टी सालिसिटर जनरल पुष्पेंद्र यादव, हाई कोर्ट बार के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित जैन, हाई कोर्ट एडवोकेट्स बार के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता संजय अग्रवाल, सीनियर एडवोकेट्स काउंसिल के महासचिव आदित्य

अधिकारी शोभा स्टेट बार चेयरमैन राधेलाल गुप्ता सहित अन्य ने वक्तव्य दिए।

जजों की संख्या घटकर 33 हुई

विगत दिनों न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन के आगमन के साथ जजों की कुल संख्या 34 हो गई थी, जो न्यायमूर्ति गुप्ता के सेवानिवृत्त होने से घटकर 33 हो गई है। इस तरह कुल स्वीकृत पद 53 के मुकबाले 20 जजों का अभाव बना हुआ है।

पंचायत सचिव का निलंबन आदेश निरस्त

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने रीवा जिले की ग्राम पंचायत करहिया के ग्राम सचिव को जिला पंचायत सीईओ द्वारा निलंबित किए जाने के आदेश को निरस्त कर दिया है। जस्टिस संजय द्विवेदी की एकलपीठ ने आदेश को अनुचित पाया। ग्राम सचिव रामयस साकेत की ओर से याचिका दायर की गई थी। कोर्ट को बताया गया कि जिला पंचायत सीईओ रीवा ने 16 अगस्त, 2024 को याचिकाकर्ता बिना किसी नोटिस के राजनीतिक दवाब व द्वेषभावना के चलते निलंबित कर दिया गया। इतना ही नहीं उसे कोई सुनवाई का अवसर भी नहीं दिया गया। सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने सीईओ के निलंबन आदेश को निरस्त करने का राहतकारी आदेश पारित कर दिया।

365 वारंटी पकड़े गए, अवैध शराब के 54 आरोपी अंदर

अपराधियों की धरपकड़ के लिए पुलिस की कॉम्बिंग गश्त

जबलपुर। अपराधियो की धरपकड़ और अपराधों पर नियंत्रण करने के लिए पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर शुक्रवार की रात 10 बजे तक देर रात ढाई बजे तक जिले में कॉम्बिंग गश्त की गई। इस दौरान 365 वारंट तामील किए गए, वहीं अवैध शराब के 54 कारोबारी पकड़े गए, जिनसे 52 लीटर कच्ची और 504 पाव देशी शराब जब्त की गई। कॉम्बिग गस्त के दौरान वारंटी एवं लंबित मामलों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु शहर एवं देहात के थानों में पदस्थ लगभग 592 अधिकारी एवं कर्मचारियों की 81 टीमें बनाई गई, एक टीम के प्रभारी थाना प्रभारी स्वयं थे, अन्य टीम के प्रभारी उप निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी थे। टीमों के द्वारा दबिश देते हुए कॉम्बिंग गस्त के दौरान कई वर्षों से फरार 132 गैर म्यादी वारिटयों एवं 145 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए तथा 88 जमानती वारंट भी तामील किए गए है। इसी प्रकार अवैध शराब कारोबारियों के ठिकानों पर दबिश देते हुये 54 आरोपियों को गिरफ्तार कर 52 लीटर कच्ची तथा 504 पाव देशी/विदेशी शराब जप्त की गयी है।

इसके साथ ही कांबिंग गस्त के दौरान सक्रिय गुंडे बदमाशों को चेक करते हुए देर रात आने जाने वालों से रोक-टोक पूछताछ एवं रेलवे स्टेशन तथा बस स्टैंड के साथ-साथ मुसाफिरखाना में संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों की चेकिंग की गई।

संबल योजनाः जबलपुर के 391 हितग्राहियों के खातों में राशि अंतरित

जबलपुर। मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के अंतर्गत गत दिवस पात्र हितग्राहियों को अनुग्रह सहायता राशि प्रदान की गयी। सिंगल क्लिक के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल से सभी हितग्राहियों के खातों में राशि भेजी। आज एक ही दिन में अनुग्रह सहायता योजना के 23162 प्रकरणों में 505 करोड़ रुपये की राशि का वितरण किया गया। जिसमें जबलपुर के 391 हितग्राहियों को 8 करोड़ 2 लाख रूपये की राशि का अंतरण कर लाभान्वित किया गया। हितग्राहियों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने सभी से उनका हाल जाना एवं संकट के समय संबल मिले इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। इसके पूर्व भवरताल स्थित कल्चरल स्ट्रीट में आयोजित कार्यक्रम में विधायक डॉ. अभिलाष पांडेय, निगमाध्यक्ष रिकुंज विज, निगमायुक्त प्रीति यादव, एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सुबह व शाम को 3-3 घंटे होंगे स्पोर्ट्स के आयोजन

5 से 20 अप्रेल तक होगा समर स्पेशल झील महोत्सव

हरिभूमि जबलपुर।

गर्मी की छुट्टियों में बरगी की वादियों में आयोजित होने वाले झील महोत्सव बच्चों के लिए रोमांचक होने वाला है। वे वाटर स्पोर्ट्स, एयर स्पोर्ट्स व लैंड स्पोर्ट्स का लुत्फ उठा सकेंगे। इस सबके बीच आयोजकों के सामने पर्यटकों को गर्मी से बचाने की चुनौती होगी। दरअसल इस बार का झील महोत्सव समर स्पेशल होने वाला है। तापमान बढ़ने के साथ दिन में गरम हवा लोगों को अभी से झुलसाने लगी है। इसे देखते हुए सुबह व शाम को 3-3 घंटे स्पोर्ट्स के आयोजन का निर्णय लिया है। मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड और जबलपुर पुरातत्व पर्यटन व संस्कृति परिषद झील महोत्सव का आयोजन करने जा रहे हैं। उनके सामने फंड को लेकर भी चुनौती है। दरअसल 9 साल पहले झील

महोत्सव के आयोजन के लिए जबलपुर को शासन से 2 करोड़ रुपये का फंड मिला था। लेकिन इस बार आयोजन के लिए एमपी टूरिज्म बोर्ड से केवल 25 लाख रुपये की राशि ही मिली है।

पर्यटक यहां क्रूज पर नाइट सफारी और हाउस बोट का लुत्फ उठा सकेंगे। बरगी बांध पर दो क्रूज चलाए जाएंगे जो पर्यटकों को एक घंटे बांध में नौका विहार कराएंगे। इस दौरान नगर के कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। क्रूज पर स्वादिष्ट व्यंजन की भी व्यवस्था की जाएगी। जल विहार के लिए एक हाउस बोट पर बरगी बांध में उतारा जाएगा जो खास अनुभव कराएगा।

दो दिवसीय संभागीय मिलेट्स फैस्टीवल सह कृषि मेला का हुआ भव्य शुभारंभ

जबलपुर के सिंघाड़ा, छिंदवाड़ा के मक्के ने मचाई धूम

हरिभूमि जबलपुर।

शासन की कृषि संबंधी योजनाओं के प्रचार-प्रसार व नवीनतम कृषि तकनीक के प्रति जागरूकता के लिये किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा 29 एवं 30 मार्च को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर में दो दिवसीय संभागीय मिलेट्स फैस्टीवल सह कृषि मेलाद का आज भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक अशोक रोहाणी तथा विशिष्ठ अतिथ विधायक नीरज सिंह व संतोष बरकड़े थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जेएनकेव्हीव्ही के कुलगुरू डॉ. पीके मिश्रा ने किया। इस अवसर पर खरपतवार अनुसंधान के निदेशक डॉ. जेएस मिश्रा, भारत कृषक समाज के अध्यक्षत डॉ. केके अग्रवाल, कई वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक व बड़ी संख्या में किसान व संभाग के संबंधति अधिकारी मौजूद थे।जवाहर लाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित मिलेट्स सहकृषि मेला का शुभारंभ शनिवार को किया गया। इस मेले में संभाग के मिलेट्स विशेषज्ञ यहां जुटे। मेले में जबलपुर के मटर और सिंघाड़ा, तो छिंदवाड़ा का मक्का तो मंडला के बाजरे ने सबको प्रभावित किया। यहां बालाघाट की सुगंधित धान, सिवनी और छिंदवाड़ा का मक्का सोयाबीन एवं साग-सब्जी, नरसिंहपुर की दाल व गुड़, डिंडोरी

मंडला की कोदो-कुटकी, ज्वार, बाजरा एवं रागी जैसे उत्पादों ने भी सबका ध्यान आकर्षित किया। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा लगाये जा रहे संभाग स्तरीय मिलेट्स फूड फेस्टिवल सह कृषि मेला में श्री अन्न से बने व्यंजनों के स्टॉल लगाये जायेंगे। इसके अलावा कृषि की आधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन भी यहाँ किया जायेगा और किसानों को फील्ड विजिट भी मेले के दौरान कराई जायेगी।

पारा भरने लगा उड़ान, गर्मी ने दिखाए तेवर

जबलपुर। सूरज अपना रंग दिखाने आमादा है। दिन में एकाएक गर्मी का अहसास बढ़ने लगा है। धूप में तीखापन महसूस रहा है। हवा की दिशा भी उत्तर पश्चिमी हो गई है जिससे वातावरण में गर्मी बढ़ गई है। लगातार धूप के संपर्क में रहने पर पसीना भी छूटने लगा है। शनिवार को भी मौसम का मिजाज सुर्ख रहा। तापमान में भले ही आंशिक गिरावट हो लेकिन दिन और रात दोनों गर्म होने लगे। अप्रैल माह के शुरुआती दौर में ही तापमान 40 डिग्री के करीब पहुंच सकता है। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल अभी कोई पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं है जिसके असर से मौसम में बदलाव आए। आसमान पूरी तरह से साफ है और आने वाले दो दिनों में तापमान में दो से तीन डिग्री तक का उछाल आ सकता है। हालांकि रात में हल्की ठंड को अहसास बना रहेगा।

पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 35.0 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री कम और न्यूनतम तापमान 17.04 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 26 प्रतिशत और सायंकाल 18 प्रतिशत आंकी गई। उत्तरी हवाओं की रफ्तार 5 से 6 किमी प्रति घंटे की रही। सूर्योदय सुबह 06.04 बजे हुआ, जबकि सूर्यास्त 06.25 बजे हुआ। प्रदेश में सबसे कम 11.04 डिग्री तापमान राजगढ़ जिले में वहीं सर्वाधिक तापमान 40.07 नर्मदापुरम में दर्ज किया गया। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 40.04 और न्यूनतम तापमान 23.03 डिग्री दर्ज किया गया। अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के जिलों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No. : MPHIN/2008/24240